सेंसेक्स ~
निफ्टी ~
सोना ~
चांदी ~
डॉलर ~

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
मंगलवार 01 जुलाई 2025
आषाढ़ शुक्ल 05 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 276
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

कुकी समुदाय में गैंगवार, 4 की हत्या

इंफाल। मणिपुर के इम्फाल में कुकी समुदाय के दो ग्रुपों के बीच गैंगवार हुआ। यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी ने बयान जारी करते हुए लिखा- कुकी नेशनल आर्मी कमांडर थापी हाओकिप और उसके दोस्तों को हमारे 2 लोगों की हत्या की सजा दी गई है। पुलिस के मुताबिक, थापी हाओकिप और उसके साथी कार में थे। सोमवार दोपहर 2 बजे उन पर हमला हुआ। गैंगवार में पास के खेत में काम करने वाली 60 साल की महिला की गोली लगने से मौत हुई है। पुलिस इस मामले की जांच में जुट गई है। मामला आगे न बढ़े इसके लिए चौकसी बढ़ा दी गई है।

भाजपा विधायक ने पार्टी छोड़ी

हैदराबाद। तेलंगाना के भाजपा विधायक टी राजा सिंह ने सोमवार को पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। गोशामहल विधायक टी राजा ने पूर्व एमएलसी रामचंदर राव को तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष बनाने की खबरों पर कड़ी नाराजगी जताते हुए भाजपा की प्राथमिक सदस्यता छोड़ दी। टी. राजा ने भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष जी किशन रेड्डी को अपना इस्तीफा भेजा है। उन्होंने लिखा कि बहुत सारे लोग चुप हैं, इसे उनकी सहमति न समझा जाए। यह लाखों कार्यकर्ताओं के लिए सदमे जैसा है। टी राजा ने केंद्री नेतृत्व से अपील की कि वे अपने फैसले पर दोबारा विचार करें। टी राजा को 2022 में पार्टी से निलंबित किया जा चुका है। निलंबन अक्टूबर 2023 में वापस ले लिया गया था। वे तीन बार गोशामहल से विधायक चुने गए हैं।

ललित मोदी की याचिका खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने ललित मोदी की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने फेमा के उल्लंघन के लिए प्रवर्तन निदेशालय द्वारा उनके ऊपर लगाया गया 10.65 करोड़ रुपये का जुर्माना बीसीसीआई को अदा करने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। हालांकि, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि ललित मोदी को कानून के अनुसार उपलब्ध उपायों का लाभ प्राप्त करने का अधिकार होगा। पिछले साल 19 दिसंबर को मुंबई उच्च न्यायालय ने ललित मोदी पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया था और उनकी वह याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें उन्होंने विदेशी मुद्रा विनिमय प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के उल्लंघन के लिए प्रवर्तन निदेशालय द्वारा उन पर लगाए गए 10.65 करोड़ रुपये के जुर्माने का भुगतान बीसीसीआई को करने का आदेश देने का अनुरोध किया था।

दलित लड़की को आतंकी बनाया

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज की नाबालिग दलित लड़की को केरल में आतंकी बनाने की ट्रेनिंग दी जा रही थी। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने नाबालिग लड़की का अपहरण किया। उसे प्रयागराज से केरल ले गए। जबरन धर्म परिवर्तन कराया। फिर उसे जिहाद के नाम ट्रेनिंग देने लगे। इसी बीच पीड़िता वहां से भागकर केरल के एक रेलवे स्टेशन पहुंची। जहां रेलवे पुलिस को उसने आपबीती सुनाई। केरल पुलिस ने प्रयागराज पुलिस को सूचना दी। पुलिस नाबालिग को प्रयागराज लेकर आई। पीड़ित की मां की शिकायत पर आरोपी मोहम्मद कैफ और कहकशा बानो को अरेस्ट कर आतंकी माड्यूल का खुलासा किया। आतंकी माड्यूल में कौन-कौन शामिल हैं? यह गिरोह अब तक कितने लोगों को शिकार बना चुका है?

तेलंगाना की केमिकल फैक्ट्री में धमाका

12 मजदूरों की मौत और 34 जख्मी, अबतक 4 शव बरामद; ब्लास्ट के वक्त 150 लोग मौजूद थे

संगारेड्डी। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में सोमवार सुबह दवा बनाने वाली फैक्ट्री की रिएक्टर यूनिट में विस्फोट हो गया। घटना में 12 मजदूरों की मौत हो गई, 34 लोग जख्मी हैं। हादसा पाशमिलारम इंडस्ट्रियल एरिया स्थित सिगाची इंडस्ट्रीज में सुबह 8-15 बजे से 9.30 बजे के बीच हुआ। राज्य के श्रम मंत्री जी विवेक वेंकटस्वामी ने कहा- अबतक 4 शव बरामद हुए हैं। हमें उम्मीद है कि अब और कोई मौत नहीं होगी। आईजी वी सत्यनारायण ने बताया कि घटना के दौरान फैक्ट्री में 150 लोग थे, जहां ब्लास्ट हुआ वहां 90 लोग मौजूद थे। ब्लास्ट के कारणों का पता लगाया जा रहा है। रिएक्टर में तेजी से केमिकल रिएक्शन होने से ब्लास्ट की संभावना जताई गई है। इधर, पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट के जरिए ब्लास्ट की घटना पर दुख जताया। पीएम नेशनल रिलीफ फंड से मृतकों के परिजन को 2 लाख और घायलों को 50 हजार की मदद की घोषणा की।

धमाके से कई मीटर दूर जा गिरे मजदूर

एक मजदूर ने बताया कि मैं सुबह 7 बजे नाइट शिफ्ट पूरी करके बाहर निकला था। सुबह की शिफ्ट का स्टाफ अंदर आ चुका था। धमाका करीब करीब 8 बजे हुआ। शिफ्ट में मोबाइल जमा हो जाता है, इस वजह अंदर काम कर रहे लोगों की कोई खबर नहीं मिल पाई। एक मजदूर की महिला परिजन ने बताया कि उनके परिवार के चार लोग फैक्ट्री में काम करते हैं। इनमें उनका बेटा, दामाद, जेठ और देवर शामिल हैं। इनमें से तीन सुबह की शिफ्ट में थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक धमाका इतना तेज था कि वहां काम कर रहे मजदूर करीब 100 मीटर दूर जाकर गिरे। विस्फोट की वजह से रिएक्टर यूनिट तबाह हो गई है। कंपनी के एक कर्मचारी ने बताया कि अधिकतर मजदूर मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं। एक शिफ्ट में 60 से ज्यादा मजदूर और 40 अन्य लोगों का स्टाफ काम करता है।

65 देशों में एक्सपोर्ट होते हैं कंपनी के प्रोडक्ट

सिगाची इंडस्ट्रीज फार्मास्यूटिकल पाउडर बनाती है। यह साल 1989 से माइक्रोक्रिस्टलाइन सेलुलोज बना रही है। यह सफेद रंग का पाउडर होता है। इसमें कोई गंध या स्वाद नहीं होता है। माइक्रोक्रिस्टलाइन सेलुलोज का उपयोग दवा और कॉस्मेटिक इंडस्ट्री में किया जाता है। सिगाची इंडस्ट्रीज की हैदराबाद समेत पूरे देश में पांच फैक्ट्रियां हैं। कंपनी के प्रोडक्ट 65 से ज्यादा देशों में एक्सपोर्ट किए जाते हैं।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर संघ और आलाकमान के बीच फंसा पेंच

किसी नाम को लेकर एक राय नहीं बना पा रही

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर भारतीय जनता पार्टी में लंबे समय से आलाकमान और संघ के बीच पेंच फंसा हुआ है। बीजेपी के अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल जनवरी 2023 में समाप्त हो चुका था लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव के चलते जून तक कार्यकाल को विस्तार दिया था। संघ के सूत्रों के अनुसार संघ ने बीजेपी को अपनी राय पहले ही बता दी है। संघ अपनी ओर से पार्टी नए अध्यक्ष के लिए मानदंड बता चुका है। संघ चाहता है कि नया अध्यक्ष संगठन को मजबूत करने वाला शख्स हो। दरअसल, 4 से 6 जुलाई तक संघ की अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक दिल्ली में होनी है। इसमें सरसंघचालक मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले सहित सभी 6 सहसरकार्यवाह सहित संघ के पदाधिकारी मौजूद रहने वाले है। इस चर्चा में नए पार्टी अध्यक्ष के नाम पर मुहर लग सकती है। सूत्रों के अनुसार बैठक दौरान पार्टी अध्यक्ष को लेकर बीजेपी आलाकमान और संघ के नेताओं चर्चा हो सकती है। जहां बीजेपी संगठन को मजबूत करने और संभाल सकने वाले नेता को अध्यक्ष बनाना चाहती है। अध्यक्ष के चयन में राजनीतिक संदेश देने के बजाए संगठन को मजबूत करने वाले नेता को प्राथमिकता देने की जरुरत है। पार्टी की सर्वोच्च निर्णायक संस्था पार्लियामेंट्री बोर्ड में कद्दावर नेताओं को तरजीह दी जा सकती है। बताया जा रहा हैं कि बीजेपी आलाकमान और संघ के नेतृत्व के बीच पार्टी के नए अध्यक्ष के चयन को लेकर अभी आम राय नहीं बन पा रही है। नया अध्यक्ष बनने के बाद 50 प्रतिशत राष्ट्रीय महासचिवों की छुट्टी हो सकती है और नए अध्यक्ष की टीम में युवा नेताओं को बतौर महासचिव जगह दी जाएगी। जानकारी के अनुसार अभी तक 14 राज्यों के अध्यक्षों का चुनाव हो चुका है। नए अध्यक्ष के नाम पर आम राय न बन पाने और गुजरात, यूपी, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, कर्नाटक, और पश्चिम बंगाल जैसे महत्वपूर्ण राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष तय न हो पाने के कारण चुनाव अटका हुआ है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले पार्टी चाहती है उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्यप्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल जैसे महत्वपूर्ण राज्यों में संगठनात्मक चुनाव पूरे हो जाए। उनमें प्रदेश अध्यक्षों का चुनाव करा लिया जाए जिससे देश में ये संदेश जाए पार्टी ने सभी बड़े राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव पार्टी में आम सहमति से सम्पन्न करा लिए हैं।

ब्रिक्स में शामिल होंगे पीएम मोदी

27 साल बाद किसी भारतीय पीएम का होगा पहला घाना और नामीबिया दौरा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जल्द घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया का दौरा करने वाले हैं। सचिव (आर्थिक संबंध) दम्मू रवि

ने सोमवार को बताया कि प्रधानमंत्री 2 से 3 जुलाई को घाना का दौरा करेंगे। यह यात्रा 30 साल बाद हो रही है। राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा ने हाल ही में भारी जीत के बाद पदभार संभाला है। भारत और घाना के बीच ऐतिहासिक संबंध हैं। दशकों से कई क्षेत्रों में हमारे संबंध विकसित हुए हैं। उन्होंने कहा,दोनों देश अपने आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करेंगे। आर्थिक मुद्दे वार्ता का मुख्य विषय होंगे। भारत और घाना के बीच करीब 3 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार है, जिसमें सोने के आयात का बड़ा योगदान है। इस दौरे के दौरान कृषि, पश्चिम अफ्रीका में टीका विकास केंद्र, रक्षा सहयोग, महत्वपूर्ण खनिज और डिजिटल सार्वजनिक ढांचे पर फोकस किया जाएगा। कुछ समझौतों पर हस्ताक्षर भी किए जाएंगे।

विकसित कृषि और समृद्ध किसान केंद्र सरकार का लक्ष्य-शिवराज सिंह चौहान

रामपुर । मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने चौपाल पर चर्चा कार्यक्रम में कहा कि विकसित कृषि और समृद्ध किसान के संकल्प को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि नकली बीज और नकली कीटनाशक बेचकर किसानों को धोखा देने वाली कंपनियों के खिलाफ सख्ती की जाएगी। इसके लिए नए कानून बनाए जा रहे हैं। ताकि उन्नत खेती के साथ ही किसानों की आर्थिक दशा में भी सुधार हो सके। सोमवार को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान रामपुर पहुंचे। उन्होंने रामपुर-बरेली हाईवे के मिलक स्थित मोगा ढाबे में चौपाल पर चर्चा कार्यक्रम में किसानों से सीधे संवाद किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार कृषि क्षेत्र में आने वाली समस्याओं को दूर करने में जुटी हैं। मंत्री, केंद्र व राज्य की सरकारें, वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्र और हमारे किसान मिलकर एक राष्ट्र और एक टीम बनें, ताकि सभी किसानों की बेहतरी, कृषि उत्पादन बढ़ाने, किसानों की लागत घटाने और किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए कार्य कर सकें। कार्यक्रम के दौरान किसानों ने अपनी-अपनी समस्याएं और खेती में आ रही चुनौतियों के बारे में बताया। उन्होंने फसल की लागत अधिक आने, मिटटी का परीक्षण कराने के लिए संसाधनों की कम उपलब्धता, कीटनाशकों की बिक्री में दुकानदारों की मनमानी, घटिया बीज, सिंचाई की समस्या जैसी तमाम समस्याओं के बारे में विस्तार से जानकारी और अपने सुझाव दिए। जिसके बाद केंद्रीय मंत्री ने अपने साथ आए कृषि वैज्ञानिकों को निर्देशित करते हुए कहा कि आप लोग रिसर्च करें कि किसानों की इन समस्याओं को कैसे दूर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि किसान भाई इस बात को लेकर निश्चिंत रहें कि अब कोई उन्हें घटिया बीज और नकली कीटनाशक बेच पाएगा। इसके लिए केंद्र सरकार कड़े कानून बनाने जा रही है। यदि किसी ने नकली बीज और नकली कीटनाशक बेचा, तो उस कंपनी के खिलाफ ही दंडात्मक कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का लक्ष्य किसानों को तकनीक, उन्नत बीज उपलब्ध कराकर समृद्ध करना है। हम सब उसी दिशा में कार्य कर रहे हैं। कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख ने केंद्र व प्रदेश सरकार की किसानों को लाभ पहुंचाने वाली योजनाओं के बारे में विस्तार

से बताया। केंद्रीय कृषि मंत्री ने किसानों से कहा कि कृषि वैज्ञानिक लैब में बैठकर नहीं, बल्कि किसानों के खेतों में जाकर उनकी समस्याओं का समाधान करें। किसानों को खुद से दूर करने के बजाए, उनके करीब लाएं,ताकि किसानों और वैज्ञानिकों के संयुक्त प्रयास किसानों की समृद्धि का कारण बनें। कहा कि एक किसान ने बताया कि वह डायरेक्ट सीडिंग के माध्यम से धान की खेती कर रहे हैं, जिससे पानी की बचत होगी। यह निश्चित रूप से अच्छे परिणाम लाएगा। दूसरे किसान भी इस पर अमल करें, तो न सिर्फ उनकी लागत बचेगी, बल्कि पानी की भी बचत होगी, जो उन्हीं के काम आएगी।

यह कहना गलत कि जज कानून बनाने की प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं कर सकते

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्जवल भुइयां ने कानून बनाने में न्यायाधीशों की भूमिका को लेकर कहा कि यह कहना गलत है कि जज कानून बनाने की प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं कर सकते। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह की धारणा का कोई कानूनी या संवैधानिक आधार नहीं है। जस्टिस भुइयां ने पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली का भी जिक्र किया। बता दें जस्टिस भुइयां महाराष्ट्र और गोवा बार काउंसिल द्वारा सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस अभय एस ओका के विदाई समारोह में पहुंचे थे। इस दौरान जस्टिस भुइयां ने कहा कि संविधान ने सुप्रीम कोर्ट को संसद द्वारा बनाए गए कानूनों की पड़ताल करने और संविधान के अनुरूप नहीं पाए जाने पर ऐसे कानूनों का रद्द करने का भी अधिकार दिया है। ऐसे में यह कहना उचित नहीं होगा कि न्यायधीश कानून बनाने की प्रक्रिया में भाग नहीं ले सकते। भुइयां ने कहा कि मेरे हिसाब से यह आलोचना की कि जज लोगों द्वारा चुने नहीं जाते इसलिए उन्हें कानून बनाने में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए, इसका कोई कानूनी या संवैधानिक आधार नहीं है। संविधान ने सुप्रीम कोर्ट को जांच करने का अधिकार दिया है कि संसद द्वारा बनाया गया कानून संविधान के अनुरूप है या नहीं और अगर नहीं है, तो न्यायपालिका न्यायिक समीक्षा की शक्ति का प्रयोग करके ऐसे कानून को रद्द कर सकती है।

पहाड़ी राज्यों में बारिश से तबाही

शिमला में 5 मंजिला बिल्डिंग गिरी; बदरीनाथ हाईवे पर लैंडस्लाइड

नई दिल्ली/भोपाल। देश के सभी राज्यों में मानसून पहुंच गया है। बीते 24 घंटे से पहाड़ी राज्यों में तेज बारिश का सिलसिला जारी है। हिमाचल के सोनल में गाड़ियों के सामने पहाड़ का एक बड़ा हिस्सा लैंडस्लाइड के बाद रोड पर आ गया। वहीं उत्तराखंड में लैंडस्लाइड के बाद बदरीनाथ नेशनल हाईवे पर कई किलोमीटर का लंबा जाम लगा है। मध्यप्रदेश में तेज बारिश का दौर जारी है। बुंदेलखंड का केदारनाथ कहे जाने वाले जटाशंकर धाम में बारिश के बाद झरना बहने लगा है। बारिश का पानी पहाड़ों से होकर भोलेनाथ की प्रतिमा के पास से निकलता है। ये नजारा बेहद आनंदित करता है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर-उज्जैन समेत 25 से ज्यादा जिलों में बारिश का दौर चला।

हिमाचल प्रदेश में रविवार से ही तेज बारिश हो रही है। लैंडस्लाइड के चलते प्रदेशभर की 129 सड़कों पर वाहनों की आवाजाही बंद हो गई है। मानसून के बाद से राज्य में अब तक 39 लोगों की मौत हो चुकी है। बीते 24 घंटे में 3 ने जान गंवाई है। हिमाचल के मंडी-कुल्लू नेशनल हाईवे पर थलौट की भुभु जोत टनल के पास सोमवार सुबह लैंडस्लाइड हो गया। इससे टनल के अंदर 5 घंटे तक कई गाडि?ं फंसी रहीं। अलर्ट के चलते आज हिमाचल के 4 जिलों में स्कूल बंद हैं। बिहार के भोजपुर, बक्सर और नालंदा में बिजली गिरने से 5 की मौत हो गई। वहीं, गया के इमामगंज में लगुराही वाटरफॉल में रविवार को अचानक पानी बढ़ गया। तेज बहाव में 6 लड़कियां बह गईं। स्थानीय लोगों ने सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

5 मंजिला बिल्डिंग गिरी

हिमाचल में बीते 48 घंटे से बारिश हो रही है। पिछले 10 दिन में 39 लोगों की मौत हुई है। बारिश के चलते कई जिलों में भूस्खलन और पानी भरने की घटनाएं सामने आई हैं। मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार को राज्य में बारिश का रेड अलर्ट है। कई जगहों पर लैंडस्लाइड की आशंका है।

उत्तरकाशी में 7 मजदूर लापता

मौसम विभाग ने उत्तराखंड में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। राज्य के कई जिलों में स्कूल बंद हैं। बागेश्वर जिले में सरयू नदी उफान पर है। उत्तरकाशी के सिलाई बैंड के पास बादल फटने की घटना में लापता 7 लोगों के लिए रेस्क्यू अभियान जारी है।

चूरू में बाढ़ जैसे हालात

राजस्थान के चूरू जिले में सुबह 5 बजे से ही बारिश हो रही है। शहर के निचले इलाकों में स्थित घरों और दुकानों में 3 से 4 फीट तक पानी भर गया। लोगों के घरों और दुकानों में पानी भर गया है। पूरे राजस्थान में 20 जून के बाद से ही मानसून की बारिश हो रही है। तेज बारिश के कारण पाली में कई जगह बरसाती नदियां उफान पर हैं।

गया में 6 लड़कियां वाटरफॉल में बहीं

गया के इमामगंज में लगुराही वाटरफॉल में अचानक पानी बढ़ गया। तेज बहाव में 6 बच्चियां बह गईं। सभी बच्चियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

भोपाल के बैरसिया के ललरिया में एक 13 साल के बालक की तालाब में डूबने से मौत हो गई। तौहीद रविवार को डूबा था। उसका शव करीब 18 घंटे बाद सोमवार को मिला। एसडीईआरएफ की टीम ने रेस्क्यू कर शव निकाला। एसडीएम आशुतोष शर्मा समेत कई अधिकारी रेस्क्यू के दौरान मौके पर मौजूद रहे।

निचली बस्तियों में जलभराव

भिंड जिले में सोमवार सुबह 11 बजे से बारिश शुरू हो गई। करीब एक घंटे तक कभी तेज तो कभी रिमझिम बारिश होती रही। शहर की निचली बस्तियों में जलभराव की समस्या भी आई। पुरानी बस्ती, शास्त्री कॉलोनी के फेज-वन और टू, गड़इया मोहल्ला और राज होली इलाके में पानी भर गया। बुंदेलखंड का केदारनाथ कहे जाने वाले जटाशंकर धाम में बारिश के बाद झरना बहने लगा है। बारिश का पानी पहाड़ों से होकर भोले नाथ की प्रतिमा के पास से निकलता है। ये नजारा बेहद आनंदित करता है।

विपक्ष संविधान को कूड़ेदान में फेंकने की मानसिकता से नहीं आ पा रहा बाहर-सुधांशु

नई दिल्ली। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने सोमवार को नई दिल्ली के बीजेपी कार्यालय में बिहार में नेता प्रतिपक्ष और राजद नेता तेजस्वी यादव के एक बयान का जिक्र करते हुए कहा कि वह कहते हैं कि संसद के कानून को (वक्फ बोर्ड कानून) कूड़ेदान में फेंक देंगे। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि अभी हाल ही में हमने भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे दुर्दांत काले अध्याय आपातकाल के 50 साल पूरे किए हैं, लेकिन बड़े दुख की बात है कि पटना के उसी गांधी मैदान में जहां आपातकाल के दौरान संविधान की रक्षा और संविधान के सम्मान के लिए जान की परवाह किए बिना लाखों लोग एकत्र हुए थे। वहां कल एक ऐसी रैली हुई, जिसमें तेजस्वी यादव ने कहा कि संसद के कानून को (वक्फ बोर्ड कानून) कूड़ेदान में फेंक देंगे। जबकि यह कानून दोनों सदनों से पारित है और कोर्ट में विचाराधीन है। इसका अर्थ ये हुआ कि न संसद का सम्मान न न्यायपालिका का सम्मान। यह साफ है कि 50 साल बाद भी इंडी गठबंधन संविधान को कूड़ेदान में फेंकने की पुरानी आदत से बाहर नहीं आ पाया है।

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में शुक्ला का तीसरा दिन, न्यूरो मोशन वीआर प्रोजेक्ट के लिए डेटा जुटाया

नई दिल्ली। इंडियन एयरफोर्स के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से एक नई सेल्फी फोटो सामने आई है, इसमें वे हंगरी के एस्ट्रोनॉट टिबोर कपु के साथ मुस्कुराते दिख रहे हैं। यह तस्वीर स्पेस स्टेशन के कपोला मॉड्यूल के अंदर से ली गई है। स्पेस मिशन में शुभांशु के साथ कमांडर पैगी व्हिटसन, मिशन स्पेशलिस्ट स्लावोश उज़्नान्स्की-विश्निव्स्की और टिबोर कपु मौजूद हैं। इस मिशन में वैज्ञानिक अनुसंधान से लेकर वैश्विक जागरूकता अभियानों तक, कई महत्वपूर्ण गतिविधियाँ की जा रही हैं। यह अध्ययन इस दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है कि भविष्य में एल्गी एक पोषक तत्वों से भरपूर, टिकाऊ फूड सोर्स बन सकती है, खासकर लंबे स्पेस मिशनों के लिए वरदान साबित हो सकती है। कमांडर व्हिटसन ने लो अर्थ ऑर्बिट (लीओ) में कैंसर सेल्स पर

इमेजिंग और रिसर्च का काम किया। यह रिसर्च सैनफोर्ड स्टेम सेल इंस्टीट्यूट के सहयोग से की गई, जिसका उद्देश्य माइक्रोग्रैविटी में कैंसर के व्यवहार को समझना है। इससे एग्रेसिव और मेटास्टेटिक कैंसर के उपचार में मदद मिल सकती है।स्पेस क्रू ने न्यूरो मोशन वीआर प्रोजेक्ट के लिए डेटा जुटाया, जिसमें अंतरिक्ष यात्री वीआर हेडसेट पहनकर टास्क करते हैं और उनके मस्तिष्क की गतिविधियों को एफएनआईआरएस तकनीक से रिकॉर्ड किया जाता है। इससे यह समझने में मदद मिलेगी कि माइक्रोग्रैविटी मोटर स्किल्स को कैसे प्रभावित करती है। इसी दौरान टेलीमेट्रिक हेल्थ एआई स्टडी के लिए भी डेटा इकट्ठा किया गया, जो यह जांचेगा कि स्पेस फ्लाइट हृदय और संतुलन प्रणाली को किस तरह प्रभावित करती है। उजनान्स्की ने माइक्रोफ्लुइडिक डिजाइन के एक्सपेरिमेंट में भाग लिया, जहां दवा की गुणवत्ता जांचने के लिए माइक्रोस्कोप टेस्टबेड का उपयोग किया गया। इस प्रयोग से अंतरिक्ष में हेल्थकेयर को नई दिशा मिल सकती है।

कलेक्टर ने टीएल मीटिंग में की समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीणा ने 30 जून को टीएल बैठक में समय-सीमा संबंधी प्रकरणों की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, बैहर एसडीएम अर्पित गुप्ता, डिप्टी कलेक्टर मायाराम कौल, राहुल नायक एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सर्वप्रथम अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के पंजीयन की समीक्षा की गई। इस दौरान स्वास्थ्य, परिवहन, उद्योग, खाद्य आपूर्ति, श्रम विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले अधिक से अधिक लोगो को इन योजनाओं से जोड़ा जाए। इस दौरान बताया गया कि अटल पेंशन योजना में चालू वित्तीय वर्ष में 11 हजार 303 लोगो का पंजीयन किया जा चुका है। इस योजना में अब तक 01 लाख 05 हजार 854 लोग जुड़ चुके है। सुकन्या समृद्धि योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले को इस वर्ष 19 हजार 281 बालिकाओं को लाभान्वित करने का लक्ष्?य दिया गया है। इस लक्ष्य के विरूद्ध 6217 बालिकाओं के खाते खोले जा चुके है। कलेक्टर श्री मीणा ने इस लक्ष्य को समय सीमा से पहले पूर्ण करने के निर्देश दिए। धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान एवं पीएम जनमन अभियान के अंतर्गत अधिक से अधिक पात्र लोगो तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने आगामी 15 जुलाई तक शिविर लगाने के निर्देश दिए गए। इन शिविरों में किसान क्रेडिट कॉर्ड वितरण एवं मुद्रा लोन वितरण बढ़ाने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री मीणा ने बैठक में उपसंचालक कृषि एवं उससे जुड़े विभागों के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि किसानो की आवश्यकता के अनुरूप उर्वरक की आपूर्ति एवं वितरण सुनिश्चित करे। जिले में कही से भी उर्वरक वितरण को लेकर कानून व्यवस्था की स्थिति नहीं बनना चाहिए। सभी एसडीएम को निर्देशित किया गया कि अपने क्षेत्र में उर्वरक की उपलब्धता एवं वितरण की नियमित रूप से समीक्षा करे। मत्स्य विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया गया कि जिले के बड़े

जलाशयों में मत्स्य पालन के लिए अधिक संख्या में कैज कल्चर लगाने की व्यवस्था करे। इसके साथ ही फिश पार्लर एवं बायोफ्लॉक पर एक सप्ताह के भीतर काम पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। उद्यानिकी विभाग को मखाना एवं चिरौंजी उत्पादन व प्रोसेसिंग ईकाई स्थापना के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए। वर्षा ॠतु के दौरान पौधारोपण कार्य की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया गया कि सभी विभाग अपने लक्ष्यों के अनुरूप पौधारोपण की तैयारी करे और पौधे लगाने के उपरांत अंकुर एप्प पर उसकी एंट्री अनिवार्य रूप से करे। महिला बाल विकास अधिकारी को सभी ऑगनवाड़ी केंद्रो में मुनगा, अमरूद, मीठी नीम आदि के पांच-पांच पौधे लगाने के निर्देश दिये गए। इस दौरान बताया गया कि जुलाई से सितम्बर माह तक शिक्षा विभाग द्वारा जिले में 01 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य दिया गया है। इसके अंतर्गत शाला में दर्ज प्रत्येक बच्चे द्वारा अपनी मॉ के साथ एक पौधा लगाया जाएगा और इसकी माई लाईफ एप्प पर एंट्री की जाएगी। कलेक्टर श्री मीणा ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि पौधारोपण के कार्य को गंभीरता से ले और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होना चाहिए। इस कार्य में लापरवाही पाये जाने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। समग्र ई-केवायसी की समीक्षा के दौरान नगर पालिका बालाघाट, कटंगी एवं वारासिवनी को गुरुवार के पहले शत प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। इसी प्रकार उचित मूल्य दुकानों के हितग्राहियों की शेष ई-केवायसी का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने कहा गया। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी एवं सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक को निर्देशित किया गया कि पाठ्यपुस्तकों का छात्र छात्राओं को शीघ्रता से शत प्रतिशत वितरण सुनिश्चित करे। उपसंचालक कृषि को भी निर्देशित किया गया कि खरीफ फसलों के बीज प्राप्त होते ही उनका वितरण करे। आयुष्मान कॉर्ड की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया गया कि जिन बीपीएल का कार्य संतोषजनक नही है उनके विरूद्ध कार्यवाही करे। बैठक में सभी एसडीएम को निर्देशित किया गया कि सर्पदंश से बचाव के संबंध में जागरूकता के लिए शिविरों का आयोजन करे। जिन स्थानों पर सर्पदंश की घटना अधिक संख्या में घटित होती है उनके कारणों का अध्ययन करने कहा गया। सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान 50 दिन से अधिक की लंबित शिकायतों का शीघ्रता से निराकरण करने के निर्देश दिये गए। शिकायतों को अनावश्यक अन्य विभागों को हस्तांतरित करने पर कार्यवाही की चेतावनी दी गई। बैठक में पीएम सूर्य घर योजना में पंजीयन की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिये गए।

9 वर्षीय मासूम लड़की के साथ दुष्कर्म- निर्मल सेठ गिरफ्तार

हिमाचल वारासिवनी निवासी है निर्मल पटले

न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया जिला जेल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भरवेली पुलिस ने एक 9 वर्षीय मासूम लड़की के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में निर्मल पटले (निर्मल सेठ) पिता जियालाल पटले 44 वर्ष वार्ड नंबर एक हिमाचल नगर वारासिवनी निवासी को गिरफ्तार कर लिये। जिसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भरवेली थाना क्षेत्र में आने वाले गांव में निर्मल पटले की चावल, खंडे की दुकान है। यह 9 लड़की इसी ग्राम में अपने परिवार के साथ रहती है और इसके माता-पिता बालाघाट में सब्जी की दुकान लगाते हैं। यह बच्ची अपने गांव की ही प्राथमिक शाला में पढ़ाई करती है। 27 जून को यह लड़की अपने गांव के स्कूल चली गई थी। दोपहर में उसके माता-पिता सब्जी का धंधा करने के लिए बालाघाट आ गए थे। शाम 4:00 बजे यह लड़की स्कूल से छुट्टी होने के बाद अपने घर आई और कपड़े बदलकर अपने गांव के चौक तरफ खेलने जा रही थी। तभी निर्मल सेठ ने इस लड़की को अपनी दुकान में बुलाया और इस लड़की को पकड़ कर अपनी दुकान के अंदर ले गया और दुकान का शटर बंद कर दिया और उसे अश्लील वीडियो दिखाकर निर्मल पटले लड़की के साथ दुष्कर्म करने लगा। लड़की के चिल्लाने पर निर्मल सेठ ने इस लड़की का मुंह दबा दिया। इसी दौरान किसी व्यक्ति ने बाहर से निर्मल सेठ को आवाज दिया। तब निर्मल सेठ ने इस लड़की को 10 रुपए दिया और किसी को बताने पर बहुत मारने की धमकी दे दी। तब यह लड़की अपने घर गई। बताया गया है कि निर्मल सेठ के इस हरकत पर किसी व्यक्ति को शक हो गया था और उसने इस संबंध में इस लड़की के माता-पिता को खबर दिया। खबर मिलती ही लड़की के माता-पिता घर आए और लड़की से पूछने पर उसने निर्मल सेठ द्वारा किए कुकृत्य के सम्बंध मैं बताई। जिसके बाद इस लड़की को लेकर उसके परिवार के लोग भरवेली पुलिस थाना पहुंचे। और इस घटना की रिपोर्ट किये थे। भरवेली पुलिस ने इस लड़की की मां के द्वारा की गई रिपोर्ट पर निर्मल पटले पिता जीया लाल पटले वार्ड नंबर 1 हिमाचल नगर वारासिवनी निवासी के विरुद्ध धारा 64(2)(i),65(2) भारतीय न्याय संहिता 2023 और धारा 3/4,5/6(एम) लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किये और भरवेली पुलिस ने अपराध दर्ज को के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए इस अपराध में इस निर्मल सेठ को गिरफ्तार करके बालाघाट की विशेष अदालत में पेश कर। दिए जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है।

कार की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार युवक घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर समीप वारासिवनी रोड पुलिस लाइन के पास बेलगाम कार ने मोटरसाइकिल को ठोस मार दी।कार की जबरदस्त ठोकर से घायल मोटरसाइकिल सवार युवक कुणाल पिता श्याम उइके 20 वर्ष ग्राम कंजई थाना लालबर्रा निवासी है। जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कुणाल उइके अपने परिवार के साथ

खेती मजदूरी करता है। 30 जून को कुणाल उइके मोटरसाइकिल में अपने किसी काम से बालाघाट आया था और बालाघाट से काम निपटने के बाद शाम 5:00 बजे करीब कुणाल उइके मोटरसाइकिल में बालाघाट से अपने गांव कंजई जा रहा था। तभी वारासिवनी रोड पुलिस लाइन के पास सामने से तेज रफ्तार से आ रही टाटा इंडिका कार ने मोटरसाइकिल को ठोस मार दी। कार की जबरदस्त ठोकर से कुणाल उइके मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गया। जिसके कुणाल उइके के सिर और अन्य जगह चोट आई। घायल कुणाल को उसी कार से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है। कार का नम्बर सी जी 04 एच बी 1123 बताया गया है।जिला अस्पताल पुलिस चौकी प्रभारी शिवदयाल पटले ने घायल युवक कुणाल उइके के परिजन का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु कोतवाली भिजवा दी है।

खुले टांके में गिरने से गर्भवती भैंस की दर्दनाक मौत

हट्टा थाने के ग्राम पाथरी की घटना, ग्रामीणों ने पंचायत को ठहराया जिम्मेदार, मुआवजे करी मांग

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले के हट्टा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम पाथरी मे खुले टांके में गिरने से एक गर्भवती भैंस की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई मौत हो गई। 29 जून की शाम को हुई इस घटना से भैंस के मालिक पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है, वहीं ग्रामीणों में पंचायत प्रशासन के प्रति गहरा रोष व्याप्त है। ग्रामीणों ने इस दुर्घटना के लिए सीधे तौर पर पंचायत को जिम्मेदार ठहराते हुए कार्रवाई और मुआवजे की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 29 जून की शाम को पाथरी निवासी निलेश नगपुरे की भैंस खेत की ओर से घर जा रही थी।, इसी दौरान सड़क के किनारे स्थित एक खुले टांके में गिर गई। टांका गहरा होने के कारण भैंस को बाहर निकालना संभव नहीं हो पाया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृत भैंस गर्भवती थी, जिससे पशुपालक को दोहरा नुकसान हुआ है। भैंस की अनुमानित कीमत 80 से 90 हजार रुपये बताई गई है। ग्रामीणों का कहना है कि यह टांका मुख्य सड़क के किनारे बना हुआ है और कई वर्षों से इसका ढक्कन टूटा हुआ है। इसके बारे में कई बार ग्राम पंचायत को जानकारी दी गई थी, लेकिन आज तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। यदि समय रहते इस टांके को ढक दिया गया होता तो इस प्रकार की दुखद घटना नहीं होती। पीड़ित निलेश नगपुरे ने प्रशासन से मुआवजे की मांग करते हुए कहा कि वह पशुपालन कर अपने

परिवार का जीवन यापन करता है। इस दुर्घटना से उसकी आजीविका पर बड़ा संकट आ खड़ा हुआ है। गर्भवती भैंस की मौत ने उसके आर्थिक संतुलन को पूरी तरह से बिगाड़ दिया है। घटना की सूचना मिलते ही 30 जून को सुबह हट्टा पुलिस मौके पर पहुंची। और टांके से भैंस को बाहर निकलवाए जहां पंचनामा तैयार कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई। पुलिस ने पूरे घटनास्थल का मुआयना किया और आगे की जांच शुरू कर दी है। वहीं ग्रामीणों ने एक सुर में पंचायत प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द सभी खुले टांकों को ढंका जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

नाम सुधार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं समीउर रहमान पिता अहफजुल रहमान खान निवासी वार्ड न. 10 भटेरा रोड बालाघाट का निवासी हुँ। मेरे ड्राईविंग लाइसेंस में भुलवश **SHAMIUR RAHAMAN KHAN** लिखा गया है जो कि बाकी दस्तावेजों से अलग है जबकि मेरा वास्तविक नाम **SHAMIUR RAHMAN KHAN** है।

अत: मुझे मेरे वास्तविक नाम **SHAMIUR RAHMAN KHAN** से जाना व पहचाना जावें एवं मेरे ड्राईविंग लाइसेंस में नाम सुधार किया जाएँ।

समीउर रहमान खान
वार्ड न. 10 भटेरा रोड, बालाघाट

आम सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पक्षकार श्रीमती डिम्पल सिंह पति राकेश सिंह निवासी वार्ड न. 32 नर्मदानगर बालाघाट, थाना तह. बालाघाट जिला बालाघाट के द्वारा राकेश पाण्डे पिता आर.पी. पाण्डे निवासी वार्ड न. 32 नर्मदानगर बालाघाट तह. व जिला बालाघाट की भूमि जो मौजा गर्रा तह0 लालबर्रा जिला बालाघाट मे स्थित है तथा जिसका ख.न. 74 रकबा 0.138 हे. है, को मेरी पक्षकार ने राकेश पाण्डे से 30/04/2012 को उपरोक्त वर्णित भूमि पर भोजनालय के संचालन हेतु लिया था तथा इस सम्बंध मे दोनो पक्षो के मध्य एक सहमति पत्र भी निष्पादित किया गया था। यह कि उक्त भूमि पर 30/04/2012 से श्रीमती डिम्पल सिंह द्वारा जो भोजनालय लगातार चलाया जा रहा है, पर सुनीता उर्फ रीना पाण्डे पति स्व. राकेश पाण्डे निवासी वार्ड नं. 32 नर्मदानगर बालाघाट, तहसील व जिला बालाघाट म.प्र. व विशाल टांडी केशर प्लाजा काम्पलेक्स बालाघाट, तहसील व जिला बालाघाट के द्वारा तोडफोड कर भोजनालय के संचालन मे बाधा उत्पन्न की जा रही है, जिसे रोकने के लिये स्थायी निषेधाज्ञा का वाद मेरी पक्षकार के द्वारा प्रथम व्यवहार न्यायधीश कनिष्ठ खंड वारासिवनी के न्यायलय मे दायर किया गया है, जो वर्तमान मे लंम्बित है तथा जिसका प्रकरण कंमाक आरसीएस 138ए/2025 है, जिसकी आगामी पेशी तिथि दिनांक 25/07/2025 को नियत है। चूंकि उक्त भूमि विवादित है तथा मेरी पक्षकार को ज्ञात हुआ है कि न्यायलय मे लबित इन विवादित भूमि को सुनीता उर्फ रीना पाण्डे पति स्व0 राकेश पाण्डे निवासी वार्ड नं. 32 नर्मदानगर बालाघाट, तहसील व जिला बालाघाट म.प्र. व विशाल टांडी के द्वारा विकय करने का प्रयास किया रहा है, जो कि अवैध है। अत: सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मौजा गर्रा तह. लालबर्रा जिला बालाघाट मे स्थित ख.न. 74 रकबा 0.138 है. भूमि के सम्बंध मे किसी भी प्रकार की कोई सौदेबाजी न करे, अन्यथा सौदेशुदा भूमियो की आर्थिक नुकसानी उन्हे उठानी पडेगी साथ ही मेरी पक्षकार ऐसे सभी व्यक्तियो के विरूद्व न्यायलीन कार्यवाही मे उन्हें भी सम्मिलित करेगी, जिसके लिये भी वे स्यंम जिम्मेदार होगे। अत: सूचना जानिये

प्रेषक
महेन्द्र देशमुख
अधिवक्ता बालाघाट

जल गंगा संवर्धन अभियान का ग्राम सावंगी में हुआ समापन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। प्रदेश सरकार के द्वारा प्रकृति के अनमोल संसाधनों को बचाने के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। जिसका शुभारंभ ३० मार्च को किया गया था वहीं समापन ३० जून को ग्राम सावंगी में किया गया। वहीं जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले १५ लोगो को विधायक विवेक पटेल के हस्ते प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समापन अभियान के अवसर पर विधायक विवेक पटेल ने पर्यावरण प्रेमी, स्कूल कॉलेज के विद्यार्थियों, विभिन्न संस्थानों के पदाधिकारियों को तालाब में फैले कचरों को एकत्रित कर सफाई करने के साथ. साथ क्षेत्र के लोंगो को स्वच्छता का संदेश दिया। इस दौरान जनपद सीईओ दीक्षा जैन, सरपंच महेंद्र राणा, सचिव अंकित जायसवाल, उपसरपंच धनेद्र चौहान, पंनालाल ठाकरे, संदेश बिसेन, उज्ज्वल सलामे, नीलेश राणा, शंकरलाल उइके, श्यामाबाई गरगे, रंजना शेंन्द्रे, सुनीता गौतम, शकुंतला राणा, सुनीता आचरे, वर्षा गौतम सहित ग्रामीणजन मौजूद रहे। जनपद सीईओ दीक्षा जैन ने बताया की ३० मार्च से ३० जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। जिसका समापन ग्राम सावँगी में किया गया। वारासिवनी जनपद पंचायत क्षेत्र के ६० पंचायतो में ३९० नवीन खेत तालाब का निर्माण किया गया है। ग्राम सावँगी २२ लाख ७१ हजार रूपये की लागत सें सात खेत नवीन तालाब का निर्माण किया गया है। वहीं वारासिवनी जनपद पंचायत क्षेत्र में २०० से अधिक पुराने तालाब का जीर्णोद्धार का काम भी किया गया है। इस मौके पर विधायक विवेक पटेल ने कहा की यह शासन की एक अच्छी पहल है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तरह नदी और तालाब की साफ सफाई के साथ साथ नवीन खेत तालाब का भी निर्माण किया गया। गर्मी बढ़ने का मुख्य कारण पेड़ो की कटाई है जो बेतहाशा जारी है। हमें पर्यावरण संतुलन रखने के लिए हम सभी को एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए और जब तक पेड़ बड़े नही हो जाते है। तब तक हमे उन नन्हे पेड़ों की अपने बच्चों के समान देखभाल करनी चाहिए। पेड़ हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं इनकी सुरक्षा करना हमारे जीवन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है इसे हमें भूलना नही चाहिए। श्री पटेल ने कहा कि वर्तमान समय में वन माफियाओं के द्वारा बेतहाशा तरीके से पेड़ों का कत्लेआम किया जा रहा है। जिस वजह से धरती का पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा हैं जिसका नुकसान इंसानों सहित तमाम जीव जंतुओं पर भी पड़ रहा हैं। ग्राम में नवीन तालाब बनवाने के साथ साथ ग्राम के लोगो को रोजगार भी मिला है। इस वर्ष गर्मी में तालाब और कुएं भी सुख गए थे इससे यह प्रतीत होता हैं की आने वाले समय में पानी का और संकट होगा। इसलिए ज्यादा सें ज्यादा पेड़ लगाए और दुसरो को भी पेड़ लगाने प्रेरित करें पानी बचाये और पानी को रोककर रखें।

कार की ठोकर से स्कूटी सवार महिला घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर समीप मोती नगर रोड पर स्थित सी एम राइस स्कूल के सामने तेज रफ्तार टवेरा कार ने स्कूटी को चपेट में ले लिया। टवेरा कार की ठोकर से स्कूटी में सवार महिला वर्षा पति लखन ठाकरे 34 वर्ष ग्राम खुरसोडी थाना ग्रामीण निवासी है। जिनका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्षा ठाकरे जिला अस्पताल बालाघाट में नर्सिंग ऑफिसर के पद पर पदस्थ है।30 जून को 2:00 बजे करीब वर्षा ठाकरे स्कूटी में अपने घर खुरसोड़ी से जिला अस्पताल बालाघाट ड्यूटी करने आ रही थी।तभी मोतीनगर रोड कोतवाली के पास सी एम राइस स्कूल के सामने अंबेडकर चौक की ओर से तेज रफ्तार से आ रही सफेद रंग की टवेरा कार ने स्कूटी को ठोस मार दी। टवेरा कार की ठोकर से वर्षा ठाकरे स्कूटी सहित गिरने से घायल हो गई। जिसे उसी कार के चालक ने कार से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया। कार का नंबर एमपी 04 बी ए 8766 बताया गया है। जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रभारी शिवदयाल पटले ने वर्षा ठाकरे का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्यवाही हेतु कोतवाली भिजवा दी है।

रोटरी क्लब ऑफ वैनगंगा के अध्यक्ष बने रोटे सुकुमार जैन, सचिव रोटे. निलेश पटेल और कोषाध्यक्ष बने रोटे. विकल्प जैन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले में सामाजिक सेवा में अग्रणी भूमिका निभा रहे रोटरी क्लब ऑफ वैनगंगा के नए अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष का मनोनयन हो गया है। जिनका आगामी एक जुलाई से कार्यकाल प्रारंभ हो जाएगा। रोटरी क्लब ऑफ

वैनगंगा के एक वर्षीय कार्यकाल 2025-26 के लिए रोटे. सुकुमार जैन अध्यक्ष, रोटे. निलेश पटेल सचिव और रोटे. विकल्प जैन को कोषाध्यक्ष मनोनित किया गया है। जिनकी अगुवाही में एक साल तक रोटरी क्लब ऑफ वैनगंगा, अपने सिग्नेचर इवेंट के साथ ही जिले में सामाजिक गतिविधियों को आयोजित करेगी। जिसका पहला कार्यक्रम आज 01 जुलाई को डॉक्टर्स-डे और सीए-डे के रूप में आयोजित किया जाएगा। रोटरी क्लब ऑफ वैनगंगा के नवनियुक्त अध्यक्ष रोटे. सुकुमार जैन, ने बताया कि आज 01 जुलाई को सीए और डॉक्टर्स-डे पर रोटरी क्लब ऑफ वैनगंगा और दिवास संगठन के संयुक्त तत्वाधान में स्वास्थ्य के लिए दौड़ का आयोजन किया गया है। जरा प्रात: 7 बजे सूर्य नमस्कार पथ से प्रारंभ होगी। उन्होंने बताया कि जिले में क्लब, सामाजिक सेवा के क्षेत्र में लगातार कार्य करता आ रहा है। जो वर्तमान में तीन सेवाभावी प्रकल्प स्वर्ग रथ, प्रोजेक्ट सहायतार्थ और कॉर्डिएक एम्बुलेंस की सेवाए दे रहा है, आगामी एक साल में भी जिले में सेवाभावी कार्यो के साथ ही रचनात्मक कार्य किए जाएंगे।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

शहर के वार्ड क्रमांक 32 में 30 परिवार मूलभूत सुविधा से महरूम

कीचड़ से भरी सड़क और नालियों से पानी निकासी नहीं होने से वार्डवासी परेशान

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शहर के वार्ड क्रमांक 32 में इन दिनों 30 परिवार मूलभूत सुविधा नहीं मिलने के कारण परेशान हो रहे हैं। वार्ड वासियों का कहना है कि उनके वार्ड में अभी तक पक्की सड़क नहीं बनाई गई है । नालियों से पानी की निकासी नहीं हो रही है। जिस कारण उन्हें आवागमन करने में अच्छी खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है । जबकि उन्होंने इसको लेकर अनेको बार संबंधित विभाग से संपर्क किया पर कोई भी उनकी समस्या पर ध्यान नहीं दे रहा है , उन्होंने पानी निकासी सहित सड़क पर वैकल्पिक व्यवस्था बनाए जाने की मांग की है। इस मामले में एसडीएम गोपाल सोनी ने बताया कि यह मामला जानकारी में नही है, यदि ऐसी कोई समस्या है तो रहवासियों को मूलभूत, सुविधाएं दिलाने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

आपको बता दे की नगरीय क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 32 में निवासरत लगभग 30 परिवार ऐसे है, जो शहर में रहकर भी, विकास में पिछड़े नजर आते है, यहां नागरिकों को बिजली, पानी और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान होना पड़ रहा है। आलम यह है कि खराब सड़क के कारण, बच्चों से लेकर बुजुर्गो तक, दिक्कत महसुस कर रहे है। जिस जगह पर रहवासी निवासरत है, वह जगह, रियायत दर पर फारेस्ट कर्मियों को निवास के लिए दी गई थी। जिसे वर्तमान में मध्यप्रदेश वनविकास निगम कर्मचारी गृह निर्माण समिति देखती है, जहां कई कर्मचारियो ने, रियायत दर पर मिली जमीन को बड़ी राशि में अन्य लोगो को विक्रय कर दिया है, जहां, जिन्होंने, जमीने खरीदकर भवन बनाए, अब वह मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे है। रहवासी मोहन थेरकर ने निजी खर्च से यहां इलेक्ट्रिक पोल लगाया। जिस खंबे से ही टीसी कनेक्शन के भरोसे, अन्य रहवासी, अपने घरो में बिजली जला रहे है। सड़क, यहां पूरी तरह से कच्ची है और नालियों से पानी निकासी नहीं होना और जगह-जगह से नालियों का टूट जाना, इस बात की गवाही देता है कि नालियों के निर्माण में बेस की मजबूती और सफाई नहीं होना है। तकरीबन 2022 में रहवासियों ने इन्हीं समस्याओं को लेकर प्रशासन का ध्यानाकर्षण करवाया था लेकिन तीन साल बीत जाने के बाद भी, कॉलोनी की समस्या हल नहीं हो सकी हैं। कॉलोनीवासी मोहन थेरकर, सुविधाएं नहीं मिलने के लिए समिति और प्रशासन को दोषी बता रहे है, उन्होंने बताया कि डेवलपमेंट चार्ज दिए जाने के बावजूद समिति, कॉलोनी में विकास नहीं कर रही है और प्रशासन, हमारी कोई सुनवाई नहीं कर रहा है। रहवासी अमित चौहान की बताते है कि समिति से कॉलोनी के विकास की बात करों तो हमें, स्वखर्च से विकास करने की बात कह रहे है और बोलते है, जहां तुम्हें शिकायत करनी है कर दो।

वर्तमान में समिति भंग हो गयी है - बी.पी. तिवारी

समिति के अध्यक्ष बी.पी. तिवारी बताते है कि वर्तमान में समिति भंग है और वह शरीर में तकलीफ के कारण, स्वास्थ्य लाभ ले रहे है, उनका कहना है कि नाली निर्माण, हमने कराया था लेकिन भवन बनाने वालो ने, मटेरियल सामग्री के वाहनों को लाकर, उसे तोड़ दिया। रहवासी से कॉलोनी के विकास को लेकर चर्चा करते है तो वह चर्चा करने तैयार नहीं है। वह बताते है कि यहां लगभग 50 प्लाट है, जो फारेस्ट कर्मियों को निवास के लिए मिले थे। फिलहाल रहवासी, अब प्रशासन की ओर आसभरी निगाहो से देख रहे है, कि शहर के इस पिछड़े भाग का वह विकास कराकर रहवासियों को मूलभूत सुविधाएं दिलाए।

श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं नन्दीश्वर विधान का आयोजन 2 जुलाई से, निकलेगी ध्वज वाहन रैली

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं नन्दीश्वर विधान का आयोजन 2 जुलाई से 11 जुलाई तक दीपक कुमार मयंक जैन रतन परिवार बालाघाट व सकल दिगम्बर जैन समाज के संयुक्त तत्वावधान में किया गया है। इस संबंध में दिगम्बर

जैन समाज के सचिव अजय कुमार जैन ने सोमवार को पत्रकारों से चर्चा में बताया कि सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन श्रीमती सुनीता दीपक जैन के अष्टान्हिका व्रत के उद्यापन के अवसर में अष्टान्हिका महापर्व पर सिद्धों की भक्ति, महाआराधना करने पर किया जा रहा है। इस अवसर पर 1 जुलाई को शाम 4 बजे से महावीर भवन से ध्वज वाहन रैली निकाली जावेगी। 2 जुलाई को सुबह 7 बजे से श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में घटयात्रा, देवाज्ञा, गुरूआज्ञा, आचार्य निमंत्रण, अभिषेक, शांतिधारा, सकलीकरण, ध्वजारोहण, इन्द्रप्रतिष्ठा, मंडल शुद्धि, मण्डप प्रतिष्ठा, संगीतमय पूजन किया जाएंगा। 3 से 10 जुलाई तक हर दिन सुबह 7 बजे से सिद्धचक्र विधान शुभारंभ, अभिषेक, शांतिधारा, पूजन एवं सिद्धचक्र महामण्डल विधान अर्ध प्रतिदिन रात्रि 9 बजे से धार्मिक अंताक्षरी, 4 जुलाई को सखी मंडल द्वारा नाटिका, 5 जुलाई को सांस्कृतिक कार्यक्रम आचार्य ज्ञानसागर पाठशाला द्वारा, 6 जुलाई को मैना सुंदरी श्रीपाल नाटिका, 7 जुलाई को इन्द्रसभा, 8 जुलाई को ऐसी थी चन्दनबाला नाटिका सखी मंडल द्वारा, 9 जुलाई नाटिका, 10 जुलाई को 48 दीपों से भक्ताम्बर, 11 जुलाई को गौरव गाथा आचार्य श्री विद्यासागर जी की जीवन की स्मृतियां प्रस्तुत किया जाएंगा। उन्होंने बताया कि 11 जुलाई को सुबह 10 बजे से भव्य शोभायात्रा नूतन कला निकेतन से निकलेगी। जो सुभाष चौक, नावेल्टी हाऊस से रामगली, कालीपुतली चौक से महावीर चौक होते हुये श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पहुंच संपन्न होगी। इस दौरान दीपक जैन, वीरेन्द्र जैन, प्रणय सम्यक जैन, श्रीमती सुनीता जैन, कु. सुरभी जैन, मयंक जैन, निलेश बाकलीवाल सहित अन्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर अधिकाधिक उपस्थिति की अपील रतन परिवार व दिगम्बर जैन समाज द्वारा की गई है।

प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पर एफआईआर होने पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने ली प्रेस वार्ता

कहा सरकार के खिलाफ आवाज उठाने वालों पर भाजपा करवा रही एफआईआर दर्ज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कांग्रेस जिला अध्यक्ष द्वारा स्थानीय सर्किट हाउस में एक पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। जहां कांग्रेस जिला अध्यक्ष संजय उइके द्वारा मीडिया से चर्चा करते हुए बताया गया कि बीते दिनों कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पर एक मामले को लेकर एफआईआर दर्ज की गई है। तो वहीं जिले में अधिकतर सत्ता में बैठे भाजपा के पदाधिकारी सहित जिला प्रशासन के लोग कांग्रेसी विधायकों के साथ शासकीय कार्यक्रमों में प्रोटोकॉल का उल्लंघन कर रहे हैं ,जो की सही नहीं है। ऐसा नहीं होना चाहिए । सरकार के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों पर भी भाजपा अब झूठे मामले दर्ज करवाकर रही है। आपको बता दे कि अशोकनगर के मुंगावली क्षेत्र में कथित तौर से युवक को मल खिलाने के मामले में घटित घटनाक्रम के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतु पटवारी पर दर्ज की गई एफआईआर को वापस लिए जाने की मांग कांग्रेस ने की है। कांग्रेस ने कहा कि विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास, भाजपा सरकार कर रही है, जिसका विरोध, सड़क से लेकर सदन तक किया जाएगा। सोमवार को सायंकाल सर्किट हाउस में आयोजित प्रेसवार्ता में कांग्रेस अध्यक्ष संजय उईके ने सरकार विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है, जिसकी कांग्रेस की निंदा करती है। उन्होंने मुंगावली क्षेत्र की इस घटना का पूरा जिक्र करते हुए बताया कि

कहा कि मल खिलाने वाली घटना को लेकर कलेक्टर जनसुनवाई में, पीड़ितो ने शिकायत की थी। जिसके समाचारों का प्रकाशन भी हुआ था। जिसके पीड़ितो से मिलकर, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कलेक्टर से चर्चा कर मामले में कार्यवाही करने कहा।

झूठी एफआईआर की हो सीबीआई जांच

इस मामले में कांग्रेस के आवाज उठाने के बाद, सत्तापक्ष के नुमाईंदो ने पीड़ित पक्ष पर दबाव बनाया। जिसके बाद पीड़ित पक्ष ने शपथ पत्र के साथ शिकायत की। जबकि यह मामला पूरी तरह से समाचार पत्रो के माध्यम से सार्वजनिक प्लेटफार्म में आ चुका था। जिसके बाद प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ शिकायत की जाती है, जो घोर निंदनीय है, कहीं ना कहीं विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास है। विपक्ष लगातार प्रदेश में पीड़ितो, गरीब, किसान, महिला, युवाओं, बेरोजगारों की आवाज उठाने का काम कर रहा है, जिससे सरकार परेशान और हलाकान है। इसलिए सरकार चाहती है कि जो सत्तापक्ष के खिलाफ बोले, जो सरकार के खिलाफ बोले, उसकी झूठी एफआईआर कराओ, सीबीआई जांच कराओ, ईडी से जांच कराओ, और उसे प्रताड़ित करो। इस तरह की घटना की जिला कांग्रेस कमेटी और कांग्रेस परिवार, घोर भर्त्सना करती है और हम मांग करते है कि इसकी निष्पक्ष जांच कराई जाए।

कांग्रेस विधायकों के साथ हो रहा प्रोटोकॉल का उल्लंघन

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष संजय उईके ने, बताया कि जिले में कांग्रेस विधायकों के साथ किए जा रहे प्रोटोकॉल का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दरअसल, विगत 27 जून को कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे के क्षेत्र में हुए स्वास्थ्य केन्द्र और अन्य कार्यो के लोकार्पण कार्यक्रम में पूर्व विधायक की अध्यक्षता और विधायक का नाम उनके नीचे रखने पर, कांग्रेस ने इसे प्रोटोकॉल का उल्लंघन बताया है। कांग्रेस अध्यक्ष संजय उईके का ने बताया कि सामान्य प्रशासन विभाग ने प्रोटोकॉल के सारे निर्देश जारी किए है, बावजूद बालाघाट का प्रशासन तंत्र, राजनीति, सत्तापक्ष के दबाव में आकर, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का अपमान करने का काम कर रही है, हम उसकी निंदा करते है। जो गलती कर रहे है, उसमें सुधार करें। उन्होंने बताया कि विपक्ष के विधायक के क्षेत्र में कार्यक्रम हो तो, प्रशासन, प्रोटोकॉल का पूरी तरह से पालन करें। अन्यथा इसकी आवाज विधानसभा में उठाई जाएगी।

जगन्नाथपुरी की तर्ज पर निकली शहर में रथ यात्रा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जगन्नाथपुरी की तर्ज पर शहर में भी निकाली गई रथ यात्रा। इस रथ यात्रा की तैयारी अलग-अलग स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा बीते एक महीने पहले से की जा रही थी । जिसे भव्य रूप देने के लिए अलग-अलग संगठनों को जिम्मेदारी भी दी गई थी । इसी के तहत 30 जून को स्थानीय नए राम मंदिर से रथ यात्रा निकाली गई, रथ यात्रा में सैकड़ो श्रद्धालु सम्मिलित हुए । यह रथ यात्रा शहर के हनुमान चौक से मेन रोड होते हुए कालीपुतली चौक पहुंची । अंबेडकर चौक से गोंदिया रोड होते हुए सिंधु भवन में इस रथ यात्रा का समापन किया गया । जगह-जगह इस रथ यात्रा का स्थानीय जनों ने स्वागत किया और भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद लिया गया , रथ यात्रा के साथ शोभायात्रा में जमकर श्रद्धालु झूमे और इस यात्रा को भव्य बनाया गया, साथ ही जिला प्रशासन ने भी इस यात्रा में सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल और जिला प्रशासन के अधिकारी इस यात्रा की अगुवाही करते हुए आगे आगे चलते रहे ।आपको बता दे कि गत वर्ष की तरह इस वर्ष भी शहर में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा 30 जून को जगन्नाथपुरी की तर्ज पर धूमधाम से हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। रथ यात्रा गोंदिया रोड स्थित नये श्रीराम मंदिर से शाम 5 बजे प्रारंभ हुई जो शहर के हनुमान चौक, महावीर चौक, राजघाट चौक होते हुये कालीपुतली चौक से आम्बेडकर चौक होते हुये सिंधु भवन पहुंच संपन्न हुई। रथ यात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ के रथ को श्रद्धालुओं द्वारा हाथों से खींचते हुये भक्तिगीतों पर जमकर झूमते हुये जगन्नाथ भगवान की जयघोष कर रहे थे। सिंधु भवन में भगवान जगन्नाथ को 56 भोग चढ़ाया गया। तत्पश्चात महाआरती कर महाप्रसाद वितरण किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित रहे। साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल लगाया गया था एवं जिला प्रशासन के अधिकारी भी इस यात्रा में अगुवाही करते हुए दिखाई दिए। जिसमें एसडीएम बालाघाट गोपाल सोनी नगर अधीक्षक वैशाली सिंह ,कोतवाली थाना प्रभारी विजय राजपूत सहित पुलिस प्रशासन के बड़े अधिकारी इस रथ यात्रा के आगे और पीछे चलते रहे।

मछुआरो ने किया उपपंजीयक कार्यालय का घेराव

बोरी मछुआ समिति में प्रशासक नियुक्त करने की मांग को लेकर मछुआरे पहुचे उपपंजीयक कार्यालय

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मत्स्य पालन के लिए, मछुआरों से अलग, गैर जाति के लोग, मछुआ सहकारी समिति पर काबिज है, ताजा मामला, जिले के लालबर्रा क्षेत्र अंतर्गत, बोरी पंचायत से सामने आया है, जिसमें सिंगरोड जाति के 7 लोगों पर बोरी मछुआ सहकारी समिति में संचालक होने का आरोप लगाते हुए क्षेत्रीय मछुआरों ने समिति को भंग कर प्रशासक नियुक्त किए जाने की मांग की है। जिसको लेकर क्षेत्र से आए बड़ी संख्या में मछुआरो ने उपंजीयक कार्यालय का घेराव किया। गैर जाति के मछुआ सहकारी समिति, शासकीय तालाबो में मत्स्य पालन का काम देख रहे है, जिससे परंपरागत रूप से मत्स्य पालन और आखेट कर जीविकोपार्जन चलाने वाले मछुआरो को काम नहीं मिल रहा है, जिससे वह नाराज है। मछुआरों का कहना है कि फर्जी जाति प्रमाण पत्र से सिंगरोड जाति से मछुआरे बने, लोगों की जांच में यह साफ हो चुका है, बावजूद इसके, सहकारी फर्म्स एंड सोसायटी के उपंजीयक, कोई कार्यवाही नहीं कर रहे है। जिसके चलते, आज कार्यालय का घेराव करने पहुंचे है। इस मामले में हमने उपंजीयक राजेश उईके से मोबाईल और व्हाट्सअप पर संपर्क कर पक्ष जानने का प्रयास किया लेकिन दोनो ही जगह पर उनका कोई जवाब नहीं मिला। सुरेन्द्र चौधरी बताते है कि समिति की जांच के बाद यह साफ हो गया है कि बोरी समिति में जो 7 लोग, संचालक मंडल में है, वह सिंगरोड जाति के है, जो सामान्य वर्ग में आती है, जिन्होंने फर्जी जाति प्रमाण पत्र से स्वयं को मछुआ जाति का बताकर समिति पर कब्जा कर लिया है। जिस पर हमने प्रशासक नियुक्त किए जाने की मांग की थी लेकिन विगत तीन माह से भी कोई कार्यवाही नहीं की गई है। ना तो उपंजीयक सुन रहे है और ना ही मत्स्य विभाग सुन रहा है।

एक व्यक्ति को उसके छोटे भाई ने डंडे से मारपीट कर किया घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले के लामता थाने की चरेगांव पुलिस चौकी क्षेत्र में आने वाले ग्राम खामी में एक व्यक्ति को उसी के छोटे भाई ने डंडे से मारपीट कर दिया। मारपीट में इस व्यक्ति के दाहिना पैर की जांघ टूट गई। मारपीट में घायल व्यक्ति हरपाल पिता नंदराम उइके 40 वर्ष ग्राम खामी निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। पर आप जानकारी के अनुसार हरपाल उइके अपने परिवार के साथ मजदूरी करता है जिसके परिवार में पत्नी एक बेटा और एक बेटी है। बेटी संगीता की शादी हो चुकी है। हरपाल उइके का एक छोटा भाई किरपाल उइके है जो अपने परिवार के साथ अलग रहता है। दोनों भाई के मकान पास पास में ही है बताया गया है कि हरपाल उइके की पत्नी भागवंती और उसके देवर किरपाल उइके के बीच वाद विवाद होने के कारण भागवंती और किरपाल उइकेआपस मे बातचीत नहीं करते थे। 15 दिन पहले जब हरपाल उइके अपने घर में था और उसकी पत्नी भागवंती अपनी बेटी संगीता के खैरगांव गई हुई थी। तब किरपाल उइके शराब पीकर अपनी भाभी भागवंती और भतीजी संगीता को अश्लील गालियां दे रहा था। जिसे हरपाल उइके ने बोला कि उन्हें क्यों गाली दे रहा है। इसी बात को लेकर के हरपाल उइके और उसके भाई किरपाल उइके के बीच विवाद हो गया और किरपाल उइके ने आवेश में आकर अपने बड़े भाई हरपाल उइके को डंडे से मारपीट कर दिया। डंडे के वारसे हरपाल उइके के दाहिने पैर की जांघ टूट गयी। हरपाल उइके घायल हालत में घर में ही पड़ा रहा। हाल ही में उसकी पत्नी भागवंती को खबर मिलने पर वह अपने घर ग्राम खामी पहुंची। 30 जून को घायल हरपाल उइके को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। जिला अस्पताल पुलिस ने घायल हरपाल उइके का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना लामता भिजवा दी है।

जिला सेन समाज के प्रतिभावान बच्चों का सम्मान समारोह आज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला सेन (नाई) समाज द्वारा 1 जुलाई मंगलवार को स्थानीय शीतल पैलेस में प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। इसमें वर्ष 2024-25 में कक्षा 10 वीं व कक्षा 12 वीं बोर्ड परीक्षा में 70 प्रतिशत व उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं व राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले होनहारों को अतिथियों के हस्ते सम्मानित किया जाएंगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त अध्यक्ष राज्य केश शिल्पी मंडल नंदकिशोर वर्मा, बालाघाट-सिवनी सांसद भारती पारधी, सेन समाज विकास संगठन प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण सेन, राज्य केश शिल्पी मंडल सदस्य खुशीलाल श्रीवास, अमोल कुकडकर सहित अन्य उपस्थित रहेंगे। इस संबंध में संगठन के महामंत्री डॉ. पिताम्बर उरकुड़े ने बताया कि हर वर्ष समाज के प्रतिभावान बच्चों का सम्मान समारोह आयोजित किया जाता है। जिसका उद्देश्य होनहार बच्चों को प्रोत्साहित करने एवं उनके उज्जवल भविष्य को लेकर किया जाता है। इस तरह के आयोजन से समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता लाने का भी प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रतिभावान बच्चों सहित उनके अभिभावकों व स्वजातीयजनों से अधिकाधिक उपस्थिति की अपील जिला सेन (नाई) समाज जिलाध्यक्ष सत्यनारायण श्रीवास, कार्यवाहक जिलाध्यक्ष मदनलाल चावके, महामंत्री डॉ. पिताम्बर उरकुड़े, प्रवक्ता राजन भारद्वाज, युवा जिलाध्यक्ष मनोज सेन पारधी, नगर अध्यक्ष सुमित सेन, केशशिल्पी प्रकोष्ठ अध्यक्ष रोशन सराठे, नगराध्यक्ष शैलू सेन, उपाध्यक्ष आत्माराम चन्ने, डॉ. डी.आर शिवनकर, नवनीत लांझेवार, सचिव सुभाष मधुकर, रवि ठाकुर, कोषाध्यक्ष भोजराज सेनभक्त, सहसचिव विजय सूर्यवंशी, जितेन्द्र लांझेवार, प्रकाश फूलबांधे, मिथलेश सराठे, आदर्श सेन सहित अन्य पदाधिकारियों व सदस्यों ने की है।

कागजों में स्वच्छ सुजल गांव घोषित कर रहा प्रशासन

धरातल की सच्चाई को नजर अंदाज कर घोषित किये जा रहे हैं स्वच्छ सुजल गांव, स्वच्छ सुजल गांव घोषित हुई ग्राम पंचायत निलजी व धपेरा मो., पानी सहित अन्य समस्या से जुझ रहे ग्रामीणजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जिला प्रशासन के द्वारा गत दिनों जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत निलजी व धपेरा मो. को स्वच्छ सुजल गांव घोषित किया गया है। जबकि शासन के द्वारा स्व%छ सुजल गांव के लिए कुछ मापदंड तय किये गये है। जिसके अनुसार गांव में स्वच्छता, शुध्द पेयजल, खुले में शौच मुक्त पंचायत, ठोस अपशिष्ट पदार्थ प्रबंधन सहित अन्य व्यवस्था ग्राम पंचायत में होनी चाहिए। उसके बाद ही उन्हें स्वच्छ सुजल गांव घोषित किया जाना है परंतु जब पद्मेश की टीम के द्वारा इन गांव का मुयाना किया गया तो पाया कि इन स्वच्छ सुजल ग्रामों में जगह-जगह गंदगी का अंबार लगा हुआ है और नल जल योजना के माध्यम से मिलने वाला शुध्द पेयजल भी नियमित रूप से नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीण हैंडपंप एवं कुआं के पानी का सेवन कर रहे हैं। साथ ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए जो सेग्रिगेशन सेट तैयार किया गया है उसमें कचरा न डालकर गांव में अन्य स्थानों पर डालकर गंदगी की जा रही है। इस तरह से यह सेग्रिगेशन अनुपयोगी साबित हो रहा है। उसके बावजूद शासन प्रशासन के द्वारा धरातल की सच्चाई को नजर अंदाज कर बिना मौका निरीक्षण किये अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के बताये अनुसार ही कागजों पर स्वच्छ सुजल गांव घोषित कर रहे है। साथ ही पद्मेश टीम को सबसे चौकाने वाली बात यह लगी कि जिस ग्राम पंचायत को स्वच्छ सुजल गांव घोषित किया गया है उसकी जानकारी उस ग्राम पंचायत के सरपंच-सचिव व ग्रामीणों को भी नही है और ना ही ग्रामीणों को शासन के द्वारा स्वच्छ सुजल गांव के लिए तय किये गये मापदण्ड की भी कोई जानकारी नही है। जब पद्मेश टीम के द्वारा ग्रामीणजनों से पुछा गया तो उन्होंने बताया कि गांव में जगह-जगह गंदगी फैली हुई है। नियमित रूप से नल-जल योजना का पानी नहीं मिल पा रहा है। नालियां गंदगी से भरी हुई है, तेज बारिश होने पर रोड़ से पानी बहता है। जिससे यह अनुमान लगाया जा सकता है कि शासन प्रशासन के द्वारा स्वच्छ सुजल गांव के मापदण्डों को ध्यान में नही दिया गया है एवं बस कागजों में ही सारी योजनाएं संचालित हो रही है और स्वच्छ सुजल गांव घोषित किया जा रहा है जो प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारियों की कार्य प्रणाली पर प्रश्न खड़े कर रहा है।

मूलभूत सुविधा नही मिलने से ग्रामीणजन परेशान

आपको बता दें कि भारत सरकार के जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण के तहत देशभर में गांवों को स्वच्छ सुजल गांव बनाने की दिशा में एक सशक्त जन-आंदोलन चल रहा है। यह पहल न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाने और ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन को मजबूत करने पर केंद्रित है। बल्कि इसे एक स्थायी व्यवहार परिवर्तन के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य भी है। वहीं मध्यप्रदेश में इस पहल को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। हर घर जल प्रमाणन प्राप्त गांवों और ओडीएफ प्लस मॉडल गांवों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन और स्वच्छता को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रभावी रणनीतियां अपनाई जा रही हैं, जिससे राज्य के हर गांव को स्वच्छ सुजल गांव का दर्जा मिल सके। साथ ही स्वच्छ सुजल गांव वह होता है जहां सभी ग्रामीण परिवारों और सार्वजनिक संस्थानों जैसे विद्यालय, आंगनवाड़ी केंद्र, पंचायत भवन और शौचालय को सुरक्षित जल आपूर्ति सुनिश्चित की गई हो और हर घर जल प्रमाणन प्राप्त हो यानि हर घर नल-जल योजना का शुध्द पानी नियमित रूप से मिलना चाहिए। हर घर में पक्का शौचालय बना होना चाहिए, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के लिए कचरा संग्रहण केन्द्र होना चाहिए। लेकिन जिला प्रशासन के द्वारा लालबर्रा जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत निलजी व धपेरा मो. पंचायत को सुजल स्वच्छ गांव घोषित किया गया है परन्तु वहां ये सभी सुविधाएं नही है। निलजी पंचायत में नल-जल योजना के तहत घर-घर नल कनेक्शन तो किया गया है किन्तु सप्ताह में एक या दो दिन ही पानी मिलता है, शौचालय तो बने है लेकिन कुछ लोग बाहर शौच कर रहे है, नाली की नियमित रूप से साफ-सफाई नही करवाई गई है जिसके कारण गंदगी फैली हुई है और तेज बारिश होने पर सड़क के ऊपर से पानी बहता है। ठोस व तरल अपशिष्ट प्रबंधन के लिए व्यवस्था नही की गई है जिसके कारण जहां-तहां कुड़ा करकट के ढेर बने हुए है। वहीं आंगनवाड़ी केन्द्र में बच्चों को नल-जल योजना का पानी नही मिल पा रहा है सहित अन्य समस्या बनी हुई है। बावजूद उसके जिला प्रशासन के द्वारा बिना निरीक्षण किये है निलजी व धपेरा मो. पंचायत को स्वच्छ सुजल गांव घोषित किया गया है। जबकि स्वच्छ सुजल गांव घोषित करने के शासन के द्वारा कुछ नियम व मापदण्ड बनाये गये है लेकिन यह पंचायत उस मापदण्ड में खरे नही उतर रही है। जिससे ऐसा लग रहा है कि बिना निरीक्षण किये ही स्व%छ सुजल गांव बना दिया गया है। जिसकी जानकारी ग्राम पंचायत के सरपंच-सचिव व ग्रामीणों को भी नही है। इसलिए जागरूक नागरिकों ने जिन पंचायत को स्वच्छ सुजल गांव घोषित किया गया है एवं करने वाले है ऐसी पंचायतों का धरातल पर निरीक्षण कर उक्त पंचायत शासन के मापदण्ड में आ रही है या नही उसका निरीक्षण करने के बाद ग्रामीणों से चर्चा कर स्वच्छ सुजल गांव घोषित किये जाने की मांग की है। वहीं गांव में स्वच्छता और जल संरक्षण को लेकर सामूहिक संकल्प लिया गया हो और इसे ग्राम सभा में पारित किया गया हो। गांव का परिदृश्य स्वच्छ, सुव्यवस्थित और अनुकरणीय हो, जिससे अन्य क्षेत्रों के लिए यह प्रेरणा स्त्रोत बने। लेकिन जिन पंचायत को स्वच्छ सुजल गांव घोषित किया गया है ऐसा कुछ नही है, सिर्फ कागज में ही स्वच्छ सुजल गांव घोषित कर दिया गया है।

नल घर की शोभा बढ़ा रही है - फुदरू

फुदरू बाहेश्वर ने बताया कि नल-जल योजना के तहत घर-घर पर नल कनेक्शन किया गया है लेकिन उसमें सप्ताह में एक या दो दिन ही पानी मिलता है इस तरह से नल घरों की शोभा बढ़ा रही है। ऐसी स्थिति में कुएं व हेंडपंप का पानी का उपयोग करते है और गर्मी के दिनों में पानी के लिए बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ा है। साथ ही यह भी बताया कि नाली की भी समय-समय पर साफ-सफाई नही करवाई जाती है और तेज बारिश होने पर सड़क के ऊपर से पानी बहता है। जिसके कारण सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

स्वच्छ सुजल गांव घोषित होना समझ से परे है - मुकेश

मुकेश खरे ने बताया कि जिला प्रशासन के द्वारा निलजी पंचायत को स्वच्छ सुजल गांव घोषित किया गया है। जिसकी जानकारी किसी को नही है और ग्रामीणों को नियमित रूप से नल जल योजना का पानी भी नही मिल पा रहा है। साथ ही बहुत सी ऐसी जगह है जहां पाइपलाईन क्षतिग्रस्त पड़ी हुई है, पानी व्यर्थ में बह रहा है। श्री खरे ने बताया कि नालियों की भी सफाई नही होने से गंदगी फैली हुई है एवं बहुत से ग्रामीणों के घरों में शौचालय होने के बाद भी उसका उपयोग नहीं कर रहे है। उसके बावजूद प्रशासन के द्वारा हमारे गांव को स्वच्छ सुजल गांव घोषित किया गया है जो समझ से परे लग रहा है।

नियमित रूप से नही मिलता पानी - अनिल

नल चालक अनिल ठाकरे ने बताया कि निलजी पंचायत के अंतर्गत कुल 9 टोले आते हैं और प्रशासन के द्वारा नल-जल योजना के पाइपलाईन बिछाई गई है परंतु इन गांव में नियमित रूप से नल जल योजना का पानी नहीं मिल पाता है। ऐसी स्थिति में ग्रामीणों को पानी के लिए परेशान होना पड़ता है। साथ ही यह भी बताया कि आगे से ही पानी नही आने के कारण पानी प्रदाय नही कर पाते है इसलिए प्रशासन से मांग है कि नियमित रूप से पानी टंकी में पानी प्रदाय करें ताकि ग्रामीणजनों को प्रदाय कर सके।

इनका कहना है-

निलजी पंचायत स्वच्छ सुजल गांव घोषित जिला प्रशासन के द्वारा कर दी गई है जिसकी जानकारी आपके माध्यम से लग रही है, हमें नही थी। साथ ही ग्राम में नल-जल योजना का नियमित रूप से पानी नही मिलता है एवं सभी के घरों में पक्का शौचालय बना हुआ है लेकिन कुछ लोग उपयोग नही करते है। जबकि हमारे द्वारा ग्रामीणजनों को बाहर शौच करने जाने से मना कर स्वच्छता बनाये रखने की अपील की जाती है।

फिरोज खान
सरपंच
ग्राम पंचायत निलजी।

सेन (नाई) समाज का जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम आज

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। सेन (नाई) समाज का जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम जिला सेन समाज बालाघाट के तत्वाधान में 1 जुलाई को दोपहर 12 बजे से बालाघाट भटेरा रोड़ स्थित होटल में आयोजित किया गया है। चर्चा में सेन (नाई) समाज जिलाध्यक्ष सत्यनारायण श्रीवास ने बताया कि सेन (नाई) समाज का जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम 1 जुलाई को दोपहर 12 बजे से बालाघाट में आयोजित किया गया है और इस अवसर पर समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राएं जिन्होने वर्ष 2024-25 में कक्षा 10 वीं, 12 वीं की बोर्ड परीक्षा में 70 प्रतिशत से अधिक अंकों से उत्तीर्ण हुए है। साथ ही राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट कार्य किये गये ऐसे समाज के प्रतिभावानों को अतिथियों के हस्ते सम्मान किया जायेगा। श्री श्रीवास ने बताया कि जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त, राज्य केश शिल्पी मंडल अध्यक्ष नंदकिशोर वर्मा, सेन समाज विकास संगठन प्रदेशाध्यक्ष प्रवीण सेन, राज्य केश शिल्पी मंडल प्रदेश सदस्य खुशीलाल श्रीवास, बालाघाट-सिवनी सांसद श्रीमती भारती पारधी, नगरपालिका बालाघाट अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर, नगरपालिका परिषद उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, अमोल कुकड़कर के मुख्य आतिथ्य में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर सेन (नाई) समाज कार्यवाहक जिलाध्यक्ष मदनलाल चावके, जिलाध्यक्ष सत्यनारायण श्रीवास, महामंत्री डॉ. पीताम्बर उरकुड़े, युवा जिलाध्यक्ष मनोज सेन पारधी, नगराध्यक्ष सुमित सेन, केशशिल्पी प्रकोष्ठ अध्यक्ष रोशन सराठे, नगराध्यक्ष शैलू सेन, सक्रिय सदस्य डॉ. रवि श्रीवास, उपाध्यक्ष आत्माराम चन्ने, डॉ. डीआर शिवनकर, नवनीत लांझेवार, सचिव सुभाष मधुकर, रवि ठाकुर, कोषाध्यक्ष भोजराज सेनभक्त, मिथलेश सराठे, सहसचिव विजय सूर्यवंशी, आदर्श सेन, गितेन्द्र लांझेवार, प्रकाश फुलबांधे, संरक्षक मंडल डीएल श्रीवास, डॉ. भुनेश भारद्वाज, अधि. बाबुलाल सर्राठे, अधि. अशोक वाट, यशवंतराव लक्षणे, एनएल जुझारे, ईश्वरीप्रसाद भारद्वाज, भोजलाल सराठे, केएल शेण्डे, डॉ. गौरीशंकर भारद्वाज, पीताम्बर चौधरी, धनीराम उसराठे, अशोक सेन, चैनलाल श्रीवास, गणेश भारद्वाज, सुखदेव सेन सहित अन्य पदाधिकारियों ने की है।

सेन (नाई) समाज ने केश शिल्पी बोर्ड मण्डल अध्यक्ष नंदकिशोर वर्मा का किया स्वागत एवं सम्मान

सामाजिक पदाधिकारियों से मुलाकात कर श्री वर्मा ने सामाजिक एकता और विकास पर दिया जोर

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। म.प्र. राज्य केश शिल्पी बोर्ड मंडल अध्यक्ष, केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त नंदकिशोर वर्मा का शाम 5 बजे लालबर्रा विश्रामगृह में आगमन हुआ। इस अवसर पर सेन (नाई) समाज लालबर्रा के द्वारा म.प्र. राज्य केश शिल्पी बोर्ड मंडल अध्यक्ष, केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त नंदकिशोर वर्मा का भव्य स्वागत एवं शाल, श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। इस अवसर पर म.प्र. राज्य केश शिल्पी बोर्ड मंडल अध्यक्ष, केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त नंदकिशोर वर्मा ने सेन (नाई) समाज के पदाधिकारियों व सामाजिक बंधुओं से विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा कर सामाजिक एकता और विकास कार्य पर जोर देते हुए कहा कि सभी को संगठित होकर समाजोत्थान के क्षेत्र में काम करने एवं बच्चों को अच्छी शिक्षा देने की बात कही। साथ ही यह भी कहा कि सेन (नाई) समाज के युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने और उन्हे स्वलंबी बनाने के लिए रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल में खोला जा रहा है जहां समाज के शिक्षित युवाओं को नि:शुल्क प्रशिक्षण देने के उपरांत स्वयं का व्यवसाय खोलने के लिए ऋण उपलब्ध करवाया जायेगा। वहीं सेन (नाई) समाज के पदाधिकारियों ने म.प्र. राज्य केश शिल्पी बोर्ड मंडल अध्यक्ष, केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त नंदकिशोर वर्मा से समाज का भवन निर्माण कार्य में सहयोग करने की बात कही। जिस पर श्री वर्मा ने कहा कि क्षेत्रीय सांसद, विधायक के पास क्षेत्र के विकास के लिए अनेक निधियां है और शासन के द्वारा विकास कार्यों को गति देने के लिए निधि में बढ़ोत्तरी की गई है एवं इनके सहयोग से समाज को पूरा सहयोग किया जायेगा। जिसके बाद म.प्र. राज्य केश शिल्पी बोर्ड मंडल अध्यक्ष, केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त नंदकिशोर वर्मा के द्वारा भवन निर्माण के प्रस्तावित भूमि पहुंचकर भवन निर्माण कार्य के लिए भूमिपूजन किया गया। जिसके पश्चात वे बालाघाट के लिए रवाना हो गये। इस अवसर पर सेन (नाई) समाज जिलाध्यक्ष सत्यनारायण श्रीवास सहित समाज के पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों को दिलवाना है - नंदकिशोर

केश शिल्पी बोर्ड मंडल म.प्र. अध्यक्ष, केबिनेट मंत्री दर्जा नंदकिशोर वर्मा ने बताया कि शासन के द्वारा सांसद-विधायक की निधि में बढ़ोत्तरी कर दी गई है, पहले विधायक की निधि 5 करोड़ हुआ करती थी। जिसे बढ़कर 15 करोड रूपये एवं सांसदों की राशि 15 करोड़ से बढ़ा दी गई है। इसलिए अब विधासक-सांसद अपने अनुसार विकास कार्य करवा सकते है और उनके सहयोग से हम समाज के लोग सामाजिक भवन, छात्रावास सहित अन्य समाज हित के कार्य करने का प्रयास करेंगे। श्री वर्मा ने बताया कि शासन के द्वारा सेन समाज के उत्थान व कल्याण के लिए जो योजनाएं तैयार की जा रही है और जो चलाई जा रही है उसकी जानकारी अधिक से अधिक सामाजिक लोगों तक पहुंचाना हमारा लक्ष्य है ताकि उसका लाभ मिल सके। साथ ही यह भी बताया गया कि समाज के युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए उन्हें प्रशिक्षण देकर प्रशिक्षित किया जा रहा है जिन्हे 25 हजार से 20 लाख रूपये तक ऋण उपलब्ध करवाया जायेगा। ताकि सामाजिक लोग स्वलंबी बन सके जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार आयेगा और समाज के बच्चें अच्छी शिक्षा ग्रहण करके अच्छे पदों पर पहुंचकर समाज का नाम रौशन करें।

कृषि विभाग से किसानों को रागी (मड़िया) बीज का नि:शुल्क किया जा रहा वितरण

चावल के मुकाबले कई गुना अधिक पौष्टिक, फायदेमंद है रागी (मड़िया) फसल

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। क्षेत्रीय किसानों को रागी (मड़िया) की फसल लगाने के लिए कृषि विभाग के द्वारा किसानों को रागी (मड़िया) बीज का नि:शुल्क वितरण किया जा रहा है। साथ ही इस फसल को लगाने के लिए किसान जिस तरह से धान बीज की बुआई करते है उसके बाद उसकी रोपाई करते है। उसी तरह बीज की बुआई कर रोपाई करेगें। साथ ही यह फसल कम पानी वाले खेती में लगाना है और यह फसल चावल से कई गुना अधिक पौष्टिक, फायदेमंद है। इसी कड़ी में नगर मुख्यालय स्थित वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी/किसान ज्ञान केन्द्र लालबर्रा से किसानों को रागी (मड़िया) बीज का नि:शुल्क वितरण किया जा रहा है और एकड़ खेती में लगाने के लिए 10-10 किग्रा. के चार पैकेट दिये जा रहे है। साथ ही किस तरह से रोपाई कर उत्पादन लेकर आर्थिक लाभ लेना है उसके बारे में भी किसानों को बताया जा रहा है एवं इस फसल को 5 हजार रूपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जायेगा। इस तरह से धान के मुकाबले इसकी कीमत भी दो गुनी है। वहीं क्षेत्रीय किसान कृषि विभाग पहुंचकर रागी (मड़िया) का बीज नि:शुल्क प्राप्त कर रहे है। आपकों बता दे कि खरीफ सीजन में पूर्व में किसान कम पानी वाले खेत में धान की फसल लगाते थे परन्तु अब किसानों की कम पानी वाले खेत में धान के अलावा रागी की फसल लगाने एवं उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने और फसल की पौष्टिक फायद का लाभ दिलवाने के लिए कृषि विभाग के द्वारा किसानों को रागी (मड़िया) का बीज नि:शुल्क प्रदान कर फसल उत्पादन लेने प्रेरित किया जा रहा है। साथ ही रागी की फसल कम पानी वाले क्षेत्र में लगाना है और रागी (मड़िया) के आटा से पेज बनता है जिसे अपनी क्षेत्रीय भाषा के लोग मड़िया पेज कहते है जिसे एनर्जी ड्रिंक कहा जाता है। जिसके सेवन शरीर के लिए लाभदायक है। जिसमें प्रोटीन, मिनरल्स एवं विटामिन के रूप में पोषक तत्व अन्य फसलों की तुलना में अधिक पाये जाते हैं और इस रागी फसल में कैल्शियम, आयरन की प्रचुर मात्रा है। वहीं रागी (मड़िया) की फसल कम पानी में अधिक उत्पादन होता है इसलिए क्षेत्रीय किसान कम पानी वाले स्थानों पर रागी (मड़िया) की फसल लगाकर उत्पादन अधिक ले सकते है और यह चावल के मुकाबले कई गुना अधिक पौष्टिक फायदेमंद है।

चर्चा में कृषि विस्तार अधिकारी संजय मड़के ने बताया कि क्षेत्र के किसानों को नि:शुल्क रागी (मड़िया) बीज का वितरण किया जा रहा है और इस फसल को लगाने की विधि धान की बीज बुआई के बाद रोपा लगाते है उसी पध्दति से लगाना है एवं कम पानी वाले स्थान पर इस फसल का उत्पादन अधिक होता है। श्री मड़के ने बताया कि रागी (मड़िया) फसल का उत्पादन लेने के बाद यह 5 हजार रूपये क्विं. की दर पर इसे खरीदा जाता है, इस तरह से धान की फसल से दुगुना दाम मिलता है। साथ ही रागी फसल के आटे से पेज बनता है एवं अन्य पौष्टिक पदार्थ की प्रचुर मात्रा है जो शरीर के लिए लाभदायक है। साथ ही यह भी बताया कि पूर्व में इस फसल की खेती नही होती थी लेकिन अब धीरे-धीरे किसानों के द्वारा फसल का उत्पादन लिया जा रहा है जिसकी जानकारी भी किसानों को उपलब्ध करवाई जा रही है।

क्षेत्र में खाद की कमी से जूझ रहा किसान

खाद की खोज में दर दर भटक रहे कृषकों में आक्रोश

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत वारासिवनी खैरलांजी में खाद का टोटा बीते दिनों से पड़ा हुआ है। जहां किसानों को काफी परेशानियों का सामना उठाना पड़ रहा है। इस दौरान किसानों के द्वारा अपने आसपास की सोसायटी मरफेट के गोदाम फेडरेशन के गोदाम सहित मार्केटिंग सोसायटी के चक्कर लगा रहे हैं। परंतु उन्हें खाद प्राप्त नहीं हो पा रही है हर जगह उन्हें डीएपी या २०२००१३ खाद को लेकर निराशा ही हाथ लग रही है। ऐसे में किसानों के सामने खाद का संकट बना हुआ है जो शासन प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि उनके द्वारा खेती कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। जिसे पद्धति अनुसार समय सीमा में पूरा करना है। जिसके लिए अति शीघ्र खाद की व्यवस्था कराई जाए ताकि फसल का बेहतर उत्पादन हर किसान ले सके।

१ सप्ताह बाद रोपाई कार्य होगा प्रारंभ

वारासिवनी खैरलाँजी कृषि आधारित क्षेत्र है जहां पर निवासरत सर्वाधिक आबादी कृषि कार्य करती है। ऐसे में बारिश का मौसम भी प्रारंभ हो गया है इस दौरान अच्छी बारिश होने से लोगों ने खेती कार्य प्रारंभ कर दिया है। तो वहीं स्वयं के साधन वालों के द्वारा पहले ही खेती कार्य प्रारंभ कर दिया गया था। ऐसे में सर्वाधिक लोगों के द्वारा खेतों में बुवाई का कार्य कर लिया गया है। तो कुछ लोग बारिश का इंतजार कर रहे हैं यह खरीफ का सीजन है जिसमें हर कोई खेती कार्य करता है। जिससे वहां खेत में होने वाली फसल से अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करता है। तो वहीं अधिकांश लोगों के पर लालन पालन का एकमात्र साधन कृषि है, जिससे वह अपनी आवश्यकता और बच्चों की शिक्षा दीक्षा संचालित करते हैं। ऐसे में किसानों के द्वारा रोपाई का कार्य प्रारंभ करना है किंतु खाद का संकट उत्पन्न हो गया है। जिसका स्टॉक सभी जगह खत्म हो चुका है। जिसके लिए किसान गांव से नगर और नगर से जिले तक इधर उधर भटक रहे हैं कि उन्हें यह खाद प्राप्त हो सके। जिससे कि वह अपनी रोपाई एवं परहा कार्य कर सके परंतु खाद प्राप्त नही होने के कारण वह इंतजार कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में जल्द खाद प्राप्त नही होने से फसल को नुकसान होने की बात कहीं जा रही है कि यह एक पद्धति के अनुरूप लगाया जाता है। जिसमें निर्धारित समय पर सभी कार्यों को करना होता है। यदि आगे पीछे होगा तो समस्या होगी इसलिए शासन प्रशासन को खाद की व्यवस्था बनानी चाहिए।

खाद की कमी से किसानों में आक्रोश व्याप्त हो रहा है-धनेंद्र भास्कर

किसान धनेंद्र भास्कर ने बताया कि हम लोहारा रहते हैं खाद के लिए आए थे परंतु यहां खाद नहीं मिल रहा है। चार दिन से यह स्थिति बनी हुई है समिति की हमें जानकारी नहीं है मरफेट में आए हैं। मुझे २०२००१३ चाहिए किंतु यहां पर स्टॉक नहीं है बता रहे हैं अब इंतजार करना पड़ेगा। यदि समय लगा तो रोपाई मार खायेगा जबकि दो से तीन दिन में रोपाई कार्य चालू होना है यह रोपाई कार्य के पहले डाला जाता है। नहीं मिलने पर फसल को नुकसान है यहां पर कुछ बाता नहीं रहे हैं कि कब आयेगा।

किसानों को खाद नही मिला तो आर्थिक स्थिति होगी खराब-सुनील वरकड़े

किसान सुनील वरकड़े ने बताया कि मैं मेंढ़की रहता हूं डीएपी या २०२००१३ एवं यूरिया को लेने आया था। यहाँ बता रहे हैं कि यूरिया है परंतु दोनों खाद नहीं है मुझे डीएपी या २०२००१३ के साथ यूरिया की जरूरत है। यदि यह नहीं मिला तो समस्या होगी वर्तमान में हम यूरिया तो लेकर जाएंगे परंतु चार.पांच दिन बाद हम परहा चालू करेंगे। यह लोग एक सप्ताह का समय बता रहे हैं की खाद आ जाएगा अभी हर किसान के खेतों में परहा की शुरुआत होना है। यह नहीं मिला तो फसल पर असर पड़ेगा दो दिन से हम चक्कर लगा रहे हैं आगे भी रोज आना जाना है समस्या तो साथ में बनी हुई है।

किसानों को कोई माईबाप नही है-शंकर चौहान

किसान शंकर चौहान ने बताया कि हम मदनपुर रहते हैं खाद की बड़ी समस्या है समय पर नहीं मिल रहा है इससे फसल को नुकसान है। हम डीएपी यूरिया लेने आए थे डीएपी नहीं है शासन को व्यवस्था करनी चाहिए कि समय पर किसानों को सभी सुविधाएं दे सके। क्योंकि अब दिक्कत बनी रहेगी हर प्रकार से समस्या है काम धंधा छोड़कर आना जाना पड़ता है यहां आओ तो दो तीन घटे टाइम पास होता है। सरकार को पता है की खेती कार्य प्रारंभ होने वाला है तो उन्होंने पूर्व में ही स्टाफ रखना चाहिए ताकि किसानों को होने वाली समस्या से वह बच सके।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि डीएपी और 2020013 खाद का स्टॉक पूरा खत्म हो गया है यह शायद जिले में भी कहीं नहीं है। इसके लिए वरिष्ठ अधिकारियों को डिमांड भेजी गई थी जहां से जानकारी मिली है कि जल्द ही रेक आने वाली है। इसके बाद किसानों को यह उपलब्ध हो पाएगा निश्चित समय नहीं बताया गया है कि कब तक आएगी किंतु जल्द ही प्राप्त होगी। वर्तमान में हमारे पास युरिया सुपर एवं पोटाश सहित अन्य खाद स्टॉक में है जिसका वितरण किया जा रहा है।

पुष्पराज चौधरी
प्रभारी मरफेट गोदाम

अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

शिक्षकों ने शासन के द्वारा लाये ई.अटेंडेंस एप का किया विरोध

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के द्वारा सोमवार को इंडोर स्टेडियम परिसर से रैली निकालकर तहसील कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन शिक्षा मंत्री स्कूल शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन के नाम का ज्ञापन तहसीलदार को सौंपकर शिक्षकों की उपस्थिति हेतु लागू किया जा रहे शिक्षक रूपी ई.अटेंडेंस एप को समाप्त करने मांग की गई। इस दौरान ऐप के विरोध में शिक्षक शिक्षिकाओं के द्वारा जमकर नारेबाजी की जाती रही। ज्ञापन में उल्लेखित है कि म.प्र. स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा शिक्षक रूपी ई.अटेण्डेंस एप के माध्यम से शिक्षकों को अपनी उपस्थिति दर्ज कराने हेतू आदेश प्रसारित किये गये है। तकनीकी के इस विस्तारवादी प्रयोग से अभी तक ऐसी स्थिति नही दिखाई पड़ रही कि विभाग शिक्षकों की उपस्थिति जैसे महत्वपूर्ण एवं संवदेनशील विषय को तकनीकी के माध्यम से प्रमाणित करावें। शिक्षकों की उपस्थिति हेतू लागू की जा रही प्रक्रिया को समाप्त किये जाने की भावना प्रकट करते है। की ग्रामीण क्षेत्रो के साथ साथ शहरी क्षेत्रों में भी मोबाईल इंटरनेट बाधित रहता है। ऐसी स्थिति में एप के माध्यम से उपस्थिति लगाने में कठनाई होंगी। वर्तमान में शिक्षा विभाग में प्रचलित ३.० पोर्टल अत्याधिक भार की वजह से अत्यंत बाधित गति से क्रियाशील रहता है। जबकि अभी इसका उपयोग अधिक शिक्षक नही कर रहे है जब सभी शिक्षक एक ही समय में एक साथ एक एप उपयोग करेंगे। तब एप के बाधित होने पर परिस्थिति का स्वाभाविक अनुमान लगाया जा सकता हैं।

उक्त एप से शिक्षकों की उपस्थिति प्रमाणित कराए जाने के पीछे विभाग की जो शिक्षकों के प्रति नकारात्मक मंशा है वह कदापि उचित नही है। जबकि अन्य विभागों में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है यह मनोवैज्ञानिक तथ्यात्मक प्रमाण है कि सुरक्षित सम्मान एवं स्वतंत्रता से शिक्षक अपनी पूर्ण निष्ठा से शत् प्रतिशत श्रम न्यौछावर करता है। हमारी मांग है कि शिक्षकों की गरिमा को ठेस पहुंचाने की चेष्ठा से लागू किए जा रहे उक्त एप को तत्काल प्रभाव से समाप्त किया जाए एवं पूर्व की भाँति शिक्षकों की उपस्थिति शाला उपस्थिति पंजी के माध्यम से ही प्रमाणित किया जावें। पद्मेश से चर्चा में राकेश वर्मा ने बताया कि अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के तहत यह सभी शिक्षक ई अटेंडेंस के विरोध में यहां पर आए हुए हैं। यह एप सही नहीं है शिक्षक शहर ही नहीं दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में भी नौकरी करते हैं जहां पर इंटरनेट समस्या है। ऐसे में यदि यह ऐप लागू किया जाता है तो शिक्षक साथियों को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ेगा जिसमें उनकी कई बार छुट्टी कट जाएगी। नेटवर्क के अभाव में समय पर अटेंडेंस नहीं लग पाएगी। कुल मिलाकर शिक्षकों को परेशान ही होना पड़ेगा ऐसे में हम चाहते हैं कि इस प्रकार की अटेंडेंस एप का उपयोग ना किया जाए। इस अवसर पर राकेश वर्मा, अरविंद पारधी ,प्रमोद पारधी ,कमल टेंभरे ,रतनलाल बिरनवार, अनीता धोरमारे ,सुनीता देव टेकाम ,सविता घोंगड़े ,वैशाली चौधरी ,यासमीन खान, उत्तमदास मेश्राम, कमल बोरकर ,प्रदीप कोसरकर सहित बड़ी संख्या में शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रही।

महाराजपुर मोक्षधाम खस्ताहाल ग्रामीण आक्रोशित

ग्रामीणों ने सरपंच पर लगाया लापरवाही का आरोप

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम महाराजपुर में ग्रामीणों के समक्ष बारिश के मौसम में मोक्षधाम की समस्या उत्पन्न हो गई है। जहां पर वर्तमान में स्थित मोक्षधाम की स्थिति खस्ताहाल बनी हुई है जहां बारिश के पानी से बचाव की कोई संभावना नहीं है। जिसको लेकर ग्रामीणों के अंदर काफी आक्रोश व्याप्त है जिनके द्वारा सरपंच पर लापरवाही का आरोप लगाया जा रहा है कि जहां सभी व्यवस्था है। वहां पर पंचायत के द्वारा ध्यान नहीं दिया गया बल्कि १५ लाख रुपये की राशि से जंगल में मोक्षधाम बनाया गया है। जहां कोई व्यवस्था नहीं है ऐसे में ना राशि का सदुपयोग हुआ और ना ही ग्रामीणों की व्यवस्था इस समस्या से सभी परेशान नजर आ रहे हैं। जिनके द्वारा सड़क किनारे स्थित मोक्षधाम के जीर्णोद्धार करने की मांग की जा रही है ताकि कोई भी व्यक्ति का अंतिम संस्कार सुरक्षित रूप से किया जा सके।

जंगल में बना १५ लाख रूपये का मोक्षधाम बना शोपीस

ग्राम महाराजपुर घनी आबादी वाला ग्राम है जहां पर करीब १२०० से अधिक की आबादी निवास करती है। ग्राम में बारिश ठंड गर्मी किसी भी मौसम में साधन युक्त अंतिम संस्कार करने के लिए वारासिवनी से डोंगरमाली मुख्य मार्ग पर महाराजपुर पुलियां के ऊपर एक मोक्षधाम बना हुआ है। जहां आवागमन और पानी की बेहतर व्यवस्था है परंतु टीन शेड पूरी तरह खराब हो गया है जहां बारिश के समय अंतिम संस्कार करना बहुत मुश्किल है। जिसका बीते कई वर्षों से जीर्णोद्धार या सुधार कार्य पंचायत के द्वारा किसी भी प्रकार से नहीं किया गया है ताकि लोगों को सुविधा हो सके। जबकि बीते करीब दो.तीन वर्ष पूर्व ही ग्राम सरपंच के द्वारा ग्राम से लगे जंगल में वन विभाग की भूमि के आगे पंचायत की १५ लाख रुपये की राशि से मोक्षधाम का निर्माण कराया गया है। जहां पर ग्रामीण जाना पसंद नहीं कर रहे हैं क्योंकि मोक्षधाम पहुंचने के लिए कोई मार्ग नहीं है वहां पर पानी की कोई व्यवस्था नहीं है। और ना ही ट्रैक्टर या बैलगाड़ी से कोई सामान अंतिम संस्कार के लिए जैसे लकड़ी या कंडे भी नहीं पहुंचा जा सकते हैं क्योंकि जंगल का ऊंचा निचा मार्ग है। गांव से उसकी दूरी बहुत पड़ती है कई प्रकार की समस्याएं वहां पर बनी हुई है जहां पर आना जाना समस्या भरा हैं। इस प्रकार सर्व सुविधा युक्त स्थान पर मोक्षधाम का निर्माण ना करते हुए जंगल में मोक्षधाम का निर्माण कराया गया है जिसमें ग्रामीणों के द्वारा सरपंच पर लापरवाही का आरोप लगाया गया जा रहा है। कि इस प्रकार सरपंच ने सत्ता व शासकीय राशि का दुरुपयोग कर केवल ग्राम की जनता को परेशान कर रहा है। यदि उक्त १५ लाख के मोक्षधाम निर्माण की जगह १५०००रूपये की राशि भी मुख्य मार्ग पर स्थित मोक्ष धाम में खर्च किए जाते तो ग्रामीणों को ही सुविधा होती परंतु ऐसा कुछ नही करने से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है।

मोक्षधाम रोड़ पर है किंतु स्थिति बहुत जर्जर है-मुकेश गौतम

ग्रामीण मुकेश गौतम ने बताया कि मोक्षधाम हमारे यहां में रोड़ पर है किंतु स्थिति बहुत जर्जर है। हमें यदि यह मोक्षधाम में किसी व्यक्ति का अंतिम संस्कार करना है तो उसे जलाना मुश्किल है। क्योंकि बरसात का समय चालू हो गया है पानी लगने की पूरी संभावना है ऐसी स्थिति में जो बॉडी होगी वहां जल भी नहीं पायेगी। इसका जीर्णोद्धार होना चाहिए सुधार होना चाहिए यह स्थिति बीते कुछ वर्षों से बनी हुई है जिसका सुधार कार्य आज तक नहीं किया गया है। पहले जो बना हुआ था वही स्थिति में है टूट गया है ग्राम के लोगों के सामने और विकट समस्या बनी हुई है।

ग्राम के मोक्षधाम में अंतिम संस्कार के लिये नही है कोई व्यवस्था-फूलचंद पटले

डॉक्टर फूलचंद पटले ने बताया कि हमारे यहां मोक्षधाम की स्थिति ठीक नहीं है ग्राम में जब भी कोई अंतिम संस्कार करना होता है तो ग्राम के लोगों को रोड़ किनारे मोक्षधाम में जाना पड़ता है। वह वर्तमान में बहुत ज्यादा खराब स्थिति में हो गया है और अभी कुछ समय पहले जो मोक्षधाम बनाया गया है वह जंगल की जगह रोड़ किनारे बनाया जाना था। ताकि लोगों को बेहतर सुविधा मिल सके परंतु लोगों की भावनाओं को छोड़कर जंगल में बना दिया गया है, जहां जाने के लिए रोड़ पीने के लिए पानी तक नहीं है। ग्राम पंचायत को इस पर ध्यान देना चाहिए तो वह इस पर तो ध्यान नहीं दे रहे है। और ना ही जर्जर मोक्षधाम को सुधारने में यह जो १५ लाख रुपए खर्च किए गए हैं। वह व्यर्थ साबित हो रहे हैं क्योंकि अंतिम संस्कार की सामग्री तक जंगल के रास्ते मोक्षधाम तक नहीं ले जा सकते हैं उससे अच्छा तो अभी रोड़ किनारे वाला है जहां पर रुपये खर्च किए जाने थे। परंतु १५ लाख रुपये खर्च कर असुविधा ही हो रही है।

सरपंच की लापरवाही से ग्रामीणों को मोक्षधाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है-निपेन्द्र पटले

निपेन्द्र पटले ने बताया कि हमारे गांव में मोक्षधाम बना है किंतु वह जर्जर स्थिति में है १५ वर्ष पहले यह बना था जहां पर टीन शेड पूरा खराब हो गया है। लेकिन किसी प्रकार का ध्यान कोई नहीं दे रहा है यदि वर्षा होती है तो अंतिम संस्कार नहीं कर पाएंगे। सरपंच ने दो तीन साल पहले १५ लाख रुपये खर्च किए हैं जिसमें मोक्षधाम बनाया है जहां पर आने.जाने सहित कई प्रकार की समस्या है कोई व्यवस्था नहीं है। सरपंच ने लापरवाही की है जिसका भुगतमान ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है वह जंगल के अंदर है वहां पर बनने के बाद मुश्किल से दो.तीन बार लोग गए हैं। वह वन विभाग की जमीन है रास्ता उबड़ खाबड़ है इसमें पूरी सरपंच की गलती है। जिस कारण से लोग भटक रहे हैं अन्यथा मुख्य मार्ग पर स्थित मोक्ष धाम जहां हर सुविधा है उसे यदि बनाया जाता तो बेहतर होता पर उस पर कोई ध्यान नहीं है।

इनका कहना है

मोक्षधाम ग्राम की भूमि पर बना है जो ग्रामीणों की सुविधा के लिये बनाया गया है। रोड़ किनारे मोक्षधाम मे चार दिनों के बाद

पर्यावरण संतुलन को बनायें रखना पौधारोपण करना जरूरी है-प्रदीप जायसवाल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर पालिका परिषद के द्वारा ३० मार्च से ३० जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान का संचालन किया गया। जिसका समापन अवसर पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ,नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे, शैलेन्द्र सेठी, संदीप मिश्रा सहित अन्य लोग मौजूद रहे। उक्त अभियान में जल स्त्रोतो, नदी तालाब व कुओं तथा अन्य जल संरचनाओ का संरक्षण व पुर्नजीवीकरण का कार्य संपन्न किया गया। समापन में नगर के वार्ड ११ के मोक्षधाम में वृक्षारोपण कर पर्यावरण को सरंक्षित करने का कार्य किया गया। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की पौधारोपण हम सब की सामाजिक व नैतिक जिम्मेवारी है। इसलिए सभी अधिक से अधिक पौधारोपण करें तथा अपने परिजनों व दोस्तों को इसके लिए प्रेरित करें। पर्यावरण संतुलन के लिए पौधारोपण बहुत ही जरूरी है। हम अच्छे वातावरण की उम्मीद तो करते हैं, लेकिन अपनी जिम्मेदारी नहीं समझते है। वहीं संदीप मिश्रा ने कहा कि जनसंख्या लगातार बढ़ रही है लेकिन पेड पौधों की संख्या लगातार कम हो रही है। मानव जीवन के साथ साथ पशु पक्षियों के लिए यह चिंता का विषय है। लोग अपने फायदे के लिए पेड़ों पर आरी चला रहे हैं, लेकिन नए पौधे कम ही लगा रहे हैं। नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता दांदरे ने कहा की हर व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य ही लगाना चाहिए। पौधारोपण मानव जीवन के भविष्य के लिए अनिवार्य है। अगर हम अभी नहीं संभलें तो इसका खामियाजा भविष्य में नयी पीढ़ि को भुगतना पडेगा। इस दौरान योगेंद्र मोनू लिमजे, प्रवीण डोगरे, मदन धार्मिक, आशुतोष कोहाड़, मनोज दांदरे, सुनील जायसवाल,लोकेश ठाकरे, जगदीश नेमा, मिथलेश बुरडे, सूर्यप्रकाश ऊके मुख्य नपा अधिकारी, श्रीमती अंशिका चौहान उपयंत्री, राजदीप तुरकने, हितेश हलमारे मौजूद रहे।

कठिनतम परिस्थितियों में भी मरीजों को जीवनदान देते हैं चिकित्सक

समाज के प्रति चिकित्सकों के समर्पण एवं प्रतिबद्धता के लिए कृतज्ञता और आभार व्यक्त करने तथा मेडिकल छात्रों को प्रेरित करने के लिए ही प्रतिवर्ष देश में एक जुलाई को 'राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस' मनाया जाता है। गंभीर से गंभीर बीमारियों से जूझते मरीजों की जान बचाने का हरसंभव प्रयास करने वाले चिकित्सक वाकई सम्मान के सबसे बड़े हकदार भी हैं। चिकित्सक दिवस मनाने का मूल उद्देश्य चिकित्सकों की बहुमूल्य सेवा, भूमिका और महत्व के संबंध में आमजन को जागरूक करना, चिकित्सकों का सम्मान करना और साथ ही चिकित्सकों को भी उनके पेशे के प्रति जागरूक करना है। कोरोना महामारी के भयावह दौर में दुनियाभर में चिकित्सक अपनी जान की परवाह किए बिना करोड़ों लोगों के जीवन की रक्षा करते नजर आए थे। उस विकट दौर में देश में ड्यूटी के दौरान सैंकड़ों चिकित्सकों की मौत हुई थी लेकिन फिर भी चिकित्सक जी-जान से लोगों की जान बचाने में जुटे नजर आए थे। कोरोना की पहली और दूसरी लहर के दौरान तो बहुत से चिकित्सकों और चिकित्सा स्टाफ को अपनी छुट्टियां रद्द कर प्रतिदिन लंबे-लंबे समय तक कार्य करना पड़ा था और ऐसे बहुत से चिकित्साकर्मी महीनों-महीनों तक अपने परिवार और छोटे बच्चों से भी दूर रहे थे। हालांकि कुछ चिकित्सक ऐसे भी देखे जाते हैं, जो अपने इस सम्मानित पेशे के प्रति ईमानदार नहीं होते लेकिन ऐसे चिकित्सकों की भी कमी नहीं, जिनमें अपने पेशे के प्रति समर्पण की कोई कमी नहीं होती। बिना चिकित्सा व्यवस्था और बिना योग्य चिकित्सकों के इंसान की जिंदगी कैसी होती, इसकी कल्पना मात्र से ही रोम-रोम सिहर जाता है। यही कारण है कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में चिकित्सकों का महत्व सदा से रहा है और हमेशा रहेगा। चिकित्सक दिवस की स्थापना भारत में वर्ष 1991 में हुई थी। पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री और जाने-माने चिकित्सक डा. बिधान चंद्र रॉय के सम्मान में चिकित्सकों की उपलब्धियों तथा चिकित्सा क्षेत्र में नए आयाम हासिल करने वाले डॉक्टरों के सम्मान के लिए इसका आयोजन होता है। वे एक जाने-माने चिकित्सक, प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और वर्ष 1948 से 1962 में जीवन के अंतिम क्षणों तक पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री रहे। उन्होंने पश्चिम बंगाल में दुर्गापुर, बिधाननगर, अशोकनगर, कल्याणी तथा हबरा नामक पांच शहरों की स्थापना की थी। संभवत: इसीलिए उन्हें पश्चिम बंगाल का महान वास्तुकार भी कहा जाता है। कलकत्ता विश्वविद्यालय से मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने वर्ष 1911 में एमआरसीपी और एफआरसीएस की डिग्री लंदन से ली। उन्होंने एक साथ फिजिशयन और सर्जन की रॉयल कॉलेज की सदस्यता हासिल कर हर किसी को अपनी प्रतिभा से हतप्रभ कर दिया था। वर्ष 1911 में भारत में ही एक चिकित्सक के रूप में उन्होंने अपने चिकित्सा कैरियर की शुरूआत की। वे कलकत्ता मेडिकल कॉलेज में शिक्षक नियुक्त हुए। वर्ष 1922 में वे कलकत्ता मेडिकल जनरल के सम्पादक और बोर्ड के सदस्य बने। 1926 में उन्होंने अपना पहला राजनीतिक भाषण दिया और 1928 में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के सदस्य भी चुने गए। डा. बिधान चंद्र रॉय ने 1928 में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के गठन और भारत की मेडिकल काउंसिल (एमसीआई) की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कई बड़े-बड़े पदों पर रहने के बाद भी वे प्रतिदिन गरीब मरीजों का मुफ्त इलाज किया करते थे। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् उन्होंने अपना समस्त जीवन चिकित्सा सेवा को समर्पित कर दिया। बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाओं को आम जनता की पहुंच के भीतर लाने के लिए वे जीवन पर्यन्त प्रयासरत रहे। 4 फरवरी 1961 को उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। 1967 में दिल्ली में उनके सम्मान में डा. बी.सी. रॉय स्मारक पुस्तकालय की स्थापना हुई और 1976 में उनकी स्मृति में केन्द्र सरकार द्वारा डा. बी.सी. रॉय राष्ट्रीय पुरस्कार की स्थापना की गई।

चीन नहीं देश सर्वोपरि है भारत माता में हूँ नतमस्तक

शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के रक्षा मंत्रियों की बैठक चीन के चिंगदाओ में 25-26 जून को आयोजित की गई थी।बैठक के दौरान स्ह्ह के सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, आतंकरोधी प्रयासों और रक्षा मंत्रालयों के बीच बढ़ते सहयोग जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई।बैठक में उच्चस्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया। उन्होंने बैठक से अलग चीन और रूस के रक्षा मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठक की।रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सीमापार आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के लिये वित्त पोषण किसी भी कीमत पर बंद होना चाहिए।उन्होंने आतंकवाद, कट्टरता और चरमपंथ के विरूद्ध एकीकृत वैश्विक कार्रवाई का आह्वान किया।इस बैठक में भारत के कुछ मुद्दों पर आम सहमति नहीं बन पाने के कारण साझा दस्तावेज को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका।अत: वहाँ सब पाकिस्तान के मित्र देश थे जिससे सहमति नहीँ बनी चीन भारत का दोस्त नहीँ दुश्मन है क्योंकि वह ऑपरेशन सिंदूर मेँ खुल कर पाकिस्तान को घातक हथियार दिए और उस वजह से भारत को नुकसान भी हुआ उन भारतीय सैनिक के दिल से पूछिए की पाकिस्तान अभी भी कश्मीर मेँ आतंकवादी को भेज रहा है और इन आतंकवादी को चीन हीं हथियार भी दे रहा है इसलिए भारत को वहीँ जाना चाहिए जहाँ चीन और पाकिस्तान ना हो ये दोनों एक हीं सिक्के के दो पहलू हैं अब हस्ताक्षर ना करना भी इस बात को दर्शाता है कि आपकी नहीँ सुनी गई भारत एक लोकतान्त्रिक देश है और 140 करोड़ देशवासियों द्मड्डु देश है और भारत किसी का गुलाम नही है कि वो सिखायेगा कि भारत को क्या करना है भारत के सैनिको मेँ जबरदस्त जोश है और किसी भी स्थिति से लड़ने को तैयार है और टेक्नोलॉजी में भी किसी देश से कम नहीं है ये द्धश अमेरिका का बी -2 बमर है उसका डिजाइन भी भारतीय ने किया है ये अलग बात है टेक्नोलॉजी दूसरे देश को देने के कारण उन्हें जेल में डाल दिया गया अमेरिका में जितने युद्ध के हथियार है अधिकतर को हमारे देश के वैज्ञानिक के द्वारा दि गई तकनीक है क्योंकि जो यहाँ टैलेंटेड होते हैं वो अमेरिका चले जाते हैं और भारत के लोग भी इसे बहुत अच्छा मामते है कि देखो वो अमेरिका में खुब पैसा कमा रहा है अब इस सोच से बाहर निकलना होगा क्योंकि अब जिस तरह युद्ध हो रहे हैं उसमें दूसरे देश कूद जाते हैं और अपनी दादागिरी दिखाते हैं ये बात अब इजराइल को भी समझ आ गई होगी और रूस यूकेन का युद्ध भी नाटो बनाम रूस हो गया और रूस का उन देशों के प्रति कहीं ना कहीं समर्थन है जिससे युद्ध जिस उद्देश्य के लिए हो रहा है वो समझ में ही नहीं आता आखिर जीता क्यों लेकिन 9/11 हमले में दो वर्ड ट्रेड सेंटर को अलकायदा ने निशाना बनाया तो अमेरिका ने उसपर एक तरह से कब्जा ही कर लिया था बाद में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बायडेन ने बापस बुलाया यही नहीं इराक उसका मजाक उड़ाया तो उसका क्या हाल हुआ वो सबको मालूम है अमेरिका ने ईरान ने इजराइल के कहने से ज्यादा वहाँ के अन्य मुस्लिम देशों ने अमेरिका को अच्छी खासी रकम दि है जिससे ट्रम्प ने बी -2 बमवर्षक विमान से ईरान के तीनो परमाणु ठीकानो को पूरी तरह बर्बाद कर दिया और अब ईरान का बम बनाने का सपना अधूरा रह गया खबर में कुछ भी बता देते हैं लेकिन उसमें

हकीकत नहीं रहता अगर ईरान ने भारी मात्रा में यूरेनियम को वहाँ से हटा दिए है तो वो किस काम का है 60 प्रतिशत तक संवर्धित है और 90 परसेंट करने में कम से कम 5साल लगेंगे ये दूसरे बम जैसा नहीं है कि जब चाहे बना लिए उसमें रेडियो। परमाणु हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिए इसे लगभग 90 प्रतिशत तक संवर्धित करने की आवश्यकता है अत: ईरान का परमाणु कार्यक्रम अब अमेरिका डील कर रहा अब उसे इजराइल से कोई मतलब नहीं रहा यही बात अब दूसरे देश को भी सिखने की जरुरत है यदि आपके पास अपना सामर्थ है तो युद्ध करो बरना आपस में समझौता कर लो हकीकत ये है कि भारत द डेली टेलीग्राफ और अन्य स्रोतों के अनुसार, चीन ने मई और जून 2020 के बीच भारतीय गश्त वाले 60 वर्ग किलोमीटर (23 वर्ग मील) क्षेत्र पर कब्जा कर लिया और पाक अधिकृत काश्मीर में अपना नेटवर्क बना रहा है और चीन ने कश्मीर के करीब 20 फीसदी हिस्से पर कब्जा किया है। इस हिस्से को अक्साई चिन के नाम से जाना जाता है। चीन और भारत के बीच जब 1962 में युद्ध हुआ तो उसने भारत के इस पूरे हिस्से पर अपना कब्जा कर लिया था। ये जम्मू-कश्मीर का उत्तर पूर्वी हिस्सा है, जिसे लेकर पिछले कई सालों से भारत और चीन के बीच तनाव है।चीन ने केवल भारत को ही नहीं परेशान कर रहा है बल्कि तिब्बत को भी कब्जे में लिया और उनके धर्म गुरु दलाई लामा भारत में हैं और तिब्बत का यहाँ एक अस्थाई सरकार भी धर्मशाला में है जिसे तिब्बत का अस्थाई सरकार धर्मशाला में है और जिसे तिब्बत सेंट्रल एडमिन्सटर कहते हैं और ये सभी भगवान बुद्ध को मानने वाले शांति प्रिय लोग है यहाँ उनके सारे मंत्रालय भी हैं जिसमें रक्षा नहीं है क्योंकि ये भारत के हिस्से में है ये 1956 से भारत में पंडित नेहरू के कहने पर ब ?ी संख्या में अपने धर्म गुरू दलाई लामा के साथ भारत आए थे जब तिब्बत ने 16 बिंदु के करार को न मान कर तिब्बत को अपने कब्जे में ले लिया जो चीन की बाहबाही करते है जरा सा अपने वीर योद्धा पर भी ध्यान दें सियाचिन का गलेशियर जो भारत को पाकिस्तान और चीन द्वारा की जाने वाली घुसपैठ को रोकने में मदद करता है।वहाँ का तापमान -30 डिग्री में अपने जवान किस तरह सीमा की रक्षा कर रहे हैं और जिंदगी में क्या पाया भारत माता के लिए सब कुछ न्योछावर कर दिया चीन ने कश्मीर के करीब 20 फीसदी हिस्से पर कब्जा किया है। इस हिस्से को अक्साई चिन के नाम से जाना जाता है। चीन और भारत के बीच जब 1962 में युद्ध हुआ तो उसने भारत के इस पूरे हिस्से पर अपना कब्जा कर लिया था। ये जम्मू-कश्मीर का उत्तर पूर्वी हिस्सा है, जिसे लेकर पिछले कई सालों से भारत और चीन के बीच तनाव है। इसलिए जहाँ देखें चीन की धरती है वहाँ कदम भी रखना देश के लिए ठीक नहीं है क्योंकि वहाँ वो आखिर आपकी क्या सुनेगा और खून का घुट पी कर आना पड़ेगा भारत स्वतंत्र देश है हम क्या ले क्या पहने ये मेरा अधिकार है चीन से तो बना हुआ कोई समान मैं तो नहीं लेता हूँ यहाँ तक की चाइनीज फूड भी क्योंकि देश सर्वोपरि है हमारी टेक्नोलॉजी उससे बेहतर है तभी तो केरल में जासूसी करने आए एक ब्रिटिश विमान को लॉक ही कर दिया चीन से सामान ही ना लो महात्मा गाँधी इसलिए विदेशी चीजों का वहिष्कार करते थे लेकिन आजादी के बाद देश का दुर्भाग्य ही कहे हमने उस पर अमल नहीं किया और आजादी के 77 साल बाद भी चीन की चाल को समझ नहीं रहे हैं ये बाद में अत्यंत हानिकारक होगा।इसलिए चीन के समान जब भारत में देखता हूँ तो कुछ समय के लिए सोचता हूँ सस्ता तो है लेकिन ये खरीदने से चीन की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और इसी पैसे से फिर आतंकवादी को भारत के खिलाफ हथियार देगा छोड़ो इसे नहीं चाहिए देश सर्वोपरि है।

- संजय गोस्वामी

आदिवासी अधिकारों व न्याय संघर्ष के लिए एक प्रेरणा है हूल विद्रोह

संथाल विद्रोह या हूल विद्रोह ब्रिटिश औपनिवेशिक व्यवस्था के विरुद्ध प्रथम व्यापक सशस्त्र विद्रोह था जो ब्रिटिश शासन काल में जमींदारों तथा साहूकारों द्वारा किये जाने वाले अत्याचारों के ख़िलाफ़ किया गया था। हूल विद्रोह एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटना है जिसने न केवल ब्रिटिश शासन के खिलाफ आदिवासी प्रतिरोध को उजागर किया, बल्कि आदिवासी अधिकारों और शोषण के खिलाफ संघर्ष के लिए एक प्रेरणा भी प्रदान की। यह विद्रोह आज भी प्रासंगिक है क्योंकि आदिवासी समुदायों को आज भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, और यह विद्रोह उनके अधिकारों के लिए लड़ने और न्याय प्राप्त करने के लिए एक प्रेरणा प्रदान करता है। यह ब्रिटिश शासन के खिलाफ पहला संगठित आदिवासी विद्रोह था। इसने आदिवासी समुदायों द्वारा सामना किए जा रहे शोषण को उजागर किया और भारत में बाद के आदिवासी आंदोलनों को प्रभावित किया। हुल का अर्थ होता है विद्रोह या क्रांति। यह शब्द संथाल आदिवासी समुदाय द्वारा उनके अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए ब्रिटिश शासन के खिलाफ लडे गए, संघर्ष को दर्शाता है। इतिहासकार वाल्टर हॉउजर ने अपनी पुस्तक आदिवासी एंड द राज- सोसियो एकोनोमिक ट्रांजिक्शन आफ द संथाल इन ईस्टर्न इंडिया में संथाल हूल विद्रोह या हुल विद्रोह को हक की लड़ाई और ब्रिटिश सरकार के नीतियों के खिलाफ संघर्ष के रूप में देखा। जब अंग्रेजी हुकूमत के आगमन के बाद, जमींदारी प्रथा ने संथालों की ?मीनों पर कब्जा कर लिया। आदिवासी समुदाय को उनकी जमीनों से बेदखल कर दिया गया और अत्यधिक करों और उच्च ब्याज दरों पर ऋण लेने के लिए मजबूर किया गया। साथ ही कर को इतना अधिक बढा दिया गया कि कर चुकाना भी मुश्किल हो जाता था। ब्रिटिश भी इतने थे कि शातिर थे कि अगर जो भी कर चुका नही पाता था तो उस पर मुकदमा चलाया जाता, जिससे और अधिक प्रताड़ित किया जाता था। ब्रिटिश अत्याचारों से संतालों की सामाजिक और सांस्कृतिक तानाबाना को प्रभावित हो रही थी।अंग्रेजों द्वारा नियोजित कर-संग्रह करने वाले महाजन जमींदार बिचौलियों के रूप में अर्थव्यवस्था पर हावी हो गए। कई संथाल भ्रष्ट धन उधार प्रथाओं के शिकार हो गए। उन्हें अत्यधिक दरों पर पैसा उधार दिया गया था। जब वे कर्ज चुकाने में असमर्थ थे, तो उनकी जमीनों को जबरन छीन लिया गया और उन्हें बंधुआ मजदूरी के लिए मजबूर कर दिया गया। 30 जून 1855 को, इनलोगों ने लगभग 60,000 संथालों को लामबंद किया और ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ विद्रोह की घोषणा की।

विद्रोह का नेतृत्व चार मूर्मू भाइयों - सिद्धू, कान्हू, चांद और भैरव तथा दो जुड़वां मूर्मू बहनें - फूलो और झानो ने किया। इनलोगों के नेतृत्व में 30 जून, 1855 ई.को वर्तमान साहेबगंज जि़ले के भगनाडीह गांव से प्रारंभ हुए इस विद्रोह के मौके पर सिद्धू ने घोषणा की थी- करो या मरो, अंग्रेज़ों हमारी माटी छोड़ो। इस आशय का प्रस्ताव भागलपुर के कमिश्नर को सौंपा था। यह घोषणा महात्मा गांधी के भारत छोड़ो आंदोलन से 57 साल पहले दिया गया था। यह क्रांति झारखंड के वर्तमान साहेबगंज जिले के भोगनाडीह गांव से शुरू हुई और उत्तर-पश्चिम में भागलपुर और दक्षिण में कोलकाता के आसपास तक फैल गई। इसकी शुरुआत लगभग 10,000 युवाओं के उत्पात मचाने से हुई, लेकिन यह धीरे-धीरे बढ़ती गई और सात महीने की अवधि में इसमें लगभग 20 गुना लोग शामिल हो गए। निश्चित रूप से, इस क्रांति ने एक मिसाल कायम की और इस क्षेत्र में भविष्य के विद्रोहों पर इसका प्रभाव पड़ा,जिसमें 19वीं सदी के उत्तरार्ध में मुंडा विद्रोह भी शामिल है। आदिवासी क्षेत्रों में, अंग्रेज अपनी शोषणकारी गतिविधियों को लगभग पूरी तरह से जमींदारों को सौंप देते थे, कभी-कभी गरीबों को होने वाले नुकसान की मात्रा का एहसास भी नहीं करते थे। आदिवासियों के लिए, तत्काल हमलावर दिकू था - कोई भी बाहरी व्यक्ति जो उनके संसाधनों पर अतिक्रमण करता था। इसलिए, आदिवासियों का प्राथमिक संघर्ष हमेशा जमींदारों के खिलाफ होता था। लेकिन जैसे ही जमींदारों पर हमला होता, ब्रिटिश प्रशासन आदिवासियों पर कहीं अधिक अत्याचार करता, जिससे यह एक अंतहीन परीक्षा बन जाती। ऐसे मामलों में, आदिवासियों के पास अक्सर हिंसक प्रतिशोध के अलावा कोई विकल्प नहीं होता था। 30 जून 1855 को हुल! हुल! के नारे के साथ कान्हू और सिद्धो ने 10,000 संथाल युवकों के एक समूह का नेतृत्व किया और भोगनाडीह के स्थानीय बाजार में व्यापारियों और महाजनों पर हमला किया। करीब एक दर्जन लोग मारे गए। एक हफ्ते बाद, 7 जुलाई को सिद्धो ने दरोगा महेश लाल दत्ता की हत्या कर दी, जिन्हें एक बार फिर उपद्रव को दबाने के लिए भेजा गया था। सिद्धो बीर सिंह की मौत का बदला ले रहा था; यह बदला अपने शुद्धतम रूप में था, और उसने इसे छिपाने का कोई प्रयास नहीं किया। अगले दिन, मुर्मू भाइयों के नेतृत्व में संथाल पाकुड़ पहुंचे, जो जमींदारों का गढ़ था। यहां, चारों भाई सबसे अमीर जमींदार गोड़े मदन मोहन के घर में घुस गए, चांदऔर भैरव के नेतृत्व में संथालों का एक समूह मुर्शिदाबाद की ओर बढ़ा, जहाँ उन्होंने 14 जुलाई को नील कारखाने पर हमला किया। हालाँकि, मजिस्ट्रेट के लगभग 200 गार्डों के दल ने उनका मुकाबला किया। नतीजतन, समूह ने रेलवे बंगलों को जलाना शुरू कर दिया और तब तक किए गए सभी निर्माण को नष्ट कर दिया। कई अंग्रेज़ और दो अंग्रेज़ महिलाएँ मारे गए। जब सिद्धो को इस बात का पता चला, तो उसने इस कृत्य की निंदा की और अपने छोटे भाइयों को फटकार लगाई, इस बात पर ज़ोर देते हुए कि उनकी लड़ाई में एक निश्चित आचार संहिता का पालन किया जाना चाहिए जो ईश्वर द्वारा निर्देशित थी। इसका मतलब उन लोगों की जान बख्शना था जिन्होंने संथालों का शोषण नहीं किया था। अब तक हुल को किसी भी गंभीर प्रतिरोध का सामना नहीं करना पड़ा था। इसकी मुख्य वजह यह थी कि आस-पास के इलाके में कोई भी ब्रिटिश सैनिक मौजूद नहीं था, जो उपद्रव के इलाके में जल्दी से पहुँचकर विद्रोह को दबा सके। दरअसल, सरकार को यह उम्मीद नहीं थी कि शांतिप्रिय संथाल इतने उग्र हो जाएँगे कि वे उन पर धनुष-बाण तान देंगे। इस अज्ञानता के कारण, अंग्रेजों को बहुत देर से एहसास हुआ और वे हैरान रह गए, क्योंकि लंबे समय तक चलने वाले विद्रोह के लिए मंच तैयार हो चुका था। इसके तहत, संथालों ने बुरहैत पर कब्ज़ा कर लिया था, जो उनका मुख्यालय बन गया। मुर्मू भाइयों को पालकी में बिठाकर घुमाया गया, मानो वे ज़मीन के नए मालिक बन गए हों। इसके साथ ही भागलपुर के कमिश्नर डी.एफ. ब्राउन ने मेजर एफ.डब्लू. बरोज़ के नेतृत्व में हिल रेंजर्स की एक टुकड़ी को स्थिति से निपटने के लिए भेजा। पीरपैंती में चांद और भैरव के नेतृत्व में संथालों ने सैनिकों पर भीषण हमला किया और अंतत: 16 जुलाई को उन्हें पराजित होना पड़ा।

-कुमार कृष्णन

भारत की आर्थिक प्रगति में अब तो ईश्वर भी सहयोग कर रहा है

कुछ दिनों पूर्व भारत में दो विशेष घटनाएं हुईं, परंतु देश के मीडिया में उनका पर्याप्त वर्णन होता हुआ दिखाई नहीं दिया है। प्रथम, भारत के अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के क्षेत्र में कच्चे तेल के अपार भंडार होने का पता लगा है, कहा जा रहा है कि कच्चे तेल का यह भंडार इतनी भारी मात्रा में है कि भारत, कच्चे तेल सम्बंधी, न केवल अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर पाएगा बल्कि कच्चे तेल का निर्यात करने की स्थिति में भी आ जाएगा। यदि भारत को कच्चे तेल की उपलब्धि पर्याप्त मात्रा में हो जाती है तो इसका प्रसंस्करण कर, डीजल एवं पेट्रोल के रूप में, पूरी दुनिया की खपत को पूरा करने की क्षमता को भी भारत विकसित कर सकता है। भारत में विश्व की सबसे बड़ी रिफाइनरी गुजरात के जामनगर में पूर्व में ही स्थापित है। अत: कच्चे तेल के साथ साथ डीजल एवं पेट्रोल का भी भारत सबसे बड़ा निर्यातक देश बन सकता है। जैसा कि दावा किया जा रहा है, यदि यह दावा सच्चाई के धरातल पर खरा उतरता है तो आगे आने वाले समय में भारत का विश्व में पुन: सोने की चिड़िया बनना लगभग तय है। भारत आज पूरे विश्व में कच्चे तेल का चीन एवं अमेरिका के बाद सबसे बड़ा आयातक देश है और विदेशी व्यापार के अंतर्गत भी कच्चे तेल के आयात पर ही सबसे अधिक विदेशी मुद्रा खर्च हो रही है। कच्चे तेल का उत्पादन यदि भारत में ही होने लगता है तो न केवल इसके आयात पर होने वाले भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा के खर्च को बचाया जा सकेगा बल्कि पेट्रोल एवं डीजल के निर्यात से विदेशी मुद्रा का भारी मात्रा में अर्जन भी किया जा सकेगा। जिसके कारण, भारत में विदेशी मुद्रा के भंडार में अतुलनीय बचत एवं संचय होता हुआ दिखाई देगा और इस प्रकार भारत विश्व में विदेशी मुद्रा का सबसे बड़ा संचयक देश बन सकता है।

वर्तमान में भारत कच्चे तेल की अपनी कुल आवश्यकता का 85 प्रतिशत से अधिक हिस्सा लगभग 42 देशों से प्रतिवर्ष आयात करता है। भारत कच्चे तेल की अपनी कुल खरीद का 46 प्रतिशत हिस्सा पश्चिम एशिया के देशों से आयात करता है। वर्तमान में भारत द्वारा कच्चे तेल एवं गैस के आयात पर 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि खर्च प्रतिवर्ष किया जा रहा है।

भारत सरकार के पेट्रोलीयम मंत्री श्री हरदीपसिंह जी पुरी ने जानकारी प्रदान की है कि अंडमान एवं निकोबार के समुद्री क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस का बहुत बड़ा भंडार मिला है। एक अनुमान के अनुसार यह भंडार 12 अरब बैरल (2 लाख करोड़ लीटर) का हो सकता है जो हाल ही में गुयाना में मिले कच्चे तेल के भंडार जितना ही बड़ा है। गुयाना में 11.6 अरब बैरल कच्चे तेल एवं गैस के भंडार पाए गए है। इस भंडार के बाद गुयाना कच्चे तेल के उत्पादन के मामले में विश्व में शीर्ष स्थान पर पहुंच सकता है जबकि अभी गुयाना का विश्व में 17वां स्थान है।

वर्ष 1947 में प्राप्त हुई राजनैतिक स्वतंत्रता के बाद के लगभग 70 वर्षों तक भारत की समुद्री सीमा की क्षमता का उपयोग करने का गम्भीर प्रयास किया ही नहीं गया था। हाल ही में भारत सरकार द्वारा इस संदर्भ में किए गए प्रयास सफल होते हुए दिखाई दे रहे हैं। अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के समुद्री क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस के भारी मात्रा में जो भंडार मिले हैं उनका अन्वेषण का कार्य समाप्त हो चुका है एवं अब ड्रिलिंग का कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है। ड्रिलिंग का कार्य समाप्त होने के बाद कच्चे तेल एवं गैस के भंडारण का सही आंकलन पूर्ण कर लिया जाएगा। अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में आधारभूत संरचना का विकास भी बहुत तेज गति से किया जा रहा है। इंडोनेशिया के सुमात्रा क्षेत्र के समुद्रीय इलाकों से भी भारी मात्रा में कच्चा तेल निकाला जा रहा है तथा भारत का अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह भी इंडोनेशिया से कुछ ही दूरी पर स्थित है। इसके कारण यह आंकलन किया जा रहा है कि अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के समुद्रीय क्षेत्र में भी कच्चे तेल एवं गैस के अपार भंडार मौजूद हो सकते है। हर्ष का विषय यह भी है कि इस क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस के साथ साथ अन्य दुर्लभ भौतिक खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल/मेटल) के भारी मात्रा में मिलने की सम्भावना भी व्यक्त की जा रही है। भारी मात्रा में मिलने जा रहे कच्चे तेल के चलते भारत अपनी परिष्करण क्षमता को बढ़ाने पर विचार कर रहा है। चूंकि चीन ने कुछ दुर्लभ भौतिक खनिज पदार्थों का भारत को निर्यात करना बंद कर दिया है अत: भारत के अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में इन पदार्थों का मिलना भारत के लिए बहुत बड़ी खुशखबर है। पूर्व में भी भारत में कच्चे तेल एवं गैस के भंडार का पता चला था, जैसे बॉम्बे हाई, काकीनाड़ा, बलिया एवं समस्तिपुर, आदि। इन समस्त स्थानों पर कच्चे तेल को निकालने के संबंच में आवश्यक कार्य प्रारम्भ हो चुका है। दरअसल, इस कार्य में पूंजीगत खर्च बहुत अधिक मात्रा में होता है। जापान, रूस एवं अमेरिका से तकनीकी सहायता प्राप्त करने के लिए इन देशों की बड़ी कम्पनियों के साथ करार करने के प्रयास भी भारत सरकार द्वारा किए जा रहे हैं। भारत का समुद्रीय क्षेत्र 5 लाख किलोमीटर का है। इसी प्रकार, पश्चिम बंगाल के समुद्रीय इलाके में भी खोज जारी है एवं इस क्षेत्र में भी कच्चे तेल एवं गैस के भंडार मिलने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। अंडमान एवं निकोबार क्षेत्र में कच्चे तेल का उत्पादन प्रारम्भ होने के पश्चात आगामी लगभग 70 वर्षों तक भारत को कच्चे तेल के आयात की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

द्वितीय शुभ समाचार यह प्राप्त हुआ है कि भारत के कर्नाटक राज्य में कोलार क्षेत्र में स्थित अपनी सोने की खदानों में भारत एक बार पुन: खनन की प्रक्रिया को प्रारम्भ करने के सम्बंध में विचार कर रहा है। कोलार गोल्ड फील्ड (चत्तस्न) को वर्ष 2001 में खनन की दृष्टि से बंद कर दिया गया था। परंतु, अब 25 वर्ष पश्चात स्वर्ण की इन खदानों में खनन की प्रक्रिया को पुन: प्रारम्भ किए जाने के प्रयास किए जा रहे है। इस संदर्भ में कर्नाटक सरकार ने भी अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है। आज पूरे विश्व में सोने की कीमतें आसमान छूते हुए दिखाई दे रही है और विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक अपने सोने के भंडार में वृद्धि करते हुए दिखाई दे रहे हैं क्योंकि अमेरिकी डॉलर पर इन देशों का विश्वास कुछ कम होता जा रहा है। बहुत सम्भव है कि आगे आने वाले समय में अमेरिकी डॉलर के बाद एक बार पुन: स्वर्ण मुद्राएं ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाले व्यापार के भुगतान का माध्यम बनें। ऐसे समय में भारत के कोलार क्षेत्र में स्थित स्वर्ण की खदानों में एक बार पुन: खनन की प्रक्रिया को प्रारम्भ करना एक अति महत्वपूर्ण निर्णय कहा जा सकता है। कोलार स्थित स्वर्ण की इन खदानों में 750 किलोग्राम स्वर्ण की प्राप्ति की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। प्राचीन काल में कोलार गोल्ड फील्ड को गोल्डन सिटी आफ इंडिया कहा जाता था।

प्राचीन काल में में भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था। एक अनुमान के अनुसार, भारतीय महिलाओं के पास 25,000 से 26,000 टन स्वर्ण का भंडार है। यह भी कहा जा रहा है कि भारत की महिलाओं के पास स्वर्ण का जितना भंडार है लगभग उतना ही भंडार पूरे विश्व में अन्य देशों के पास है। अर्थात, पूरे विश्व में उपलब्ध स्वर्ण का आधा भाग भारतीय महिलाओं के पास आज भी उपलब्ध है। ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत में स्थापित अपनी सत्ता के खंडकाल के दौरान लगभग 900 टन स्वर्ण, कोलार की खदानों से निकालकर, ब्रिटेन लेकर जाया गया था। भारत की केंद्रीय बैंक, भारतीय रिजर्व बैंक, के पास आज 880 टन स्वर्ण के भंडार हैं, जो कि भारत के 69,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर के विदेशी मुद्रा भंडार का 12 प्रतिशत हिस्सा है। हाल ही के समय में विदेशी निवेशकों का भारत पर विश्वास बढ़ा है अत: भारत का स्वर्णिम काल पुन: प्रारम्भ हो रहा है। विश्व के विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों के पास आज 36,000 टन स्वर्ण का भंडार हैं, जबकि इनमे से कई देशों के केंद्रीय बैंक अभी भी स्वर्ण की खरीदी करते जा रहे हैं। स्वर्ण भंडार की दृष्टि से भारत का आज विश्व में 8वां स्थान है। चीन एवं रूस स्वर्ण के सबसे बड़े उत्पादक देश हैं फिर भी ये दोनों देश स्वर्ण का आयात भी जारी रखे हुए हैं। लगातार, पिछले 3 वर्षों से विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक लगभग 1,000 टन स्वर्ण की खरीद प्रतिवर्ष कर रहे हैं। स्वर्ण की खरीदी का यह कार्य रुकने वाला नहीं है आगे भी ऐसे ही चलता रहेगा। अत: भारत सरकार द्वारा भी कोलार गोल्ड फील्ड में स्वर्ण के खनन का कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है। स्वर्ण के भंडार बढ़ने के साथ भारत, रुपए का अंतरराष्ट्रीयकरण कर सकता है। साथ ही, स्वर्ण के भंडार बढ़ने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए की कीमत भी बढ़ती जाएगी।

कुल मिलाकर, अब यह कहा जा सकता है कि ईश्वरीय कृपा से एवं उक्त कारणों के चलते भारत को विश्व में एक बार पुन: सोने की चिड़िया बनाया जा सकता है।

प्रहलाद सबनानी

इन्दौर बाजार भाव

इन्दौर। कमजोर आवकों के बीच सोमवार को दलहनों में मूंग बाजार मजबूती के रहे। मसूर में सुधार रहा। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन बाजार टिके रहे। किराना जिंसों में नारियलों में सुर्खी कायम रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार मूंग में लेवाली वाली बात नहीं है, किन्तु आवकें ठंडी-ठंडी रहने से बाजार तेजी पर है। मसूर में सुधार देखा गया। खाद्य तेलों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। तिलहनों में सोयाबीन बाजार टिके रहे। उधर, किराना जिंसों में नारियलों में आवकें कमजोर रहने से बाजार सुस्ती के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4120-4165, खोपरा गोला 340-385, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 150-200, सांगली 250-255, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 6900-7100, सौंफ मोटी 100-130, बेस्ट 185-285, एस्ट्रा बेस्ट 340-450, सौंफ बारिक 290-350, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1200, क्लीन 1350-1600, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1850, बेस्ट 1950-2050, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 900-950, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 870-900, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 830-860, टुकड़ी 750-800, बादाम मगज 870-925, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3100-3200, (160) 3750-3800, (200) 4300-4350, (250) 4500-4800

तेल- सींगदाना 1370-1380, मुम्बई 1400-1410, राजकोट तेलिया 2185-2200, सोया साल्वेंट 1100-1110, सोया रिफाइंड 1160-1170, कपास्या 1210, धूलिया 1215, कड़ी 1210,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1350, मुम्बई पाम 1225, मुम्बई सोया 1190,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6300-6500, रायडा 5800-6000, सोयाबीन 4300, टोली (महुआ बीज) 4300-4450, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5900-6000, एवरेज 5200-5400, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशियन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7100-7200, पाला 7200-7300, चमकी 7200-7300, नायलोन 7300-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7300-7500, बोल्ड 7700-8100, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

इन्दौर सराफा बाजार

इन्दौर। सोमवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार सुस्ती के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 104800, चॉंदी (99) 104700, टंच 103800, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 96800,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 26 पैसे गिरकर 85.75 प्रति डॉलर पर बंद हुआ जबकि शुक्रवार को रुपया 85.49 पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह कमजोर रुख और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में छह पैसे मजबूत होकर 85.44 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 85.48 पर खुला। शुरुआती कारोबार में 85.44 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 22 85.50 पर बंद हुआ।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती से भरा रहने वाला है। आपको किसी सहयोगी की कोई बात बुरी लग सकती है। लेनदेन से संबंधित मामले में आप अपने आंख और कान खुले रखें। आपका कोई काम यदि लंबे समय से लटका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है। आपको अपने पिताजी की सलाह पर चलना बेहतर रहेगा। आपको अपने बिजनेस को लेकर भाई-बहनों से सलाह लेनी पड़ सकती है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए कला कौशल में निखार लेकर आएगा। आप अपने हुनर को तराशेंगे, जो आपकी आय के सोर्स को बढाएगा। आप अपनी संतान की संगति पर विशेष ध्यान दें, नहीं तो किसी गलत काम की ओर अग्रसर हो सकते हैं। आप किसी नए बिजनेस की शुरुआत करने के लिए जल्दबाजी बिल्कुल ना करें, नहीं तो बाद में आपको उसके लिए पछतावा हो सकता है।

मिथुन- आज आप किसी काम को लेकर कोई जोखिम न उठाएं। बिजनेस में भी आप थोड़ा सोच समझकर ही धन लगाएं, तो आपके लिए बेहतर रहेगा, क्योंकि आपको कोई नुकसान होने की संभावना है। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में यदि कोई बाधा आ रही थी, तो वह भी दूर होगी। आप परिवार के सदस्यों के साथ मिल बैठकर कुछ पारिवारिक समस्याओं को लेकर बातचीत करेंगे। आपका किसी नए घर को खरीदने का सपना पूरा हो सकता है, जिसके लिए आप कोई लोन भी अप्लाई कर सकते हैं।

कर्क- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपकी भाई बहनों से किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकते हैं। आपको अपने आसपास रह रहे लोगों से भी थोड़ा सतर्क रहना होगा। आपको यदि कोई जिम्मेदारी मिले, तो कार्यक्षेत्र में उसे पूरा करने के लिए आपका सहयोगी आपकी मदद कर सकते हैं। आप किसी यात्रा पर जाने की प्लानिंग कर सकते हैं। आपका कोई विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकता है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरपूर रहने वाला है। किसी पुरानी गलती से आपको सबक लेना होगा और आप अपने कामों को आज किसी दूसरे के भरोसे नहीं छोड़ेंगे। आपको अपनी मेहनत में तेजी लाने की आवश्यकता है, लेकिन आप इनकम के हिसाब से खर्च करें, तो ही आपके लिए बेहतर रहेगा। आप अपने घर का रिनोवेशन का काम भी शुरू कर सकते हैं।

कन्या- आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आप अपने परिवार में अपनी जिम्मेदारियां से बिल्कुल पीछे ना हटें। कार्यक्षेत्र में आपके बॉस आपसे काम को लेकर कोई बातचीत कर सकते हैं। आप अपनी पारिवारिक समस्याओं को लेकर थोड़ा टेंशन में रहेंगे। आपको अपने खर्चो पर थोड़ा ध्यान देना होगा। संतान से किए हुए वादे को भी आप समय रहते पूरा करने की कोशिश करेंगे। आप उन्नति के राह पर आगे बढ़ेंगे।

तुला- आज का दिन आपके लिए सेहत पर ध्यान देने के लिए रहेगा। आपका कोई पुराना रोग उभर सकता है। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आपकी संतान के मन में चल रही उलझनों को जानने की कोशिश करेंगे। जीवनसाथी की सलाह आपके बिजनेस के लिए कारगर सिद्ध होगी। आप अपने खाने में बदलाव लाएं, जिससे कि आपकी सेहत भी ठीक होगी, लेकिन ससुराल पक्ष का कोई व्यक्ति आपसे मेल-मिलाप करने आ सकता है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए उन्नति की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आपको अपने किसी विरोधी की बातों में आने से बचना होगा। आपकी इनकम के सोर्स बढ़ेंगे, जो आपको खुशी देंगे। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। आप कार्यक्षेत्र में कोई जरूरी जानकारी किसी दूसरे से शेयर ना करें। आपको अपनी आंख और कान खुले रखकर काम करने की आवश्यकता है।

धनु- आज का दिन नौकरी की तलाश कर रहे लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है, क्योंकि उन्हें कोई अच्छा अवसर मिलने की संभावना है। वाहनों का प्रयोग आप थोड़ा सावधान रहकर करें। आप अपने बिजनेस में पार्टनरशिप यदि करें, तो उसमें पूरी लिखा पढ़ी करके करें, नहीं तो आपको धोखा मिल सकता है। आपका डूबा हुआ धन आपको मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए मन मुताबिक लाभ दिलाने के लिए रहेगा। आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें अच्छी सफलता मिलेगी, लेकिन किसी दूर रह रहे परिजन से आपको कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती है। आपको किसी नए काम की शुरुआत करना अच्छा रहेगा। आपको अपनी सेहत को लेकर भी लापरवाही बरतने से बचना होगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आप अपने कामों पर पूरा ध्यान देंगे और किसी जरूरी कामों को लेकर आप कहीं यात्रा पर भी जा सकते हैं। राजनीति में कार्यरत लोगों को कोई बड़ी जिम्मेदारी के साथ-साथ कोई पुरस्कार भी मिलने की संभावना है। आप किसी दूसरे के मामले में पड़ने से बचें। परस्पर सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आप अपने रक्त संबंधी रिश्तों में मजबूती आएगी।

मीन- आज का दिन आपके लिए अपने जरूरी कामों पर ध्यान देने के लिए रहेगा। सरकारी मामलों में आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह से निपटना बेहतर रहेगा। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपकी अपने किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात होगी। आपको अपने किसी सहयोगी की कोई बात बुरी सकती है। माताजी से आपकी किसी बात को लेकर कहासुनी होने की संभावना है।

शब्दजाल - 7946

शब्दजाल में दस बेहतरीन फिल्मों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

मु	हु	मे	रि	ह	आ	ल	म	आ	रा	म
ग	खु	क	दू	म	जी	ने	शि	या	ड़	द
ले	पी	जा	क	दि	ग	बा	द	ह	प	र
आ	ग	ए	रा	ल	दे	व	दा	स	लि	इं
ज	आ	रा	ल	दे	ब्लै	ला	कि	यो	प	डि
म	इ	वा	मो	चु	प	क	शी	ह	गी	या
न	अ	ल	रा	के	मा	जो	न	व	प	क्ति
क	रि	ल	र	स	र	प्या	सा	ल	वि	रे
र	या	बा	बे	न	न	ज	जी	व	जू	ड्डी
र	ग	ल	नो	म	व	शि	का	री	क्त	ल
बां	दो	बी	घा	ज	मी	न	स	सु	रा	ल

मदर इंडिया,दो बीघा जमीन, आवारा, प्यासा, वक्त, आलमआरा,मुगले आजम, देवदास, हम दिल दे चुके सनम, ब्लैक,

शब्दजाल - 7945 का हल

गं	रा	ब	द्री	ना	थ	य	ऋ	ज	पे	यी
द	गा	ल	प्रे	व	जी	म	षि	ह	कां	गं
वि	स	की	वै	को	ह	रा	के	ल	ख	गो
के	स	स	क	ष्णो	वा	ज	ष	ह	श	त्री
दा	आ	र	ग	स	दे	ना	तू	रि	झ	प
र	ल	ला	र	दि	म	वी	ती	द्वा	घ	रिं
ना	व	का	शी	प	बा	ज	र	र	ना	थ
थ	वा	ई	द	ब	ई	डू	ए	श	सि	मी
ड	ल	अ	म	र	ना	थ	ग	शी	क	र
गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द	वि
वा	रा	ण	सी	क्षी	डि	त	ब	प	म	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 6890

1		2		3		4		5	6
		7	8			9			
	10								
11					12		13		14
			15	16			17		
18		19				20			
21					22			23	
				24		25	26		27
	28		29						
30						31			

ऊपर से नीचे:-

१. 'हाय रे हाय रे' गीत वाली नई फिल्म-२
२. जोहराबाई अंबाले के गीत 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'अनोखी रात' के संगीतकार-३
४. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की १९९७ की एक फिल्म-३
५. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली फिल्म-३
६. अमिताभ बच्चन, शशि कपूर, शत्रु, राखी, परवीन, बिंदिया की अभिनीत फिल्म-२
८. 'मेरे अँगने में तुम्हारा' गीत वाली फिल्म-४
१०. फिरोजखान, हेमा, रेखा की फिल्म-३
१२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली विक्रम, लक्ष्मी की फिल्म-२
१३. किशोर कुमार, मधुबाला की 'कोई हमदम ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'गोरे गोरे मुखड़े पे काला काला चश्मा' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शरीफ बदमाश' में नायिका कौन थी-२
१८. 'तुम रूठ के मत' गीत वाली फिल्म-३
१९. अमिताभ, जया की 'जहाँ चार यार' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आँखों से तूने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
२३. अमिताभ की 'अरे दीवानों मुझे पहचानो' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी, करिश्मा की फिल्म-३
२६. नायक-निर्माता-निर्देशक अकबर खान, रंजीता, स्मिता की फिल्म-३
२७. अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की सुभाष घई निर्देशित फिल्म-२
२८. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली बहु सितारा फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
३. कुमार गौरव, पूनम की 'माँग लूंगा तुझे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत और नायिका रीना राय वाली फिल्म-२
७. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
९. सुनीलदत्त, किशोरकुमार के 'सामने वाली खिड़की में' रहती है-४
१०. करिश्मा, मनीषा की 'रंग दी रंग दी' गीत वाली फिल्म-४
११. नवीन निश्चल, रेखा की 'राज की बात कह' कव्वाली वाली फिल्म-२
१५. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार की फिल्म-३
१७. सुनील शेट्टी, नम्रता की 'जीना तेरी बाहों में' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'घायल घायल तूने मुझे' गीत वाली मिथुन, श्रीदेवी की फिल्म-२
२१. सुनीलदत्त, माला की 'चलो एक बार फिर से' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'गाये जा गीत मिलन के' गीत वाली दिलीप, नर्गिस की फिल्म-२
२५. संजयदत्त, माधुरी की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'मैं दुनिया भुला दुंगा' गीत वाली राहुल राय, अनु की फिल्म-३
३०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की १९८४ की एक फिल्म-३
३१. 'बाराना दे बाराना' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 6889

शि	ल्पा		अ	स	र	नी		स	
का		क	म	ल		य	ल	गा	र
री	ना		री	मा		त		ई	
	रा	जे	श		प		स		ब
का	ज	ल		दा	ग	द	फ	य	र
ला		र	ख	वा	ला		री		सा
पा	पी		ल		क	र्ण		घा	त
नी		हि	ना		हीं		ज	य	
	जं		य		का	का		ल	व
कि	ग	अं	क	ल		श	क्ति		ध

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8414

1	2		3			4	5	
6					7			
		8		9			10	
11				12		13		
								14
	15					16		
17				18	19			
	20	21					22	
23				24				

बाएँ से दाएँ

1. अपनत्व, अपनाव-5
4. खाने लायक तैयार होना-3
6. गोंद, लाख-2
7. पति, शौहर-3
8. जंगल, अरण्य-3
10. उत्साह, ललक-2
11. प्रलय, आफत-3
12. ईश्वर, रब-4
15. वट वृक्ष-4
16. निर्माण(उर्दू-3)
17. धोखा, कपट-2
18. दृष्टि, निगाह-3
20. स्वदेश, मातृभूमि-3
22. एक पैसा-2
23. विजय, जीत-3
24. आत्मबलिदानी, साहसी-5

ऊपर से नीचे

1. उपद्रव की स्थिति, अशांति-5
2. लम्हा, क्षण-2
3. गिरावट, अवनति-3
4. मवाद-2
5. मरियल, दुर्बल-4
8. असरदार, प्रभावी-4
9. नाक छेदना-2,3
13. विदिर्ण, छिन्न भिन्न होना-4
14. मांग, अनुरोध-5
15. बलवा, गदर-4
19. विष, गरल-3
21. अस्तर, स्तर-2
22. देवदास की प्रेमिका-2

शब्द पहेली -8413 का हल

ती	रं	दा	ज		को	म	लां	गी
व्र		म	न	भ	र	ना		ज
ता	र			र			स	र
	म		क	म	र		मा	
प्र	ता	ड़	ना		स	र	ज	मीं
	जो		त	र	ना		वा	
बा	गी			सी			दी	न
य		ल	ची	ला	प	न		य
स	ना	त	न		र	स	खा	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

1 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.29 बजे से
चंद्र	सिंह में	सिंह	08.45 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.57 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	13.07 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	15.22 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	17.38 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.43 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.30 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.03 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		मेष	00.33 बजे से
		वृष	02.13 बजे से
		मिथुन	04.11 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 182 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि षष्ठी 10.21 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाफाल्गुनी 08.54 बजे को समाप्त।
योग व्यतीपात 17.19 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 10.21 बजे तदनन्तर गर 23.06 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 05.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 06'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872392
जूलियन दिन 2460857.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम
तारीख 05

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: नई भूमिका

पुराने जमाने की बात है। राजा बालीक ने किसी छोटी सी बात पर नाराज होकर अपने प्रधानमंत्री भद्रजित को उनके पद से हटा दिया। उन्होंने क्रोध में भद्रजित से कहा, 'तुम अपने आप को बहुत श्रेष्ठ समझते थे न। जब तुम इधर-उधर भटकोगे तब तुम्हें पता चलेगा कि पद का क्या महत्व होता है।' भद्रजित शांति व शालीनता से राजा को प्रणाम कर दरबार से चले गए। उन्होंने पद से हटाए जाने को ईश्वर का वरदान माना और मन में किसी तरह का द्वेष भाव नहीं रखा। उन्होंने अपना समय इश्वरोपासना, स्वाध्याय तथा जनसेवा में लगाना शुरू कर दिया। जल्दी ही वह लोकप्रिय हो गए। भद्रजित अधिक से अधिक समय सत्संग और सदकार्यों को देने लगे। एक दिन राजा बालीक को भद्रजित की याद आई। राजा ने सोचा कि भद्रजित की हालत निश्चय ही दयनीय हो गई होगी। क्यों न चल कर देखा जाए। राजा वेश बदल कर नगर में जा पहुंचे। राजा को देखकर आश्चर्य हुआ कि भद्रजित श्रेष्ठ लोगों से घिरे थे। भदजित ने वेश बदले राजा को पहचान लिया। उन्होंने खड़े होकर राजा का अभिनंदन किया और कहा, 'राजन! यदि आप मुझे मेरे पद से हटाते नहीं तो मुझे लोगों की सेवा का अवसर भला कहां मिलता? यह तो मेरा सौभाग्य है कि आप ने मुझे पद से हटा दिया। इससे मुझे जीवन के एक अलग अध्याय को जानने और एक नई भूमिका निभाने का अवसर मिला। मैं आपका आजीवन आभारी रहूंगा।' राजा बालीक भद्रजित की विनम्रता और धैर्य को देखकर हैरान रह गए। उनसे कुछ बोलते न बना।

सूडोकु नवताल- 7199

★★★✫☆ मध्यम

6	3	7		1	5	4		9
	8						2	
		1		4	8			6
	6			9	7	1		
7	2						5	3
		5	6	3			9	
5			8	2		3		
	4						7	
1		3	7	5		2	6	8

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7198 का हल

5	9	4	1	7	2	6	3	8
6	8	1	4	3	5	2	7	9
2	3	7	8	9	6	1	4	5
9	2	3	7	5	1	4	8	6
4	7	6	9	2	8	5	1	3
1	5	8	3	6	4	9	2	7
8	6	2	5	4	3	7	9	1
7	1	5	2	8	9	3	6	4
3	4	9	6	1	7	8	5	2

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार जून महीने के अंतिम कारोबारी दिन सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 452 अंकों की गिरावट के साथ ही 83,606.46 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 120 अंकों की गिरावट के साथ 25,517.05 पर बंद हुआ। आज के कारोबार के दौरान निफ्टी पर एसबीआई, ट्रेंट, श्रीराम फाइनेंस, इंडसइंड बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर सबसे अधिक लाभ के साथ ही हरे निशान पर रहे जबकि टाटा कंज्यूमर, मारुति सुजुकी, कोटक महिंद्रा बैंक, हीरो मोटोकॉर्प, एक्सिस बैंक के शेयर गिरावट के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। आज पीएसयू बैंक इंडेक्स में 2.5 फीसदी की बढ़त रही, जबकि रियल्टी, एफएमसीजी, ऑटो, मेटल के शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी। वहीं बीएसई मिडकैप सूचकांक में 0.6 फीसदी और स्मॉलकैप सूचकांक में 0.8 फीसदी की तेजी रही। वहीं वित्तीय और ऑटो शेयरों में गिरावट के कारण सेंसेक्स और निफ्टी में निचले स्तर पर कारोबार हुआ। मध्य पूर्व में तनाव कम होने और विदेशी पूंजी प्रवाह में मजबूत होने से जिससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों में तेजी के बीच ही बाजार सपाट स्तर पर खुले। आज सुबह सेंसेक्स करीब 30 अंक गिरकर 84,027.33 पर खुला। इस समय यह 119.59

अंक की गिरावट लेकर 83,939 पर कारोबार कर रहा था। सेक्टरों में निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स सबसे अधिक लाभ में रहा। इसमें 0.94 प्रतिशत की तेजी आई। जबकि निफ्टी ऑटो इंडेक्स में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली। । वहीं एशियाई बाजारों में सोमवार को तेजी रही। जापान के निक्केई इंडेक्स में 1.6 फीसदी की वृद्धि हुई। जबकि व्यापक टॉपिक्स इंडेक्स में 1 फीसदी की वृद्धि हुई। कोस्पी में 0.64 फीसदी की वृद्धि हुई तथा एएसएक्स 200 में 0.19 फीसदी की वृद्धि हुई। वर्ष की दूसरी छमाही में बाजार के प्रवेश के साथ ही एशियाई बाजारों में शुरुआती घंटों के दौरान अमेरिकी इक्विटी फ्यूचर्स भी तेजी से बढ़ा। शुक्रवार को वॉल स्ट्रीट ने सभी क्षेत्रों में मजबूत बढ़त दर्ज की। एसएंडपी 500 अपने पिछले शिखर 6,147.43 को पार करते हुए 6,173.07 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर बंद हुआ। नैस्डैक कंपोजिट भी लगभग 0.5 फीसदी की बढ़त के साथ नए ऑल टाइम लेवल पर बंद हुआ। जबकि डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में लगभग 1 फीसदी की वृद्धि हुई।

यूपीआई से लेनदेन पर मिलेगा तीन फीसदी कैशबैक

नई दिल्ली। देश में यूपीआई पेमेंट का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। अब आपको यूपीआई पेमेंट करने पर आपको हर लेनदेन पर तीन फीसदी का कैशबैक कमाने का मौका मिल सकता है। इसके लिए आपको एक्सिस बैंक सुपरमनी रुपे क्रेडिट कार्ड बनवाना होगा। इस क्रेडिट कार्ड को यूपीआई ऐप्स से लिंक कर सकते हैं और पड़ोस के छोटे से दुकान पर लगे मर्चेंट यूपीआई क्यूआर कोड को स्कैन कर इस कार्ड से पेमेंट कर सकते हैं। यह कार्ड एक्सिस बैंक

और फ्लिपकार्ट ग्रुप की फिनटेक कंपनी सुपर मनी का को-ब्रांडेड कार्ड है। इसे हाल ही में लॉन्च किया गया है। यह एक लाइफटाइम फ्री क्रेडिट कार्ड है। इसका मतलब हुआ कि इस कार्ड के लिए आपको कोई जॉइनिंग और एनुअल फीस नहीं देनी होगी। यह कार्ड आपको वर्जुअल के साथ-साथ फिजिकल फॉर्म में भी मिलेगा। सुपरमनी ऐप के जरिए इस कार्ड से किए गए पेमेंट पर आप 3 फीसदी कैशबैक कमा सकते हैं। इस कार्ड के जरिए दूसरे सभी एलिजिबल खर्च पर 1 फीसदी कैशबैक पा सकते हैं। दोनों कैटेगरी मिलाकर आप हर महीने मैक्सिमम 500 रुपये कैशबैक कमा सकते हैं। पेट्रोल पंपों पर 400 रुपये से लेकर 4,000 रुपये फ्यूल खरीद का पेमेंट इस कार्ड से करने पर 1 फीसदी का फ्यूल सरचार्ज नहीं देना होगा। एक बिलिंग साइकिल में मैक्सिमम 400 रुपये फ्यूल सरचार्ज माफ हो सकता है। चूंकि यह क्रेडिट कार्ड रुपे नेटवर्क पर लॉन्च किया गया है तो इस कार्ड को उन सभी ऑनलाइन वेबसाइट और मर्चेंट आउटलेट में इस्तेमाल किया जा सकता है, जो रुपे कार्ड स्वीकार करते हैं।

सोने और चांदी की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली। सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में सोमवार को सुस्ती देखने को मिल रही है। घरेलू बाजार में सोने के भाव 95,450 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,05,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के भाव तेजी, जबकि चांदी के वायदा भाव नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 22 रुपये की तेजी के साथ 95,492 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 95,470 रुपये था। इस समय यह 20 रुपये की गिरावट के साथ 95,450 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉट्रेक्ट 149 रुपये की गिरावट के साथ 1,05,079 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,05,228 रुपये था। इस समय यह कॉन्ट्रेक्ट 149 रुपये की गिरावट के साथ 1,05,079 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोमवार को सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। हालांकि सोने के भाव बाद में सुधर गए। कॉमेक्स पर सोना 3,284.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,287.60 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 2.60 डॉलर की तेजी के साथ 3,290.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 35.89 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 36.03 डॉलर था। इस समय यह 0.13 डॉलर की गिरावट के साथ 35.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

ग्राम देवलगांव में जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन

विधायक राजकुमार कर्राहे ने किया उपस्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन, किसानों को किया रागी मिनीकिट का वितरण

लांजी (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लांजी अन्तर्गत ग्राम पंचायत देवलगांव में नव निर्मित उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन का लोकार्पण 30 जून को क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे के हस्ते फीता काटकर किया गया। उक्त लोकार्पण कार्यक्रम में सरपंच श्रीमती पुष्पा कमलकिशोर ठाकरे, जिला पंचायत सदस्य दुलीचंद राजनीरे, जपस महेन्द्र पटले, सीईओ रामगोपाल यादव, एसडीओ टीपी परते, बीएमओ डॉ अक्षय उपराड़े, डॉ अंकित खरोले सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं स्वास्थ्य विभाग से अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। लोकार्पण अन्तर्गत विधि पूर्वक पूजन अर्चन करने के पश्चात विधायक राजकुमार कर्राहे ने फीता काटकर भवन का लोकार्पण किया तत्पश्चात जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम के तहत मंचीय आयोजन किया गया था जहां सभी अतिथियो के द्वारा शिरकत की गई।

जल गंगा संवर्धन अभियान का ग्राम पंचायत देवलगांव में समापन

जनपद पंचायत लाजी की ग्राम पंचायत देवल गांव में जनपद स्तरीय जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम का समापन विधायक राजकुमार कर्राहे के मुख्यातिथ्य में किया गया। जल गंगा संवर्धन अभियान समापन कार्यक्रम का मध्य प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जो कि सीएम इवेन्ट्स मप्र शासन के द्वारा किया गया। स्थानीय स्तर पर कार्यक्रम का शुभारंभ महापुरूषो के छाया चित्रों के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर पुष्प मालाऐं अर्पित कर किया गया। विदित हो कि जल गंगा संवर्धन अभियान मध्य प्रदेश शासन की जल संरचनाओं को बचाने,जल संरक्षण एवं पर्यावरण हेतु पुराने जल स्रोतों ,बावड़ी,कूपों, तालाबों में जल संरक्षण जागरूकता किए जाने की एक पहल थी। कार्यक्रम का शुभारंभ 30 मार्च 2025 से 30 जून 2025 तक की अवधि में किया गया इन 90 दिनों के अभियान में जनपद पंचायत लांजी को 300 खेत तालाबों का लक्ष्य प्राप्त हुआ था जिसमें 366 तालाबों का निर्माण कर 122 प्रतिशत उपलब्धि की गई। इसी प्रकार पुराने कुओं में जल अवशोषण हेतु डक्वेल रिचार्ज पीट बनाए गए जिनका लक्ष्य 139 था जिसके परिप्रेक्ष्य में 154 डकवेल रिचार्ज पीटों का निर्माण पूर्ण कराया गया। जनपद पंचायत लाजी में तीन अमृत सरोवरों का लक्ष्य था जिसमें ग्राम पंचायत घसा ग्राम पंचायत चिखली एवं ग्राम पंचायत बापड़ी में तीन अमृत सरोवर कार्य निर्माण अधीन है। साथ ही माय भारत पोर्टल पर 15094 वॉलिंटियर्स (जलदूत)का रजिस्ट्रेशन किया गया। इस प्रकार जल गंगा संवर्धन अभियान में मध्य प्रदेश में जिला बालाघाट तृतीय नंबर पर रहा, एवं जिले में जनपद पंचायत लांजी की स्थिति द्वितीय स्थान पर रही पुराने जल संरक्षण के कार्यों को पूर्ण किए जाने में जनपद पंचायत लाजी प्रथम स्थान पर है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों नें जल गंगा संवर्धन अभियान के सफलता पूर्वक आयोजन एवं क्रियाकलापों को लेकर इस अभियान से जुडे सभी अधिकारी कर्मचारी एवं जनप्रतिधियों को बधाई प्रेषित की गई तथा सभी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिये वृक्षारोपण अवश्य करे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार कर्राहे, जिला पंचायत सदस्य दुलीचंद राजनीरे, जनपद पंचायत सदस्य महेंद्र पटेल, सरपंच पुष्पा कमल किशोर ठाकरे,मुख्य कार्यपालन अधिकारी राम गोपाल यादव, सहायक यंत्री टीपी परते, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मुकेश खांडेकर, बीएमओ अक्षय उपराड़े, लता बिल्हारे सरपंच, सेवकराम कुशराम प्राचार्य आईटीआई, प्रभुशंक्रर भर्रे, रोशनी मचिया, श्याम कालबेले, धर्मभुषण बनौठे, संजित ठाकरे सहित पंचायत के पंचगण एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट कार्य करने वाली कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

उक्त आयोजन के अन्तर्गत जनपद पंचायत स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारी एवं अधिकारियों को सम्मानित किया गया जिसमें टीपी परते,मुकेश खांडेकर, दीपेश खदेकर ,सुरेश कुहाने, महेश मेश्राम ,नरेश शिवनकर , विजय बंजारी ,नितिन शुक्ला, आशीष सहारे , ल केश माहुलें, दीपक रामटेके,ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक एवं सचिव में धने, उकराम भगत, गुणीराम लिलहरे, शिवा प्रसाद मसकी , कपूर चंद्र गौतम मनोहर चौरे, श्रीमती माधुरी पारदी , चंद्र प्रकाश रावते, तुलसीराम बाहे, प्रदीप कुमार रावते, भोजराज भोगाडे राजकुमार कावडे, ओमप्रकाश सोनवाने, गणेश अगासे, नरेन्द्र गजभिये, विजय नखाते, सतीष मेश्राम, रमेश लिल्हारे, सुरेन्द्र दमाहे, तोषराम लिल्हारे, धर्मराज मेश्राम, राजू मर्सकोले, भुवन फुल्हारे, मुकेश अवसरे , राजेन्द्र धुर्वे, प्रेमलाल मातरे, इन्द्रकुमार टिकेश्वर, रामलाल गुर्दे को उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रशस्ति पत्र मुख्य अतिथि के हस्ते प्रदाय किया गया।

वृक्षारोपण कर दिया संदेश

विधायक राजकुमार कर्राहे के द्वारा कार्यक्रम के समापन अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अन्तर्गत बाजार चौक ड्क्षस्थत सभामंच के पास वृक्षारोपण किया गया। साथ ही उपस्थित अतिथियों के द्वारा भी वृक्षारोपण किया गया। श्री कर्राहे ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण में हम सभी को भागीदार बनना चाहिये। सभी एक पेड़ माँ और एक पेड़ पिता के नास अवश्य लगाकर पर्यावरण संरक्षण एवं सुरक्षा में भागीदार बने। वहीं ग्राम पंचायत देवलगांव में विधायक राजकुमार कर्राहे ने विधायक निधी से दो सौगाते प्रदान की जिसमें आंगनवाड़ी भवन, एवं सभामंच प्रदान किया।

नि :शुल्क महावीर स्वास्थ्य सेवा शिविर का हुआ आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। महावीर इंटरनेशनल अपेक्स लांजी (रीजन-9) द्वारा 27 से 30 जून तक प्रतिमाह आयोजित नि:शुल्क महावीर स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से जरूरतमंद लोगों की सेवा की जा रही है। सेवा, प्रेम और शांति का संदेश फैलाना और

सबकी सेवा, सबको प्यार का मूल मंत्र अपनाते हुए यह संगठन समाज और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित है। इस माह लांजी, भानेगांव, कुम्हारीकला, बहेला, साडरा, बोलेगांव, घोटी और कांद्रीकला में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किए गए। प्रशिक्षित डॉक्टर कर्मवीर सिंह, सहयोगी अरशद खान और इंद्रकुमार राजा भुते की टीम ने शिविरों को सफलतापूर्वक संचालित किया। इस दौरान 25 लोगों का चयन मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए किया गया।महावीर इंटरनेशनल अपेक्स के डिप्टी डायरेक्टर व चेयरमैन लांजी, विशाल राउत खोंगल ने बताया कि प्रत्येक माह की 27, 28, 29 और 30 तारीख को इन स्थानों पर शिविर आयोजित किए जाते हैं। यह पहल स्थानीय लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए शुरू की गई है, ताकि उन्हें दूर तक यात्रा न करनी पड़े। मरीजों को जांच, परामर्श और मार्गदर्शन के साथ-साथ केंद्र से ही सभी सुविधाएं और बस सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। महावीर इंटरनेशनल लांजी प्राणी मात्र की सेवा के लिए समर्पित है और अपने स्वास्थ्य सेवा केंद्रों के माध्यम से लोगों का सहयोग कर रहा है।

ग्राम स्थाई पटेल संघ लांजी की बैठक संपन्न

धर्मेंद्र सिंह (गुड्डा) बैस कार्यवाहक अध्यक्ष मनोनीत

लांजी (पद्मेश न्यूज)। गायत्री मंदिर भगवती देवी सभागृह लांजी में 30 जून 2025 सोमवार को ग्राम स्थाई पटेल संघ की बैठक आयोजित की गई। बैठक ग्राम पाला किरणापुर के स्थाई पटेल सुरेंद्र सिंह चौहान के मुख्यातिथ्य में एवं ग्राम पटेल संघ बालाघाट के जिला अध्यक्ष डॉ. कृष्ण कुमार लिल्हारे की अध्यक्षता में की गई। बैठक में लांजी क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों के स्थाई पटेल, जिनमें केदारनाथ पटले, प्रेमलाल बोर्मडे, महेश धामने, देवेश येडे, धर्मेंद्र सिंह (गुड्डा) बैस, मूलचंद चौधरी, उमेश दसरिया सहित अन्य ग्रामों के पटेल उपस्थित रहे।जिला अध्यक्ष डॉ. लिल्हारे ने संगठन को सशक्त बनाने हेतु अधिक से अधिक पटेलों की भागीदारी पर बल दिया। उन्होंने ग्राम पटेलों के अधिकारों, नई नियुक्तियों की प्रक्रिया और अपने पद की गरिमा बनाए रखते हुए कार्य करने की अपील की। उन्होंने राजनीति से दूर रहने और शासन-प्रशासन से अपने हक के लिए भोपाल तक संघर्ष करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि पंचायती राज लागू होने के बाद से ग्राम पटेलों के अधिकारों का हनन हुआ है, और अब समय आ गया है कि सभी पटेल एकजुट होकर अपने अधिकारों की मांग करें। प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल शरणागत के नेतृत्व में प्रदेश की सभी तहसीलों में पटेलों के अधिकारों के लिए बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में लांजी में यह बैठक संपन्न हुई। बैठक में धर्मेंद्र सिंह (गुड्डा) बैस, बडगांव (मनेरी) को कार्यवाहक अध्यक्ष मनोनीत किया गया। आगामी बैठक में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सचिव की नियुक्ति का निर्णय लिया गया। साथ ही, जिन ग्रामों में पटेलों की नियुक्ति नहीं हुई है, वहां नियुक्ति प्रक्रिया में सहयोग करने की अपील भी की गई।जिला अध्यक्ष ने सभी पटेलों से संगठन के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने और इसे मजबूत बनाने का आग्रह किया।

खुर्शीटोला में हुआ धरती आबा जन भागीदारी, जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शिविर का आयेजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश शासन के द्वारा धरती आबा जन भागीदारी तथा जल गंगा संवर्धन अभियान के अन्तर्गत लगातार शिविरों के आयोजन कर हितग्राहियों को शासन की योजनाओ से लाभान्वित किया जा रहा है। जिसके तहत लांजी जनपद क्षेत्र के विभिन्न वनांचलो अन्य ग्रामों उक्त शिविर का आयोजन कर हितग्राहियों को शासन की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर उन्हे लाभ दिया जाना तथा शिविरों के माध्यम से उनकी समस्याओ का निराकरण करना शिविर का प्रमुख उद्देश्य है। इसी कड़ी में 30 जून को जनपद पंचायत लांजी अन्तर्गत ग्राम पंचायत खुर्शीटोला में धरती आबा जन भागीदारी, जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शिविर का आयेजन किया गया। शिविर में प्रमुख रूप से सरपंच ओमप्रकाश दवने द्वारा दीप प्रज्जवलित कर शिविर का शुभारंभ किया गया। जिसमें कृषि विभाग के द्वारा ग्रामीण कृषकों को मढ़िया रागी का संवर्धन बीज का वितरण किया गया। साथ ही शिविर में स्वास्थ्य जांच के साथ आयुष्मान कार्ड, समग्र आईडी का कार्य किया गया। कार्यक्रम में समस्त पंचायत प्रतिनिधि एवं दुरांचल ग्राम धीरी से ब्रजलाल सिरसाम, नंद लाल सिरसाम, रामदयाल सिरसाम, रमेश वल्के, कुथेलाल गजबे, उलास घोरमारे, नीलकंठ घोरमारे, खेमराज घरते एवं अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे। स्वास्थ्य विभाग से श्रीमती ललीता वाघ, श्रीमती मंजू घोरमारे, सचिव दिलीप सत्कार सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत सरपंच ओमप्रकाश दवने ने शिविर के महत्व को ग्रामीणो को समझाया तथा आभार व्यक्त कर शिविर के सफलता पूर्वक आयोजन के लिये शासन प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया।

देवरबेली में जनमन शिविर का आयोजन

लांजी- जनपद पंचायत लांजी के ग्राम पंचायत देवरबेली में धरती आबा जन मन शिविर का आयोजन 30 जून को ग्राम पंचायत भवन में आयोजित किया गया। शिविर में प्रमुख से उपस्थित ग्राम पंचायत सरपंच सुरेन्द्र मरावी के द्वारा श्री अन्न उत्पादन योजना के अन्तर्गत क्षेत्र के विशेष पिछड़ी जन जाति बैगा किसानों को निःशुल्क रागी बीज मिनी कीट का वितरण किया गया। किसानों को नवाचार के रूप में रागी लगाने के लिये प्रोत्साहित करते हुये रागी फसल की महत्ता के विषय में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में कृषि विभाग से एईओ एकता पन्द्रे द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी के साथ किसान क्रेडिट कार्ड बनाने के लिये प्रेरित किया गया। जिससे किसानो को शासकीय योजनाओं का लाभ मिल सके। इस दौरान क्षेत्र से कुमेल सिंह मरकाम संदुका, भादू धुर्वे हराडेही, कोपासिंह मरावी केराडेही, शामलाल मेरावी केराडेही, जग्गू धुर्वे हर्राडेही, बिरजू गोंड केराडेही, रामलाल छतरू मरावी संदुका, सुधारी परते टेमनी, सुदामा परते देवरबेली, बिसन सिंह मरकाम, संतोष मेरावी देवरबेली को रागी बीज प्रदान किया गया।

सिविल अस्पताल में समारोह आयोजित कर 6 सेवानिवृत्त कर्मचारियों का सम्मान कर दी विदाई

लांजी (पद्मेश न्यूज)। सिविल अस्पताल लांजी के सभा कक्ष में 30 जून 2025 को 6 सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रीमती तीजा रामटेके एएनएम उप स्वास्थ्य केंद्र चिचोली, श्रीमती पी. बल्ले एएनएम मोहझरी, श्रीमती एस. दानी एएनएम घोटी, श्रीमती जी. रंगारे एएनएम भानेगाव, श्रीमती गया रणदिवे एएनएम कालीमाटी एवं एन.के. बनोठे एमपीडब्ल्यू कुल्पा को अधिवार्षिकी आयु पूर्ण करने पर स्वास्थ्य विभाग परिवार लांजी द्वारा सम्मानित कर विदाई दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान धन्वंतरी के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों का शॉल, श्रीफल, पुष्पमाला और स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत किया गया। समारोह में डॉ. अक्षय उपराडे (खंड चिकित्सा अधिकारी), डॉ. अंकित खरोले, डॉ. रूपेंद्र गिरिया, डॉ. प्रशांत पाटिल, डॉ. ओमप्रकाश नेवारे, डॉ. मिना वाहने, डॉ. विद्या उइके, मनीष पाण्डे (बीपीएम), अजेंद्र श्रीराम (बीईई), श्रीमती रीता गोस्वामी, श्रीमती अरुणा मेश्राम, श्रीमती पी. गौतम (एलएचव्ही), सेक्टर सुपरवाइजर, नर्सिंग स्टाफ, लैब स्टाफ, ऑफिस स्टाफ, एनआरसी स्टाफ, मलेरिया-टीबी स्टाफ, पैरामेडिकल स्टाफ, फील्ड कर्मचारी, एएनएम, एमपीडब्ल्यू, एनएमए, सीएचओ, वार्ड बॉय, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, सुरक्षा गार्ड और सफाई मित्र उपस्थित रहे।उपस्थित कर्मचारियों ने गीत और वक्तव्यों के माध्यम से सेवानिवृत्त कर्मचारियों के स्वास्थ्य सेवाओं में योगदान को याद किया और उनके स्वस्थ व समृद्ध भविष्य की कामना की। साथ ही, सिविल अस्पताल लांजी से स्थानांतरित हुई नर्सिंग सिस्टर श्रीमती नैंसी बेदी को भी विदाई दी गई। उनके कार्यकाल के दौरान नर्सिंग क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों की सराहना की गई।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

कल शाम भोपाल आएंगे चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के लिए नामांकन कल खंडेलवाल के नाम पर बन सकती है सहमति

मध्यप्रदेश में भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष के चयन को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। पार्टी हाईकमान की मंजूरी के बाद दावेदारों ने अंतिम दौर की जोड़-तोड़ तेज कर दी है। बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल दौड़ में सबसे आगे माने जा रहे हैं। अध्यक्ष पद के लिए नामांकन प्रक्रिया 1 जुलाई को होगी, जब केंद्रीय चुनाव अधिकारी धर्मेंद्र प्रधान भोपाल पहुंचेंगे। नामांकन और रायशुमारी के बाद 2 जुलाई को कार्यसमिति की बैठक में नए प्रदेश अध्यक्ष के नाम की घोषणा की जाएगी।

भोपाल

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के लिए नामांकन एक जुलाई की शाम को भरे जाएंगे। चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान मंगलवार की शाम को भाजपा दफ्तर पहुंचकर चुनाव की औपचारिकताएं पूरी करवाएंगे। इससे पहले, सोमवार शाम तक प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव का कार्यक्रम भाजपा घोषित कर सकती है। इस बीच यह चर्चा तेजी से चल रही है कि पूर्व सांसद एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल के नाम पर प्रदेश अध्यक्ष के लिए सहमति बन सकती है। धर्मेंद्र प्रधान मंगलवार शाम करीब चार बजे प्रदेश भाजपा दफ्तर पहुंचेंगे और उसके बाद चुनाव की औपचारिकताएं शुरू होगी। ऐसा माना जा रहा है कि प्रदेश अध्यक्ष निर्विरोध चुने जाने की पूरी तैयारी पार्टी नेताओं की है। प्रधान यहां पर आकर सबसे पहले भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं के साथ चर्चा करेंगे। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव को लेकर बातचीत होगी। इसके बाद वे चुनाव की प्रक्रिया शुरू करवाएंगे।

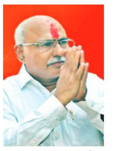

संघ और संगठन में मजबूत पकड़

इधर सूत्रों की मानी जाए तो बैतूल के पूर्व सांसद एवं दो बार के विधायक हेमंत खंडेलवाल के नाम पर सभी नेताओं के बीच सहमति बन सकती है। हेमंत खंडेलवाल के पिता विजय कुमार खंडेलवाल बैतूल लोकसभा से तीन बार सांसद रह चुके हैं। हेमंत खंडेलवाल तब से ही राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और भाजपा से जुड़े हुए हैं। पिता के निधन के बाद हेमंत खंडेलवाल ने बैतूल लोकसभा से उपचुनाव लड़ा था और वे यहां के सांसद बने थे। इसके बाद वे बैतूल विधानसभा से चुनाव लड़ने लगे, वे दूसरी बार के विधायक हैं। खंडेलवाल संघ और संगठन में मजबूत पकड़ रखते हैं।

ये भी हैं रेस में

हालांकि प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ में कई अन्य नेताओं के नाम भी चर्चा में हैं। जहां वैश्य समाज से हेमंत खंडेलवाल का नाम सबसे तेजी से चल रहा है। जिसमे बैतूल के सांसद एवं केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उईके, सुमेर सिंह सोलंकी, हिमाद्री सिंह, गजेंद्र सिंह पटेल के नाम शामिल माने जा रहे हैं। वहीं ब्राह्मणों में उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा, अर्चना चिटनीस का नाम भी दौड़ में माना जा रहा है। वहीं श्रत्रिय में बृजेंद्र प्रताप सिंह, अरविंद भदौरिया का नाम चर्चा में है। इनके अलावा भी कुछ नाम इस दौड़ में माने जा रहे हैं। यह भी माना जा रहा है कि कोई चौंकाने वाला नाम भी सामने आ सकता है। करीब एक दर्जन नाम चर्चाओं में बने हुए हैं। मंगलवार की शाम को स्थिति साफ हो जाएगी। यह तय माना जा रहा है कि प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव में मतदान की स्थिति नहीं आएगी।

19 राज्यों में जरूरी है प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव

भाजपा के अपने संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए प्रदेश अध्यक्षों का चुनाव काफी अहम होता है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू करने के लिए आधे से अधिक प्रदेशों के अध्यक्षों का चुनाव जरूरी होता है। राजनीतिक रूप से भाजपा के 36 प्रदेश हैं। इसे देखते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू करने के लिए 19 प्रदेशों में अध्यक्ष का चुनाव होना जरूरी है। प्रदेश अध्यक्षों के साथ ही राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों का भी चुनाव होता है, जो राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में मतदान करते हैं। मध्य प्रदेश के साथ ही कुछ अन्य राज्यों में भी चुनाव की प्रक्रिया की जा रही है। इसके बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होगा।

कांग्रेस संगठन सृजन का फर्स्ट फेस आज होगा पूरा

भोपाल

अपने संगठन कमजोर होने की हकीकत जानने और जिला अध्यक्ष स्थानीय नेताओं की मर्जी से बनाने के लिए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा चलाए जा रहे संगठन सृजन का पहला फेस सोमवार को पूरा होने जा रहा है। संगठन सृजन अभियान के तहत एआईसीसी ने पर्यवेक्षक बनाकर प्रदेश के हर जिले में भेजे थे। इसके साथ तीन-तीन पर्यवेक्षक और प्रभारी प्रदेश कांग्रेस ने बनाए थे। इन सभी को अपनी अलग-अलग रिपोर्ट दो जुलाई तक एआईसीसी को भेजना है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी को कोई भी पर्यवेक्षक और प्रभारी अपनी रिपोर्ट नही देगा।

दो दिन के भीतर रिपोर्ट में बताना होगा जिलों में कैसी है संगठन की स्थिति, जिला अध्यक्ष के लिए कौन-कौन है दावेदार

राहुल गांधी ने तीन जून को संगठन सृजन अभियान की शुरूआत भोपाल में पार्टी नेताओं की बैठक लेने के बाद की थी। जिसमें एआईसीसी ने दूसरे प्रदेश के नेताओं को यहां पर जिला पर्यवेक्षक बनाकर भेजा था। पीसीसी से भी तीन-तीन हर जिले में प्रभारी और पर्यवेक्षक बनाए गए थे। इन सभी ने दस जून से दो चरणों में दौरे किए। इस दौरान इन्होंने जिलों में कांग्रेस संगठन की स्थिति, यहां की वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति, जिला कांग्रेस अध्यक्ष पद के दावेदारों के नाम सहित संगठन और राजनीतिक परिदृश्य की हकीकत जानी है। सोमवार को इस फेस का पहला चरण पूरा हो रहा है। जिसकी विस्तृत रिपोर्ट सभी को अलग-अलग बनाकर सीधे एआईसीसी को भेजना है। यह रिपोर्ट प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी के जरिए राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल तक पहुंचेगी।

खासबात यह है कि पहली बार कांग्रेस ने दूसरे प्रदेश के नेताओं को ब्लॉक स्तर तक भेज कर, वहां के नेताओं से बातचीत कर संगठन की स्थिति जानने का प्रयास किया है। इन रिपोर्ट के आधार पर पार्टी जिला और ब्लॉक में संगठन को मजबूत करने की रणनीति तैयार करेगी। इसके साथ ही इस रिपोर्ट के आधार पर ही जिला अध्यक्ष का भी चयन किया जाएगा।

जल संसाधन का रेवेन्यू टारगेट 750 करोड़, तीन माह में वसूले सिर्फ 30 करोड़

भोपाल

जलसंसाधन विभाग के मैदानी कार्यालय लक्ष्य के अनुरूप राजस्व वसूली नहीं कर पा रहे है। इस वर्ष 750 करोड़ रुपए की वसूली का लक्ष्य विभाग ने तय किया था इसके विरुद्ध अभी भी 720 करोड़ 88 लाख रुपए की वसूली होना बाकी है। मध्यप्रदेश में इस वित्तीय वर्ष में पूरे प्रदेश में पूर्व के वर्षो के मूल एवं ब्याज सहित 1209 करोड़ 92 लाख रुपए की वसूली की जाना बाकी थी। चालू वित्तीय वर्ष की 456 करोड़ 91 लाख रुपए और बाकी है। विभाग ने इस वर्ष कुल वसूली के लिए 750 करोड़ रुपए की वसूली का लक्ष्य तय किया था। इसमें से तीन महीने में नाम मात्र की वसूली हो पाई है। इसमें से अभी तक 720 करोड़ 88 लाख रुपए की वसूली होना बाकी है। चंबल बेतवा कछार भोपाल को लक्ष्य के विरुद्ध अभी 239 करोड़ 18 लाख 39 हजार रुपए की वसूली करना बाकी है। गंगा कछार रीवा को 242 करोड़ 88 लाख रुपए की वसूली करना बाकी है। यमुना कछार ग्वालियर 29 करोड़ 42 लाख रुपए की वसूली नहीं कर पाया है। नर्मदा ताप्ती कछार इंदौर को 28 करोड़ 47 लाख रुपए की वसूली करना बाकी है। जलसंसाधन विभाग उज्जैन ने 28 करोड़ 86 लाख रुपए की वसूली नहीं की है। जलसंसाघन विभाग नर्मदापुरम भी 40 करोड़ 9 लाख रुपए की वसूली नहीं कर पाया है। राजनहर सिंध परियोजना दतिया ने लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 14 करोड़ 50 लाख रुपए की वसूली नहीं की है। धसान केन्द कछार सागर ने 26 करोड़ 51 लाख रुपए की वसूली नहीं की है। बैन गंगा कछार सिवनी ने 61 करोड़ 40 लाख रुपए की वसूली नहीं की है। एक-के पीएमयू राजगढ़ ने 12 करोड़ 7 लाख रुपए की वसूली नहीं की है। एसएस पीएमयू इंदौर को भी 6 करोड़ दस लाख रुपए की वसूली करना बाकी है।

प्रमुख अभियंता ने जताई नाराजगी

जलसंसाधन विभाग के प्रमुख अभियंता विनोद कुमार देवड़ा ने सभी कछारों और विभागके मुख्य अभियंताओं को पत्र खिलाकर राजस्व वसूली मे धीमी गति पर नाराजगी जाहिर की है। राजस्व वसूली की जानकारी निर्धारित प्रपत्र में समय सीमा में भेजने पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है इस पर भी नाराजगी जाहिर की गई है। हर माह दस तारीख तक जानकारी भेजने को कहा गया है।उद्योगों, नगरीय निकायों को भेजे जा रहे जल के स्रोत अनुबंध की स्थिति एवं जलप्रदाय की स्थिति का उल्लेख करने को कहा गया है।उद्योगों, निजी पावर प्लांट एवं एनीपीसी की राजस्व वसूली अलग-अलग भेजने को कहा गया है।

नहीं हो रही अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार अधिनियम जिला और अनुभाग स्तर पर समय पर बैठकें

भोपाल

मध्यप्रदेश में अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत जिला एवं अनुभाग स्तर पर प्रत्येक तीन माह में सतर्कता और निगरानी समिति की बैठके समय पर नहीं होरही है। अनुभाग स्तर पर तो बैठके ही नहीं हो पाई है। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने अनुसूचित जाति, जनजाति विभाग को समय पर बैठकें कराने के निर्देश दिए है।

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने जब विभाग की समीक्षा की तो यह तथ्य सामने आया था कि प्रदेश में अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत पिछले वर्ष प्रदेश में जिलों पर निर्धारित 208 बैठकों के विरुद्ध मात्र सौ और अनुभाग स्तर पर 1762 बैठकों के विरुद्ध एक भी बैठक आयोजन नहीं हुई। मुख्य सचिव ने समय पर बैठकें करके पीड़ितों को सहायता राशि का वितरण शीघ्रता से करने के निर्देश दिए है।

अधिनियम के अंतर्गत दर्ज प्रकरणों में साठ दिवस के भीतर न्यायालय में चालान प्रस्तुत किए जाने का प्रावधान है परन्तु कई जिलों में चालानी कार्यवाही हेतु प्रकरण लंबित है। मुख्य सचिव ने समयसीमा में जिला स्तर पर चालान प्रस्तुत कराना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है।

स्पेशल डीजी शिकायत डीसी सागर आज हो रहे रिटायर

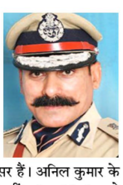

प्रसं, भोपाल। स्पेशल डीजी शिकायत डीसी सागर आज अपनी 23 साल की सेवा पूरी कर रिटायर हो रहे हैं। उनकी जगह पर एडीजी महिला सुरक्षा अनिल कुमार पदोन्नत होंगे। डीसी सागर वर्ष 1992 बैच के अफसर हैं। इस दौरान वे कई जिलों में पुलिस अधीक्षक रहे, वे चंबल, बालाघाट, शहडोल में आईजी और एडीजी रहे। वे आईजी प्रबंध, एडीजी शिकायत के पद पर भी पुलिस मुख्यालय में पदस्थ रहे। वहीं अनिल कुमार वर्ष 1993 बैच के आईपीएस अफसर हैं। अनिल कुमार के पास महिला सुरक्षा शाखा की कमान है। वे पदोन्नत होकर यहीं पर पदस्थ रह सकते हैं। जबकि शिकायत शाखा की कमान किसी अन्य अफसर को दी जा सकती है।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित समत्व भवन से जबलपुर में आयोजित मध्यप्रदेश ओलिंपिक संघ की वार्षिक सभा में सहभागिता कर संबोधित किया। साभार प्रदेश टूडे

जल संरक्षण का जन आंदोलन बना जल गंगा संवर्धन अभियान

क्षिति, जल, पावक, गगन, समीरा,पंचतत्व से बना शरीरा

रामचरित मानस की इस चौपाई के पंचतत्वों में से एकजल, जीवन का आधार है। हमें जीवन के अस्तित्व के लियेजल को संरक्षित करना ही होगा। इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए बचाना जरूरी है। ऋग्वेद की ऋचाओं में जल के महत्व, विशेषताओं और संरक्षण का संकेत है। रामायण और महाभारत में प्रकृति के संरक्षण का उल्लेख है। जल संरक्षण हमारी पुरातन संस्कृति है। यह अपनी परंपरा और संस्कारों की ऐतिहासिक विरासत है जिसे हमें अगली पीढ़ी तक पहुंचाना है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की विरासत से विकास की दृष्टि समग्र कल्याण के लिए है जो प्रकृति संवर्धन से लेकर विकास के हर पक्ष में समाहित है। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने लंबे समय तक जल संरक्षण का अभियान चलाया था उन्हीं से प्रेरणा लेकर मध्यप्रदेश में हमने जल गंगा संवर्धन अभियान की संकल्पना की। इस अभियान का शुभारंभ 30 मार्च गुड़ी पड़वा, नववर्ष विक्रम संवत अवसर पर महाकाल की नगरी उज्जयिनी के शिप्रा तट से किया गया।यह अभियान जल संरक्षण, जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन और जन-जागरुकता को समर्पित रहा है। जल संग्रह के कई कीर्तिमान रचने के साथ आज हम जल संरक्षण की समृद्धि का उत्सव मना रहे हैं।

डॉ. मोहन यादव

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि इस 90 दिन तक चले अभियान में पूरे प्रदेश में बड़े पैमाने पर जलसंरचनाओं पर काम हुआ है। इस अभियान में खंडवा जिले ने 1.29 लाख संरचनाओं का निर्माण किया है इस विशेष उपलब्धि के लिए खंडवा को भू-गर्भ जल भंडारण की दृष्टि से प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। यह हमारा सौभाग्य है कि मध्यप्रदेश की धरती प्रकृति की विपुल सम्पदा से समृद्ध है। यह मां नर्मदा, शिप्रामईया, ताप्ती और बेतवा सहितलगभग 267नदियों का मायका है। प्रदेश में पहली बार नदियों को निर्मल और अविरल बनाने के लिए 145 से अधिक नदियों के उद्गम को चिन्हित किया गया और साफ-सफाई के साथ पौधरोपण की शुरूआत हुई है। नदियों के तट पर पौधरोपण की यह पहलनदियों को उनके मायके में हरि चुनरी ओढ़ाने का प्रयास है।

प्रदेश में पहली बार जल सरंक्षण के साथ जल समृद्धि की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण की पहल की गई। इसके तहत राजाभोज ने बसाये भोपाल की ऐतिहासिक धरोहर बड़े बाग की बावड़ी को सहेजने और पुनर्जीवित करने का कार्य किया गया। मुझे यह बताते हुए खुशी है कि इस अभियान के अंतर्गत हमने 200 वर्ष पहले लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर द्वारा बनाई गई होलकर कालीन बावड़ी को जीर्णोद्धार उपरांत नया स्वरूप प्रदान किया है। इस बावड़ी का लोकर्पण करते हुएमुझे यह महसूस हुआ कि हम माता अहिल्या के लोक कल्याण के युग में पहुंच गये हैं। बावड़ियां हमारे पूर्वजों की अमूल्य धरोहर हैं, इसे अगली पीढ़ी तक पहुंचाने के लिये प्रदेश भर में दो हजार से अधिक बावड़ियों को पुनर्जीवित करते हुए बावड़ी उत्सव मनाया गया।

माननीय प्रधानमंत्री जी ने हमारी युवा शक्ति को जल सैनिक बनाने का आह्वान किया था। इस अभियान में, मध्यप्रदेश में पहली बार 2.30 लाख जल दूत बनाये गये। मुझे पूर्ण विश्वास है कि पानी बचाने के लिए यह अमृत मित्र भविष्य में जल सुरक्षा के अग्रदूत बनेंगे। प्रदेश में पहली बार डेढ़ लाख से अधिक कृषकों ने सभी विकासखंडों में 812 पानी चौपाल का आयोजन किया। इसमें किसानों ने अपने गांव के खेतों, जल स्त्रोतों के संरक्षण, संवर्धन और पुरानी जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार पर विचार विमर्श किया।

प्रदेश में पहली बार खेत का पानी खेत में, गांव का पानी गांव में रोकने के लिए खेत तालाबों का चयन सिपरी सॉफ्टवेयर से किया गया। अभियान में 83 हजार से अधिक बनने वाले खेत-तालाबों से प्रदेश के अन्नदाता में नई उम्मीद जागी है। अब वे अपने खेत में एक नहीं कई फसलें ले सकते हैं। इस अभियान में प्रदेश के नगर-नगर और गांव-गांव में जल स्त्रोतों को शुद्ध और उपयोगी बनाने का कार्य चला, अनेक पोखर और बावड़ियों को पुनर्जीवनप्राप्त हुआ।

अद्भिः सर्वाणि भूतानि जीवन्ति प्रभवन्ति च।

महाभारत के शांति पर्व का यह श्लोक जल के महत्व और जीवन में इसकी भूमिका को दर्शाता है। मैं प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता से पानी की बूंद-बूंद बचाने और जल समृद्ध राज्य बनाने का आह्वान करता हूं। आईये, हम सब मिलकर पानी की हर बूंद बचाने का संकल्प लें, जल संरक्षण और संवर्धन के कार्य को आगे बढ़ायें। मुझे उम्मीद है कि जल गंगा संवर्धन अभियान प्रदेश में जल की प्रचुर उपलब्धता और भावी पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में मील का पत्थर साबित होगी।

(लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं।)

साढ़े तीन माह में 337 टन कचरे का हुआ निपटान

यूका का कचरा भस्म, 4 माह बाद दफन होगी राख

इंदौर

इंदौर के समीप पीथमपुर में भोपाल से लाए गए यूनियन कार्बाइट कचरे का निपटान हो गया है। साढ़े तीन माह में 337 टन कचरे को भस्मक में जलाया जा चुका है। अब जो राख बची है। उसे भी चार महीने बाद वैज्ञानिक विधि से दफनाया जाएगा। 337 टन कचरा जलाने के बाद 750 टन राख बची है। जिसे विशेष बैग में भरा गया है। उसे लीक प्रफू स्टोरेज शेड में रखा गया है। उसके लिए जमीन से डेढ़ मीटर ऊंचाई पर एक प्लेटफार्म तैयार किया गया है। अभी बारिश का समय है। राख को चार माह बाद लैंडफिल किया जाएगा। लैंडफिल भी कंपनी परिसर में ही बनाया गया है। इस प्लांट में दस साल पहले भी दस टन कचरे को लैंडफिल किया जा चुका है। उसके कारण तारापुर गांव के नाले व कुएं का पानी काला पड़ गया था। कचरे को जलाने के दौरान किसी भी तरह की हानिकारक गैसें तय मानकों से ज्यादा मात्रा में वातावरण में नहीं फैली। अब प्रदूषण विभाग इसकी रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत करेगा। जहरीले कचरे को चूने के साथ जलाया गया।

हाईकोर्ट ने दिया था 70 दिन का समय

भोपाल से पीथमपुर 2 जनवरी को 12 कंटेनरों में कचरा लाया गया था। 3 जनवरी को पीथमपुर में भारी विरोध हुआ था। हाईकोर्ट ने पहले 30 टन कचरे का ट्रायल रन करने को कहा था। 30 टन कचरा जलाने के बाद रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत की गई। इसके बाद 5 मई से बचा 307 टन कचरा जलाने का काम शुरू किया गया। इसके लिए कोर्ट ने 70 दिन का समय दिया था, लेकिन 55 दिन में ही कंपनी ने जहरीले कचरे का नामो-निशान मिटा दिया। रामकी कंपनी को कचरे के निपटान के लिए केंद्र सरकार ने 126 करोड़ रुपये दिए है।

क्या एजबेस्टन में भारत को पहली जीत दिला पाएंगे गिल

बर्मिंघम। भारत एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में 0-1 से पिछड़ रहा है। टीम को लीड्स टेस्ट में इंग्लैंड ने 5 विकेट से हराया था। अब शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम को 5 मैचों की सीरीज में वापसी करने के लिए दूसरा टेस्ट जीतना होगा। यह मुकाबला 2 जुलाई से बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेला जाएगा। इस स्टोरी में 143 साल पुराने इस ऐतिहासिक मैदान पर भारत का रिकॉर्ड जानेंगे। साथ ही यहां भारत के टॉप स्कोरर और टॉप विकेट टेकर्स की लिस्ट भी देखेंगे हैं। सबसे पहले इस मैदान के बारे में जानिए...

एजबेस्टन मैदान पर भारत का रिकॉर्ड

58 साल में टेस्ट नहीं जीता, 39 साल पहले ड्रॉ खेला था भारतीय टीम ने एजबेस्टन मैदान पर पहला मैच 58 साल पहले 1967 में खेला था। 13 जुलाई से 15 जुलाई तक खेले इस गए मुकाबले में मंसूर अली खान पटौदी की कप्तानी वाली भारतीय टीम को 132 रनों की हार झेलनी प ?ी थी। तब से अब तक भारतीय टीम ने इस मैदान पर 8 टेस्ट मैच खेले, लेकिन किसी भी मैच में जीत नसीब नहीं हुई। भारतीय टीम ने यहां 39 साल पहले 1986 को एक ड्रॉ मैच खेला था। 3 से 8 जुलाई तक चले इस मुकाबले में मोहिंदर अमरनाथ (79 रन), मोहम्मद अजहर (64 रन) और सुनील गावस्कर (54 रन) ने अर्धशतकीय पारियां खेलकर मैच ड्रॉ कराया था। इस मैच की कप्तानी कपिल देव कर रहे थे।

भारतीय के टॉप प्लेयर्स

कोहली टॉप स्कोरर, चेतन शर्मा को सबसे ज्यादा विकेट वर्तमान भारतीय टीम में ऋषभ पंत इकलौते खिलाड़ी हैं, जो एजबेस्टन मैदान पर भारत के टॉप प्लेयर्स की सूची में शामिल हैं। यहां के टॉप स्कोरर्स की सूची में विराट कोहली पहले स्थान पर हैं। उन्होंने 4 पारियों में 57.75 के एवरेज से 231 रन बनाए हैं। इनमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। 5 प्लेयर्स की इस सूची में सुनील गावस्कर, ऋषभ पंत, सचिन तेंदुलकर और गुंडप्पा विश्वनाथ जैसे नाम हैं। टॉप 5 विकेट टेकर्स में शामिल कोई भी गेंदबाज इंग्लैंड दौरे पर गई भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। यहां चेतन शर्मा ने 10 विकेट झटके हैं। इस सूची में ईएएस प्रसन्ना, आर अश्विन, कपिल देव और ईशांत शर्मा के नाम हैं।

भारत के आयुष ने जीता बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर बैडमिंटन खिताब
महिला वर्ग में तन्वी उपविजेता रही

आयोवा। भारत के आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन सुपर 300 बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर बैडमिंटन खिताब जीता है। 20 साल के आयुष ने पुरुष एकल फाइनल में कनाडा के ब्रायन यांग को सीधे गेमों में हराकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ खिताब जीता है। । आयुष की इस जीत के भारत को लंबे समय के बाद विश्व टूर में कोई खिताब मिला है। विश्व जूनियर चैंपियनशिप 2023 में कांस्य पदक विजेता रहे आयुष ने तीसरी वरीयता प्राप्त कनाडा के यांग को 47 मिनट तक चले मुकाबले में 21-18, 21-13 से हराया। इससे पहले आयुष ने सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन के चोऊ टिएन चेन को हराया था। ब्रायन के खिलाफ यह आयुष की यह तीसरी जीत है। इस भारतीय खिलाड़ी ने इस साल की शुरुआत में मलेशिया और ताइपे ओपन में भी इस कनाडाई खिलाड़ी को दो बार हराया था। वहीं महिला एकल के फाइनल में भारत की 16 वर्षीय तन्वी शर्मा को फाइनल में हार के बाद दूसरा स्थान मिला है। तन्वी को अमेरिका की बेइवेन झांग के खिलाफ तीन गेम तक चले मुकाबले में 11-21, 21-16, 10-21 से हार का सामना करना पड़ा।

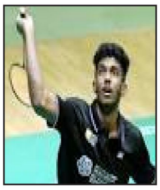

जिम्बाब्वे के बल्लेबाज बेनेट चोट के कारण बाहर हुए, मास्वारे शामिल

बुलावायो। जिम्बाब्वे के सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट चोटिल होने के कारण बुलावायो टेस्ट से बाहर हो गये हैं। बेनेट ने इस मैच में 19 रन बनाए थे। बेनेट मैच के छठे ओवर में क्वेना मफाका की गेंद पर शॉट लगाने का प्रयास कर रहे थे पर गेंद उनके हेलमेट पर जा लगी। इससे अब टेस्ट में आगे नहीं खेल पायेंगे। उनकी जगह प्रिंस मास्वारे को टीम में शामिल किया गया है। इसी के साथ ही प्रिंस टेस्ट क्रिकेट में अपना 10वां मुकाबला खेलेंगे। दक्षिण अफ्रीका ने इस मैच की पहली पारी में 90 ओवर में 9 विकेट पर 418 बरन बनाकर पारी घोषित कर दी थी। इसके बाद घोषित जिम्बाब्वे की शुरुआत खराब रही और उसके बल्लेबाज अताकुदजवानाशे कैटानो खाता भी नहीं खोल पाये जबकि निक वेल्च 4 रन ही बना पाये।

इंग्लैंड का ये पूर्व क्रिकेटर बोला, मेरे कारण सचिन का नाम हुआ

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर एलन लैंब ने भारतीय टीम के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह उन्हें सुनील गावस्कर और विराट कोहली से भी बेहतर मानते हैं। लैंब ने कहा है कि उन्होंने अपने समय में जिन क्रिकेटरों के साथ खेल था उनसे भी बेहतर वह सचिन की बल्लेबाजी को मानते हैं। इस पूर्व क्रिकेटर ने मजाकिया अंदाज में कहा कि सचिन की इस सफलता में मेरा भी काफी योगदान रहा है। लैंब ने कहा कि सचिन तेंदुलकर ने जब पहला शतक लगाया था तब मैंने उनका एक कैच छोड़ा था। मेरे कैच छोड़ने के कारण ही वह शतक लगाने में सफल रहे हैं। तब सचिन 18 साल के थे। मैंने स्लिप में उनका कैच गिरा दिया था और उन्होंने शतक लगाकर अपनी पहचान बनायी थी। इसलिए मैं उनसे हमेशा कहता रहता हूं कि मेरे कारण ही आज उनका नाम है। लैंब ने साथ ही कहा,विराट भी एक शानदार खिलाड़ी हैं। उनके पास सभी तरह के शॉट हैं। वे तेजी से रन बना सकते हैं। लेकिन अगर आप उन खिलाड़ियों की बात करें जिनके खिलाफ मैं खेला हूं तो मैं सचिन का नाम लूंगा। मैं उन्हें सुनील गावस्कर से भी आगे मानता हूं। लैंब ने मैच अगस्त 1990 में मैनचेस्टर में खेले टेस्ट में सचिन का कैच छोड़ा था। इस टेस्ट में 18 साल के सचिन ने पहला टेस्ट शतक लगाया था। इस मैच में भारतीय टीम की दूसरी पारी में सचिन का कैच तब गिरा था। इसके बाद सचिन ने 119 रन की नाबाद पारी खेली। यह टेस्ट क्रिकेट में उनका पहला शतक था। भारत ने अपनी दूसरी पारी में 6 विकेट पर 343 रन बनाए और मैच ड्रॉ हो गया।

शमी होते तो बुमराह को मिलता एक अनुभवी जोड़ीदार !

बर्मिंघम। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत ही दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में आराम दिया जाएगा। ऐसे में टीम को अनुभवी तेज गेंदबाज मो शमी की याद आई है। शमी को इस सीरीज के लिए इसलिए जगह नहीं मिली क्योंकि वह पूरी तरह से फिट नहीं थी। इससे पहले आईपीएल में उनका प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुसार नहीं रहा था। ऐसे में उन्हें टीम में शामिल न करने के लिए प्रबंधन को दोषी नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि आईपीएल 2025 में वह नौ मैचों में 56 की औसत से केवल छह विकेट ले पाये थे। वहीं इसके बाद भी शमी को खारिज नहीं किया जा सकता क्योंकि चैंपियंस ट्रॉफी में उन्होंने 5 मैचों में 25 की औसत से 9 विकेट लिए। इंग्लैंड दौरे पर 34 वर्षीय तेज गेंदबाज शमी को ना चुने जाने से उनके टेस्ट करियर के समाप्त होने की भी आशंका लगायी गयी पर ये सही नहीं है। अभी भी शमी बुमराह के लिए एक अच्छे सहयोगी हैं। आज जबकि बुमराह केवल तीन टेस्ट खेल कसते हैं तो सभी को शमी की याद आ रही है। ये भी कहा जा रहा है कि शमी को कम से कम दो टेस्ट के लिए तो शामिल किया जा सकता था। वह भी उनक मैचों में जिनमें बुमराह नहीं होते। शमी ने इंग्लैंड में 14 मैचों में 42 विकेट लिए हैं और वह टीम की ओर से अहम भूमिका निभा सकते थे। शमी के नहीं होने से टीम इंडिया अभी तक बुमराह के लिए सही जोड़ीदार तलाशने में असफल रही है। युवा मोहम्मद सिराज फॉर्म में नहीं हैं। वहीं आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा भी अनुभवी नहीं हैं।

बुमराह के डर से उनकी टीम जल्दी लक्ष्य हासिल करना चाहती थी -जेमी

लंदन। इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जेमी स्मिथ ने कहा है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के डर से उनके खिलाड़ियों ने पहले टेस्ट के अंतिम दिन रविंद्र जडेजा के खिलाफ आक्रामक रूख अपनाकर जितनी जल्दी को सके लक्ष्य हासिल करने का प्रयास किया था। जेमी के अनुसार उनकी टीम को आशंका थी कि बुमराह अगर गेंदबाजी के लिए आये तो उनकी मुश्किलें बढ़ जाएंगी। इसी कारण जीत के लिए 371 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए वह जो रूट के साथ सतर्कता से बल्लेबाजी कर रहे थे। स्मिथ इसके बाद जडेजा के खिलाफ दो छक्के और एक चौका लगाकर टीम को जीत दिलाने में सफल रहै। स्मिथ ने कहा, 'उस समय टीम को ज्यादा रन की जरूरत नहीं थी। उस समय बुमराह के गेंदबाजी पर आने की संभावना कम थी पर खेल में आप किसी भी चीज को लेकर पूरी तरह से कुछ नहीं कह सकते। इंग्लैंड का स्कोर उस समय पांच विकेट पर 355 रन था और टीम प्रबंधन को लगा कि अगर बुमराह को गेंद मिलती है तो विकेट खोने का खतरा होगा। उन्होंने कहा, 'आप नहीं जानते कि क्या होगा। मैं हमेशा अपनी टीम का समर्थन करता हूं पर कुछ अच्छी गेंदें हो सकती हैं और अचानक आप 8 विकेट गंवाने के बाद दबाव में हो सकते हैं। ऐसे में मैंने मैच को जल्दी समाप्त करने का फैसला किया। उन्होंने कहा, 'मुझे पता था कि एक नई गेंद आने वाली है और विकेट गिरने पर क्रिस वोक्स को बल्लेबाजी के लिए आना पड़ता पर अगर मैं कुछ बड़े शॉट मार सका तो यह स्थिति ही नहीं आएगी। स्मिथ ने यह भी कहा कि भारत ने अंतिम दिन विकेट लेने के पूरे प्रयास किये थे पर उनकी टीम ने चीजों को सरल रखते हुए आक्रामक और रक्षात्मक खेल से बल्लेबाजी कर मैच जीत लिया।

अजहर महमूद पाकिस्तान टेस्ट टीम के नए मुख्य कोच बने

लाहौर। पूर्व ऑलराउंडर अजहर महमूद पाकिस्तान की टेस्ट क्रिकेट टीम के नए मुख्य कोच बनाये गये हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अजहर के नाम की घोषणा कर दी है पर कहा है कि वह वह शुरुआत में कार्यवाहक मुख्य कोच रहेंगे। अजहर पिछले काफी समय से पुरुष क्रिकेट टीम के गेंदबाजी और असिस्टेंट कोच रहे हैं। वह अपने मौजूदा अनुबंध के समाप्त होने तक इस पद पर काम करेंगे। पिछले दो साल में पीसीबी ने कई मुख्य कोच बदले हैं, ऐसे में महमूद कब तक टिक पायेंगे ये देखना होगा। पीसीबी को भरोसा है कि अजहर कोच को खिलाड़ी और कोच के रूप में काफी अनुभव है, इसलिए वह इस भूमिका में सफल रहेंगे। पीसीबी ने कहा, एक अनुभवी क्रिकेट खिलाड़ी अजहर अब कोच के तौर पर आ रहे हैं। टीम के सहायक कोच के रूप में लंबे समय से रहने के कारण वह टीम के रणनीतिक कोर समूह का एक अहम हिस्सा रहे हैं। खेल के बारे में उनकी जानकारी काफी अच्छी है। अंतरराष्ट्रीय अनुभव के साथ हीइंग्लिश काउंटी सर्किट में मिली सफलता उन्हें इस पद के लिए सबसे अधिक उपयुक्त बनाती है। महमूद की कोच के तौर पर पहली परीक्षा आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के तहत दक्षिण अफ्रीका की धरती पर होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के साथ शुरू होगी।

भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का नाम बदलने से नाराज हैं पूर्व क्रिकेटर फारुख इंजीनियर

बर्मिंघम। पूर्व क्रिकेटर फारुख इंजीनियर ने भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का नाम बदले जाने पर नाराजगी जताया है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि ये फैसला प्रशंसकों को खुश करने के लिए किया गया। ईसीबी ने साल 2007 में भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का नाम पटौदी ट्रॉफी रखा था पर इस बार इसका नाम बदलकर एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी कर दिया गया। इस फैसले को दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भी सही नहीं माना था। इंजीनियर भी नाम बदलने से सहमत नहीं हैं हालांकि उन्होंने माना है कि सचिन तेंदुलकर और जेम्स एंडरसन की उपलब्धियों पर सवाल नहीं उठाये जा सकते हैं। इंजीनियर ने कहा, 'टाइगर पटौदी मेरे बहुत अच्छे दोस्त थे। मेरे बहुत अच्छे सहयोगी थे। हमने काफी टेस्ट मैच साथ में खेले। मुझे सबसे ज्यादा खुशी तब हुई जब 2007 में ट्रॉफी का नाम उनके नाम पर रखा गया। उन्होंने कहा, 'एक ओर जहां मैं इस बात से बहुत निराश हूं कि पटौदी का नाम हटा दिया गया। मैं चाहता हूं कि टाइगर का नाम इस ट्रॉफी से जुड़ा रहता लेकिन इसके बजाय सचिन और एंडरसन के नाम पर इस ट्रॉफी का नाम रखने का फैसला किया गया जो खेल के दिग्गज हैं। इंजीनियर ने कहा, 'इसमें पटौदी पदक की शुरुआत एक अच्छा कदम है। उन्हें इसकी घोषणा शुरू में ही कर देनी चाहिए थी, इससे अधिक विश्वसनीयता होती, लेकिन कम से कम उन्होंने कुछ तो किया। उम्मीद है कि पटौदी पदक के जरिये ये नाम इससे हमेशा जुड़ा रहेगा। पटौदी परिवार का भारत-इंग्लैंड क्रिकेट से गहरा नाता रहा है। इफ्तिखार अली खान पटौदी और उनके बेटे मंसूर दोनों ने भारत की कप्तानी की थी। इन दोनों ने इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेला। वहीं दूसरी ओर तेंदुलकर टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जबकि एंडरसन ने तेज गेंदबाज के रूप में पारंपरिक प्रारूप में सबसे अधिक विकेट लिए हैं। इंजीनियर ने कहा, 'तेंदुलकर और एंडरसन की उपलब्धियों पर सवाल नहीं उठाया जा सकता। इस कहानी के दो पहलू हैं। उन्होंने पदक का नाम पटौदी के नाम पर रखा है जो बहुत सोच-समझकर किया गया फैसला है। उन्होंने कहा, 'यह फैसला पटौदी के मुझे जैसे कई समर्थकों को खुश करने के लिए किया गया लेकिन आप उन्हें ट्रॉफी का नाम सचिन और एंडरसन के नाम पर रखने के लिए दोषी नहीं ठहरा सकते।

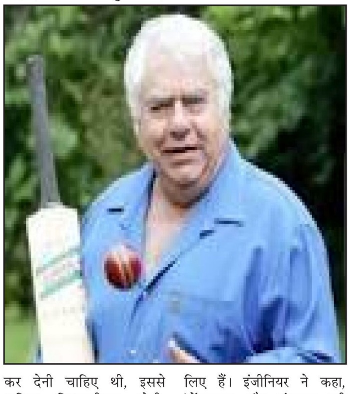

शास्त्री बोले डब्लयूटीसी अब अहमदाबाद में होना चाहिये-शास्त्री

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि अगला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025 (डब्लयूटीसी) फाइनल भारत के अहमदाबाद में होना चाहिये। शास्त्री के अनुसार इस महत्वपूर्ण टूर्नामेंट के लिए इंग्लैंड एक आदर्श स्थल है पर मेरा मानना है कि अब जब ये विश्व स्तर पर लोकप्रिय हो गया है तो इसका आयोजन भारत और ऑस्ट्रेलिया के बड़े स्टेडियमों में भी किया जा सकता है। शास्त्री के अनसार इंग्लैंड ने तीन बार इस टूर्नामेंट के फाइनल की मेजबानी कर ली है। पहला डब्लयूटीसी फाइनल साउथेम्प्टन के रोज बाउल में आयोजित किया गया था, जिसमें न्यूजीलैंड ने भारत को हराया था। इसके बाद के दूसरा फाइनल ओवल में हुआ जहां ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर चैंपियन बना। वहीं तीसरा फाइनल लॉर्ड्स के मैदान पर हुआ जिसमें दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को हराया। शास्त्री ने कहा, मुझे लगता है कि शुरुआत में इसका लॉर्ड्स में आयोजन अच्छा है पर लोकप्रियता और प्रशंसा मिलने के बाद इसे अन्य जगहों पर भी आयोजित किया जा सकता है। मुझे लगता है कि इसके फाइनल के लिए अहमदाबाद स्टेडियम भी अच्छा रहेगा। उन्होंने साथ ही कहा, मूल रूप से, ऐसी जगहें जहां आप भीड़ खींच सकते हैं डब्लयूटीसी फाइनल के लिए अच्छी है लॉर्ड्स 100,000 सीटों वाला स्टेडियम नहीं है। इसलिए चाहे कोई भी टीम खेल रही हो, आपको पता है कि आपको अच्छी भीड़ मिलेगी, इसलिए स्टेडियम बदलना ठीक रहेगा। गौरतलब है कि साल 2031 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल तक की मेजबानी इंग्लैंड के पास है, वहीं भारतीय बोर्ड ने 2027 फाइनल के लिए बोली लगाई थी पर उसे ये नहीं मिली।

केशव महाराज दक्षिण अफ्रीका की ओर से 200 विकेट लेने वाले पहले स्पिनर बने

बुलावायो। कप्तान केशव महाराज की शानदार गेंदबाज से दक्षिण अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में 251 रनों पर समेट दिया। केशव ने अपनी टीम की ओर से सबसे अधिक तीन विकेट लिए। इसी के साथ ही उन्होंने एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया। केशव अपनी टीम की ओर से टेस्ट क्रिकेट में 200 विकेट लेने वाले पहले स्पिनर बन गये। इस मैच में अफ्रीकी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 418 रन बनाये। इस प्रकार उसे पहली पारी के आधार पर 167 रनों की अच्छी खासी बढ़त मिल गयी है। दक्षिण अफ्रीका के लिए इससे पहले 8 गेंदबाजों ने 200 या उससे अधिक विकेट लिये पर वे सभी तेज गेंदबाज थे। महाराज ने 200 विकेट का आंकड़ा क्रेग एर्विन को आउट करके हासिल किया। केशव के अब अब 59 टेस्ट मैच में 202 विकेट हो गये हैं जिसमें 11 बार पांच विकेट और एक बार 10 विकेट शामिल हैं। गौरतब है कि दक्षिण अफ्रीका के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड तेज गेंदबाज डेल स्टेन के नाम है। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने अपने करियर में 439 विकेट लिए थे। उनके अलावा शॉन पॉलक ने 421 विकेट लिए और वह 400 से अधिक विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज हैं।

विंबलडन जीतकर रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब अपने नाम करना चाहते हैं जोकोविच

लंदन। सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच की नजरें इस बार विंबलडन जीतकर रिकार्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब अपने नाम करना है। 38 साल के जोकोविच के बारे में कहा जा रहा है कि वह अपना अंतिम विंबलडन खेल रहे हैं इसलिए भी ये टूर्नामेंट उनके लिए अहम है। वहीं जोकोविच ने कहा, ' कि ये उनका अंतिम ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट होगा या नहीं अभी इस बारे मे नहीं कहा जा सकता है। साथ ही कहा कि मैं अगले साल फ्रेंच ओपन या किसी अन्य ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में भाग लूंगा या नहीं, ये भी तय नहीं है। उन्होंने कहा, 'मेरी इच्छा अभी कई और साल तक अभी खेलना है। मैं शारीरिक और मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार रहना चाहता हूं और यही मेरा लक्ष्य है पर आगे क्या होगा ये नहीं कहा जा सकता है। जोकोविच अपने अभियान की शुरुआत मंगलवार को एलेक्जेंडर मुलर के साथ मुकाबले से करेंगे। जोकोविच ने यह माना है कि ऑल इंग्लैंड क्लब उन्हें एक और एकल खिताब जीतने का अच्छा अवसर दे सकता है, जिससे वह अपने करियर में कुल 25 खिताब जीत सकते हैं। गौरतब है कि यह एक ऐसी संख्या जिस तक कोई भी टेनिस खिलाड़ी नहीं पहुंच पाया है।

एकदिवसीय विश्वकप हारने के बाद कोच पद छोड़ना चाहते थे द्रविड़ -रोहित

नई दिल्ली। भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने खुलासा किया है कि 2023 एकदिवसीय विश्वकप में मिली हार से कोच राहुल द्रविड़ भी बेहद निराश थे और उन्होंने कोच पद छोड़ने की पेशकश की थी। रोहित के अनुसार तब मैंने उन्हें कोच बने रहने को मनाया था और कहा था कि छह माह बाद टी20 विश्पकप है जिसमें हम एक बार फिर आईसीसी खिताब जीतने का प्रयास कर सकते हैं। उसके बाद द्रविड़ टी20 विश्वकप तक कोच रहे थे। रोहित ने कहा, द्रविड़ 2023 विश्व कप के बाद पद छोड़ना चाहते थे पर हमने कहा, छह महीने में एक और वर्ल्ड कप है। हम इतनी दूर आ गए हैं। चलो एक और अवसर लेते हैं। वह इसके बाद कोच बने रहने तैयार हो गये, मुझे बहुत खुशी है कि उन्होंने ऐसा किया। अब उन्हें लगता है कि उन्होंने तब सही फैसला लिया थास। मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से, यह भावनात्मक भी था। एक क्रिकेटर के रूप में मेरी पहचान इस प्रारूप से शुरू हुई- 2007 टी20 विश्व कप में। वहीं 17 साल बाद फिर वही ट्राफी उठाना एक शानदार अनुभव था। उन्होंने साथ ही कहा, बारबाडोस हमेशा मेरी मेरी यादों में रहेगा। यह मेरे क्रिकेट करियर का सबसे गौरवपूर्ण क्षण था। उस ट्रॉफी को उठाना, आईसीसी पुरुष टी20 विश्वकप 2024 का चैंपियन बनना। यह अवास्तविक था। मैंने 2007 के पहले टी20 विश्व कप खेला था और हमने महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में जीत दर्ज की थी। वहीं 2024 में द्रविड़ के मुख्य कोच रहते इससे जीतना एक सुखद अहसास था। एकदिवसीय विश्वकप 2023 में टीम फाइनल में हार गयी थी, इसलिए भी ये जीत बेहद अहम रही।

एक मंच में सहकारी समितियॉ

बालाघाट, हट्टा में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, बालाघाट, उपायुक्त सहकारिता बालाघाट और जिला सहकारी संघ बालाघाट के बैनर तले अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 का आयोजन कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक मृणाल मीणा के मार्गदर्शन में जिला बैंक मुख्यालय और हट्टा में आयोजित किया गया। 29 जून को हट्टा में आयोजित कार्यक्रम में मंचासिन अतिथि फुलचंद सहारे अध्यक्ष जनपद पंचायत बालाघाट, उदयसिंह नगपुरे पूर्व अध्यक्ष जेएसके बैंक, तुकड्यादास वैद्य पूर्व राज्यमंत्री म.प्र. शासन, चित्रसेन पारधी पूर्व संचालक जेएसके बैंक, श्रीमती रंजना वैद्य सदस्य जनपद पंचायत, पी. जोशी प्र. मुख्य कार्यपालन अधिकारी जेएसके बैंक बालाघाट, जयसिंह नगपुरे, राजेश नगपुरे फिल्ड अधिकारी जेएसके बैंक बालाघाट, आशीष मिश्रा शाखा प्रबंधक मुख्य शाखा बालाघाट, उमेश सोनेकर, श्यामलाल लिल्हारे, वेदप्रकाश पटेल बीज संघ, महेश बाहेश्वर, राकेश उइके, रमेश परस्ते सहकारिता विभाग बालाघाट आदि उपस्थित रहे। मंचासिन अतिथियों ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 में एक मंच में सहकारी समितियॉ अपने विचारों का आदान प्रदान कर अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के उद्देश्य को साकार कर रही है। सहकारी समितियों को बहूउद्देशीय के रूप में परिवर्तित किया जा रहा है जिससे किसानों का इसका लाभ प्राप्त हो रहा है। केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की मंशा अनुरूप सहकारी समितियॉ कार्य कर रही है। सहकारी सेमीनार, सम्मेलन और कार्यशाला जैसे कार्यक्रमों से सहकारी समितियों के सदस्यों को अपने विचार रखने का अवसर प्राप्त हो रहा है। कार्यक्रम का मंच संचालन आशीष मिश्रा शाखा प्रबंधक मुख्य शाखा बालाघाट द्वारा किया गया। इस अवसर पर नीरज बिसेन सहकारी प्रशिक्षु जेएसके बैंक बालाघाट के अलावा बड़ी संख्या में सहकारिता से जुड़े कृषक सदस्य, जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। इसी तारत्मय में 30 जून को बैंक मुख्यालय बालाघाट में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंच में

ऋषभसिंह एनसीडीसी भोपाल, पी. जोशी प्र. मुख्य कार्यपालन अधिकारी, राजेश खोब्रागड़े कृषि विभाग, माधुरी सोनेकर प्रबंधक दुग्ध संघ बालाघाट, डी.पी. मनघटे सहायक मत्स्य अधिकारी, मुकेश दुबे प्रबंधक जिला सहकारी संघ आदि उपस्थित रहे। मंचासिन अतिथियों ने दुग्ध विभाग, मत्स्य विभाग, एनसीडीसी विभाग, कृषि विभाग आदि विभाग जहां सहकारी समितियॉ कार्यरत है के संबंध में अपने विचार व्यक्त किये तथा अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के उद्देश्य को पूर्ण करने का संकल्प लिया गया।

उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों में अमूल चूल परिवर्तन हो रहे है। सहकारी समितियॉ को बहूउद्देशीय बनाये जाने के क्षेत्र में बालाघाट जिले में कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम का मंच संचालन आशीष मिश्रा शाखा प्रबंधक मुख्य शाखा बालाघाट द्वारा किया गया। इस अवसर पर राजेश नगपुरे फिल्ड अधिकारी बैंक मुख्यालय, श्रीमती सीमा दुबे प्रबंधक लेखा, अमरेश परिहार इन्वेटरी मैनेजर, नीरज बिसेन, ज्योति पटले दुग्ध संघ, कार्यशाला में जिले के बहुतायत संख्या में दुग्ध समिति, मत्स्य समिति, वनोपज समिति के पदाधिकारी और सदस्यगण उपस्थित रहे।

माध्यमिक शाला जामडीमेटा के प्रधानपाठक एन के पटले को अर्धवार्षिकी आयु पर दी गई स्नेहिल बिदाई

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला जामडीमेटा के प्रधानपाठक नंद किशोर पटले को उनकी अर्धवार्षिकी सेवावधि आयु पूर्ण होने पर विद्यालय परिवार एवं ग्रामीणों द्वारा स्नेहिल बिदाई दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम माता सरस्वतीजी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण कर पूजन किया गया। तत्पश्चात् छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों द्वारा श्री पटले जी को तिलक लगाकर पुष्पमाला पहनाकर पुष्पगुच्छ एवं उपहार भेंट करते हुए उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की गई।इस दौरान सेवानिवृत्त प्रधानपाठक एन के पटले के संबंध मे जानकारी मे बताया गया कि श्री पटले जी का जन्म 15 जून 1963 मे ग्राम चंगेरा मे हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा ननिहाल ग्राम कांद्रीकला मे हुई थी। तत्पश्चात् हायर सेकेंडरी एवं आईटीआई की। उनकी पहली पोस्टिंग

ग्राम घोटी लांजी मे 2 जुलाई 1987 को हुई थी।1 जनवरी 2001 से वे जनशिक्षा केन्द्र लांजी मे बीएसी व जनशिक्षक पद पर कार्यरत रहे। तथा 27 अगस्त 2011 से आज दिनांक 30 जून 2025 तक शासकीय ईपीईएस शासकीय माध्यमिक शाला जामडीमेटा मे प्रधानपाठक पद पर कार्यरत रहे। इस दौरान उनके द्वारा शिक्षा विभाग के लिए उत्कृष्ट कार्य किया गया। इस दौरान सेवानिवृत्त प्रधानपाठक नंदकिशोर पटले ने अपने उद्बोधन मे शिक्षकों को समय की कद्र करते हुए अपने कार्यों का पूरी ईमानदारी से निर्वहन करने की प्रेरणादायक बातें कही।इस कार्यक्रम के अवसर पर ग्राम सरपंच स्वरूप सिंह उईके, पूर्व सरपंच नरेन्द्र पटले,सेवानिवृत्त शिक्षक विजय कुमार देशमुख, पी एल जोशी, श्री तुरकर जी,ईपीईएस शासकीय माध्यमिक शाला जामडीमेटा की प्राथमिक शिक्षक आभा खरे, अतिथि शिक्षक हेमेंद्र पांचे, दिनेश कुमार तेलासे, प्रकाश पाराशर, माध्यमिक शाला किन्हीं के शिक्षक बालचंद लिलहारे, मानसिंह जजपेले, उमेद सिंह कोड़पे, नरेन्द्र पाण्डेय, राम सिंह मर्सकोले, गुलाब पटले, शनिचरे सर, नंदकिशोर डोंगरे, राजेन्द्र राहंगडाले, एस एम सी अध्यक्ष छबिता कोसरे, पंच मनीष पटले सहित अनेक नागरिक एवं स्कूली बच्चे मौजूद रहे।

जगन्नाथ रथयात्रा में भगदड़, प्रत्यक्षदर्शी ने बताया, एक ही रास्ते से एंट्री और एग्जिट

भुवनेश्वर। ओडिशा के पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा के दौरान हुई भगदड़ के प्रत्यक्षदर्शियों ने भयावह स्थिति का आंखों देखा हाल बताया है। उन्होंने बताया कि एक ही रास्ते से एंट्री और एग्जिट था, और एग्जिट गेट बंद करके वहीं से वीआईपी एंट्री कराई गई थी, जिससे आम भक्तों के लिए कोई अलग रास्ता नहीं था। इस बीच पुलिस भीड़ को संभालने में नाकाम रही। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रथ के सामने पूजा सामग्री से लदे दो ट्रक घुस आए, इससे कई भक्त उससे टकराकर गिर पड़े और भगदड़ मच गई। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि हादसे के वक्त मौके पर कोई पुलिसकर्मी नहीं था और एंबुलेंस एक किलोमीटर दूर खड़ी थी, जिससे घायलों को लोग हाथों पर उठाकर ले गए। एक मृतका के पति ने प्रशासन की लापरवाही का आरोप लगाकर कहा कि उनकी पत्नी पानी मांगती रही लेकिन कोई सुनने वाला नहीं था। यह हादसा गुंडिचा मंदिर के पास रविवार सुबह 4:20 बजे हुआ, जिसमें तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 50 से ज्यादा घायल हुए। जगन्नाथ जी का रथ बाद में पहुंचने से दर्शन की होड़ लग गई, जिससे भीड़ अनियंत्रित हो गई। पुरी की रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथों को उनकी मौसी के घर गुंडिचा मंदिर के सामने 9 दिन के लिए खड़ा कर दिया जाता है। यहां बलभद्र और सुभद्रा के रथ पहले पहुंच चुके थे। जगन्नाथ रथ बाद में पहुंचा, जिससे लोगों में उसके दर्शन करने की होड़ लग गई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात बना देश का ग्रोथ इंजन

गुजरात सरकार के स्वामित्व वाली कंपनियों ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में शेयर बाजार में मचाई धूम

अहमदाबाद। गुजरात सरकार के स्वामित्व वाली कंपनियां शेयर बाजार में धूम मचा रही हैं। इन कंपनियों ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (28 मार्च से 30 जून) में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के सेंसेक्स और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी जैसे प्रमुख सूचकांकों के रिटर्न को भी पीछे छोड़ दिया है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि इन कंपनियों की मजबूत वित्तीय स्थिति और रणनीतिक प्रबंधन को दर्शाती है, जो एक अग्रणी आर्थिक केंद्र के रूप में गुजरात के स्थान को और मजबूत बनाती है। गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में गुजरात देश का 'ग्रोथ इंजन' बन गया है। इतना ही नहीं, आज गुजरात ने औद्योगिक रूप से देश के सबसे विकसित राज्यों में एक के रूप में प्रतिष्ठा हासिल की है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात औद्योगिक और आर्थिक विकास के मामले में लगातार तेज गति से आगे बढ़ रहा है, तब राज्य सरकार के स्वामित्व वाली कंपनियों का बाजार में मजबूत प्रदर्शन राज्य की विकास यात्रा को आगे बढ़ाने में काफी महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। शेयर बाजार के ताजा आंकड़ों के अनुसार, भारतीय शेयर बाजार बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध गुजरात की कंपनियों ने उल्लेखनीय उछाल दर्ज करते हुए समग्र बाजार से काफी बेहतर प्रदर्शन किया है। सोमवार को बीएसई सेंसेक्स 8.00% बढ़कर 83,606.46 पर बंद हुआ था, जबकि निफ्टी 8.49% बढ़कर 25,517.05 पर बंद हुआ। इसके विपरीत, गुजरात सरकार के स्वामित्व वाली कई कंपनियों ने डबल डिजिट में वृद्धि दर्ज की। यह वृद्धि बाजार में उनके मजबूत स्थान और लचीलेपन को दर्शाती है। इस सूची में शीर्ष पर गुजरात मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (जीएमडीसी) है, जिसने 52.23% की शानदार वृद्धि दर्ज की। कंपनी के शेयर की कीमत 265.35 रुपए से बढ़कर 411.90 रुपए हो गई। दूसरे स्थान पर गुजरात इंडस्ट्रियल पावर कंपनी लिमिटेड (जीआईपीसीएल) है, जिसने 21.31% की मजबूत वृद्धि दर्ज की जिससे कंपनी के शेयर की कीमत 180.20 रुपए से बढ़कर 218.60 रुपए हो गई है। इसके बाद, गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (जीएसएफसी) ने भी 15.31% की वृद्धि दर्ज की, जिसके शेयर की कीमत 177.30 से बढ़कर 204.45 रुपए हो गई है। वहीं, गुजरात गैस लिमिटेड के शेयर की कीमत में 14.30% की वृद्धि देखने को मिली, जो 412.60 से बढ़कर 471.60 रुपए हो गया है। गुजरात स्टेट पेट्रोनेट लिमिटेड (जीएसपीएल) और गुजरात नर्मदा वैली फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (जीएनएफसी) ने भी क्रमश: 12.29% और 11.60% की वृद्धि दर्ज कर शानदार प्रदर्शन किया है। इन शेयरों का शानदार प्रदर्शन गुजरात सरकार के स्वामित्व वाले उद्यमों के रणनीतिक विजन और परिचालन दक्षता को दर्शाता है, जो प्रतिस्पर्धी बाजार के माहौल में भी लगातार आगे बढ़ रहे हैं। राज्य सरकार ने हमेशा सतत विकास, नवाचार और निवेशकों के विश्वास को महत्व दिया है, जिसके चलते ये कंपनियां बेंचमार्क सूचकांकों को पार कर असाधारण रिटर्न देने के लिए प्रेरित हुई हैं। ये कंपनियां नवाचार और विकास की दिशा में सतत आगे बढ़ रही हैं, इसलिए निवेशक और हितधारक टिकाऊ वृद्धि की उम्मीद रख सकते हैं।

जिले के समन्वयक संस्था से 01 जुलाई को होगी 10वीं एवं 12वीं की अंकसूची वितरित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले के समन्वयक संस्था से 01 जुलाई दोपहर 01 बजे से शाम 05 बजे तक 10वीं एवं 12वीं की अंकसूची का वितरण कार्यालयीन कार्य दिवस में किया जाएगा। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट समन्वयक संस्था बालाघाट के प्रभारी प्राचार्य शरद ज्योतिषी ने बताया है कि कक्षा 10वी एवं 12वी बोर्ड वार्षिक परीक्षा वर्ष 2025 की अंकसूचियां जिले के समन्वयक संस्था से 01 जुलाई को कार्यालयीन कार्य दिवस में वितरित की जाएगी। अत: जिले के शासकीय तथा अशासकीय हाई स्कूल, हायर सेकण्डरी स्कूल के प्राचार्य अपने अधिकृत प्रतिनिधि को भेजकर अंकसूचियां प्राप्त करना सुनिश्चत कर सकते है।

उज्जैन के महाकाल मंदिर में श्रावण में कांवड़ यात्रियों को मिलेगी वीआईपी सुविधा

मंदिर समिति ने कांवड़ यात्रियों के लिए चार नंबर गेट से प्रवेश की व्यवस्था की

उज्जैन। ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में अब तक नेता, अधिकारियों आदि को ही विशेष प्रवेश द्वार से प्रवेश की सुविधा मिलती है, लेकिन अब श्रावण मास में देशभर से आने वाले कांवड़ यात्रियों को इस सुविधा का लाभ मिलने जा रहा है। मंदिर समिति ने सैकड़ों किलोमीटर की पद यात्रा का भगवान महाकाल का जलाभिषेक करने आने वाले कांवड़ियों के लिए चार नंबर गेट से प्रवेश की व्यवस्था की है। वर्तमान में यह द्वार 250 रुपये के शीघ्र दर्शन टिकट वाले श्रद्धालुओं के लिए आरक्षित है। कांवड़ यात्री महाकालेश्वर अन्नक्षेत्र में निश्शुल्क महाप्रसादी भी ग्रहण कर सकेंगे।

देशभर से आएंगे कांवड़ यात्री

श्रावण मास में देशभर से हजारों कांवड़ यात्री गंगा, नर्मदा सहित अन्य प्रमुख नदियों का जल लेकर भगवान महाकाल का जलाभिषेक करने उज्जैन आते हैं। इस बार भी 11 जुलाई से नौ अगस्त श्रावणी पूर्णिमा तक संपूर्ण श्रावण मास में भगवान के जलाभिषेक का सिलसिला चलेगा। दूरदराज से सैकड़ों किलोमीटर की पद यात्रा करते हुए महाकाल के दर आने वाले कांवड़ यात्रियों को भगवान के जलाभिषेक में किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो, इसलिए इनके प्रवेश की व्यवस्था चार नंबर गेट से की गई है। इस विशेष द्वार से कांवड़ यात्री मंदिर में प्रवेश कर विश्राम धाम, सभा मंडप के रास्ते गणेश व कार्तिकेय मंडपम् में पहुंचेंगे तथा यहां लगे जलपात्र से जल अर्पण कर निर्धारित व्यवस्था अनुसार मंदिर के बाहर निकलेंगे। कावड़ यात्रियों को विशेष द्वार से प्रवेश की सुविधा सप्ताह में चार दिन मंगलवार से शुक्रवार तक सुबह छह बजे से शाम 4 बजे तक मिलेगी। शनिवार, रविवार व सोमवार को अत्यधिक भीड़ होने से यह व्यवस्था स्थगित रहेगी। हालांकि कांवड़ यात्री भीड़ भरे इन दिनों में भी भगवान महाकाल का जलाभिषेक कर सकेंगे। इसके लिए उन्होंने श्री महाकाल महालोक के नंदी द्वार से सामान्य दर्शनार्थियों की कतार में लगना पड़ेगा।

दो स्थानों पर लगेंगे जल पात्र

श्रावण में भगवान महाकाल का जलाभिषेक करने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर में दो स्थान सभा मंडप व कार्तिकेय मंडपम में जल पात्र लगाए जाएंगे। भक्त इन पात्रों में जल अर्पण करेंगे और जल पाइप के माध्यम से भगवान को अर्पित होगा। बता दें आम दिनों में भगवान महाकाल को केवल आरओ जल ही अर्पित किया जाता है।

अमरनाथ यात्रा को लेकर जम्मू सिटी के लिए ट्रैफिक मैनेजमैंट प्लान तैयार

जम्मू। अमरनाथ यात्रा 2025 के सुरक्षा व अन्य प्रबंधों को लेकर प्रशासन, जम्मू-कश्मीर व ट्रैफिक पुलिस प्रयासरत है। इसी कड़ी में 3 जुलाई से आरंभा होने वाली पवित्र यात्रा के मद्देनजर ट्रैफिक पुलिस द्वारा जम्मू सिटी के लिए ट्रैफिक मैनेजमैंट प्लान बनाया गया है। यातायात व्यवस्था के लिए ट्रैफिक विभाग द्वारा एक एडवाइजरी जारी की गई है। एस.एस.पी. ट्रैफिक फारूक कौसर ने बताया कि लोगों की आस्था की प्रतीक इस यात्रा में देश के विभिन्न राज्यों व विदेश से भी श्रद्धालु आते है। इसकारण जम्मू में वाहनों की संख्या में बढ़ौतरी होती है। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं व आम लोगों को किसी भी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए ट्रैफिक विभाग पूरी तरह से प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि 3 जुलाई से शुरु होने वाली श्री अमरनाथ यात्रा का पहला जत्था जम्मू के भगवती नगर में स्थित यात्री निवास से 2 जुलाई को रवाना होगा। यहां से बालटाल रूट के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं के वाहन के जत्थे को प्रात: 4 बजे और पहलगाम जाने वाले श्रद्धालुओं के जत्थे के वाहनों को 4:30 बजे रवाना किया जाएगा। यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था में कोई रुकावट न आए, इसके लिए यात्रा के समय कुछ मार्गों पर वाहनों की डाईवर्शन व रोक की जाएगी। जारी एडवाइजरी के अनुसार यात्रा कान्वाय निकलने तक कनाल हैड से श्री बंदा बहादुर चौक, आर.एंड बी. पुल से वाया चौथे पुल से बेलीचराना, गांधी नगर कालेज के पास फलाई ओवर से एशिया तक, जानीपुर से वेद मंदिर/अंबफला चौक तक कोई भी वाहन को निकलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। कुछ रूटों में बदलाव भी किया गया है। जे.के.पी. शहीद मैमोरियल चौक, रेलवे स्टेशन से मंडलायुक्त कार्यालय के समीप रेलवे क्रासिंग तक यात्रा के दौरान किसी भी वाहन को निकलने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

क्या यूपी में जातीय हिंसा के नाम पर वोट काटने की तैयारी शुरु

लखनऊ। इटावा और कन्नौज के बाद अब प्रयागराज से जातीय हिंसा की खबरें सुर्खियों में हैं। पहले अहीर रेजिमेंट ने ब्राह्मणों के एक गांव को बंधक बनाया था, अब भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने प्रयागराज में सवर्ण दुकानदारों के प्रतिष्ठानों पर तोड़-फोड़ कर दी है। यह घटना आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद चंद्रशेखर आजाद को प्रयागराज में हाउस अरेस्ट करने के विरोध में हुई। वह कौशांबी और करछना में हाल में हुई घटनाओं के पीडि़त परिवारों से मुलाकात करने जा रहे थे। सांसद चंद्रशेखर को रोकने पर उनके समर्थकों ने करछना इलाके में सड़क पर जमकर हंगामा किया। पुलिस की गाड़ियां तोड़ने और बसों पर पथराव करने के कई फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। खबर है कि पुलिस की 8 बसों सहित 7 निजी गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई है। बताया जा रहा हैं कि भीम आर्मी के निशाने पर केवल सवर्णों की दुकानें थीं। करछना में हालात काबू करने के लिए पीएसी और आरएएफ को भी मौके पर पहुंचना पड़ा। 50 से ज्यादा उपद्रवियों को गिरफ्तार किया गया है। रात करीब 8 बजे चंद्रशेखर आजाद को पुलिस फोर्स की मौजूदगी में प्रयागराज से वाराणसी भेजा गया, जहां से उन्हें दिल्ली भेजने की तैयारी थी। अब सवाल ये उठा रहा हैं कि क्या यूपी में जातीय हिंसा के नाम पर प्रदेश सरकार की छवि खराब करने और जातियों के बीच लड़ाई करने की सोची-समझी रणनीति के तहत काम हो रहा है।

पशु चिकित्सा में बेटियों की भागीदारी शुभ संकेत-राष्ट्रपति मुर्मू

बरेली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को बरेली स्थित भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के 11वें दीक्षांत समारोह में मेधावियों को पदक व उपाधि देकर सम्मानित किया। उन्होंने पशु चिकित्सा क्षेत्र में उपाधि और पदक पाने वाले मेधावियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस समारोह में छात्राओं की बड़ी संख्या में देखकर गर्व की अनुभूति होती है। बेटियां अन्य क्षेत्रों की तरह पशु चिकित्सा क्षेत्र में भी आगे रही हैं। यह बहुत ही शुभ संकेत है। राष्ट्रपति ने कहा कि आप सब ने निरीह और बेजुबान पशुओं की चिकित्सा और कल्याण के क्षेत्र को अपने करियर के रूप में चुना है। इस चुनाव के पीछे 'सर्वे भवन्तु सुखिन:, सर्वे सन्तु निरामया:' की भारतीय सोच का भी योगदान रहा है। राष्ट्रपति सुबह करीब 9:50 बजे भारतीय वायु सेना के विमान से त्रिशूल एयरबेस पर उतरीं। वहां उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया। इस मौके पर झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी भी मौजूद रहे। यहां से वह सीधे आईवीआरआई परिसर स्थित स्वामी विवेकानंद सभागार पहुंचीं। दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति ने स्नातक, मास्टर और डॉक्टरेट डिग्री के विद्यार्थियों को अपने हाथ से प्रमाण पत्र व गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया। अपने सम्बोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि 'ईशावास्यम् इदम् सर्वम्' के जीवन मूल्य पर आधारित हमारी संस्कृति, सभी जीव-जंतुओं में ईश्वर की उपस्थिति को देखती है। पशुओं से हमारे देवताओं व ऋषि-मुनियों का संवाद होता है। भगवान के कई अवतार भी इसी विशिष्ट श्रेणी में हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सक या शोधकर्ता के रूप में कार्य करें तो बेजुबान पशुओं के कल्याण की भावना मन में हो। पशु और मानव में एक परिवार का रिश्ता है। उन्होंने कहा कि पशुओं में बीमारियों की रोकथाम में टीकाकरण की अहम भूमिका है। पशु चिकित्सा अनुसंधान में आईवीआरआई से जुड़े वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं का योगदान सराहनीय है। इस संस्थान ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्राप्त किया है। राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम में अनके टीके यहीं पर विकसित किए गए हैं। यह गर्व की बात है। द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि पशु हमारे लिए 'साधन' (परिवहन के लिए) और किसानों के लिए 'बल' रहे हैं। पशु के बिना किसान आगे नहीं बढ़ सकता है। पशु जीवन धन हैं। उनके बिना हम जिंदगी सोच नहीं सकते। राष्ट्रपति ने विलुप्त हो रहे जीव-जंतुओं पर चिंता जताई। कहा कि जब विभिन्न प्राणियों का संवर्धन होगा, तब जैव-विविधता बढ़ेगी और यह धरती तथा मानव जाति खुशहाल होगी। भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान जैसी संस्थाओं से अपील है कि वे जैव-विविधता को बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाएं और आदर्श प्रस्तुत करें।

मध्यप्रदेश की महिला मंत्री पर लगा जल जीवन मिशन में 1000 करोड़ रुपए की राशि की हेराफेरी करने का आरोप

लांजी के पूर्व विधायक ने की थी प्रधानमंत्री से मंत्री संपतिया उइके की शिकायत, पीएचई के प्रमुख अभियंता ने जारी किए जांच के आदेश

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की मंत्री संपतिया उइके जांच के घेरे में आ गई हैं। विभाग ने उनके खिलाफ जांच का आदेश जारी कर दिया है। पीएचई के प्रमुख अभियंता (ईएनसी) संजय अंधवान ने यह आदेश जारी किया। लांजी के पूर्व विधायक किशोर समरीते ने मंत्री संपतिया उइके की प्रधानमंत्री से शिकायत की थी। उन्होंने संपतिया उइके पर एक हजार करोड़ रुपए कमीशन लेने का आरोप लगाया। समरीते ने शिकायत में कहा कि जल जीवन मिशन के लिए केंद्र द्वारा दिए गए 30 हजार करोड़ रुपए में से मंत्री ने कमीशन की यह राशि ली। इस पर केंद्र सरकार ने रिपोर्ट मांगी। इसके बाद पीएचई के प्रमुख अभियंता ने जांच के आदेश दे दिए हैं। वायरल हो रहे आदेश की विभाग द्वारा कोई पुष्टि नहीं की गई है और आदेश की बालाघाट एक्सप्रेस पद्मेश न्यूज भी पुष्टि नही करता है।

आपको बता दे की महिला मंत्री संपतिया उइके पर करोड़ों रुपए की कमीशन लेने का आरोप लगाया गया है। इस मामले में उन्हीं के लोक स्वास्थ यांत्रिकी विभाग ने जांच के आदेश दिए हैं। जांच की मांग संयुक्त क्रान्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और लांजी के पूर्व विधायक किशोर समरीते द्वारा की गई थी। किशोर समरीते का आरोप है कि जल जीवन मिशन के तहत केंद्र से मध्यप्रदेश को मिले 30 हजार करोड़ रुपए का दुरूपयोग किया गया है। इस मामले में मंत्री संपतिया उइके ने 1000 करोड़ रुपए की कमीशन ली है। पूर्व विधायक किशोर समरीते ने 12 अप्रैल 2025 को प्रधानमंत्री के नाम एक पत्र लिखा था। इस पत्र में कहा गया था कि, जल जीवन मिशन के तहत केंद्र से मध्यप्रदेश को मिले 30 हजार करोड़ रुपए के व्यय की जांच की जाए, साथ - साथ विभागीय मंत्री सम्पतिया उइके और उनके लिए पैसा इक्ट्ठा करने वाले कार्यपालन यंत्री मंडला की संपत्तियों की जांच की जाए। इसके बाद 30 मई 2025 को एक पत्र के जरिए अपर सचिव मध्यप्रदेश ने यह मामला जांच के लिए कार्यालय प्रमुख अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को भेजा। जांच के लिए ई.एन.एस.-पी.एच.ई. ने मुख्य अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और परियोजना निदेशक एमपी जल निगम को पत्र लिखा। पत्र में कहा गया कि, संयुक्त क्रान्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व विधायक किशोर समरीते की शिकायत और उनके द्वारा लिखे गए पत्र का अवलोकन करें। शिकायत के संबंध में तथ्यों की जाच करने के बाद सभी तथ्य 7 दिन के अंदर भेजें। इस पूरे मामले को लेकर विवाद इसलिए है कि, मंत्री के खिलाफ लगे गंभीर आरोपों की जांच उन्हीं के विभाग के अधिकारी को सौंप दी गई।

यह मामला मध्य प्रदेश का एक बड़ा घोटाला है - किशोर समरीते

इस विषय को लेकर लांजी के पूर्व विधायक किशोर समरीते द्वारा चर्चा में बताया गया कि भारत सरकार द्वारा मध्यप्रदेश राज्य को जल जीवन मिशन के लिए 30 हजार करोड रुपए दिए गए थे। जिसमें से 2200 टेंडर लगाए गए थे, किंतु कोई भी कार्य समय पर नहीं हुआ और ना ही उन कार्यों का किसी ने निरीक्षण किया। मध्यप्रदेश में 27000 गांव में इस योजना से लोगों के घरों तक पानी पहुंचाना था । किंतु किसी को भी इस योजना का लाभ नहीं मिला और कोई भी काम समय पर नहीं किया गया। कार्य के दौरान जितने भी नोडल अधिकारी थे, उन्होंने कार्य की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया और ना ही कोई बड़े अधिकारियों ने इस योजना में अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई। कार्य लेट होने के बावजूद भी ठेकेदार को अतिरिक्त समय दिया गया, श्री समरीते ने इस पूरे मामले की सीबीआई जांच करने की सरकार से मांग की है। जिसमें विभाग के कई बड़े अधिकारी की संलिप्त हैं , श्री समरीते ने इस मामले को मध्य प्रदेश का एक बड़ा घोटाला भी बताया है । उन्होंने कहा की जाँच सही हुई तो मंत्री की गिरफ्तारी भी हो सकती है ।

शिक्षिका को अश्लील गंदे मैसेज करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध अपराध दर्ज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले एक गांव की निजी शिक्षण संस्था की शिक्षिका को फोन कर अश्लील शब्दों का प्रयोग कर और व्हाट्सएप पर गंदे शब्द लिखकर कर परेशान करने के आरोप में बिरसा पुलिस ने एक अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध अपराध दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू की है। मिली जानकारी के अनुसार यह 33 वर्षीय शिक्षिका बाहर गांव की रहने वाली है। 3 साल से बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले एक गांव की निजी शिक्षण संस्था में पढ़ाती है। 13 जून 2025 को इस शिक्षिका के मोबाइल नंबर पर एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन किया और और इस अज्ञात व्यक्ति ने इस शिक्षिका से कुछ बात करने के बाद उसके साथ अश्लील बातें करने लगा था। शिक्षिका के द्वारा फोन काट देने के बाद यह व्यक्ति इस शिक्षिका को बार-बार फोन करके परेशान करने लगा । परेशान होकर इस शिक्षिका ने इस अज्ञात व्यक्ति का फोन उठाना बंद कर दी थी। इसके बाद यह व्यक्ति इस शिक्षिका को व्हाट्सएप पर गंदे-गंदे शब्द लिखकर मैसेज करके और परेशान करने लगा। इस संबंध में इस शिक्षिका ने अपने परिवार वालों को बताई और रिपोर्ट करने के लिए बिरसा पुलिस थाना पहुंची। बिरसा पुलिस ने इस 33 वर्षीय शिक्षिका द्वारा की गई रिपोर्ट अज्ञात मोबाइल नंबर के व्यक्ति के विरुद्ध धारा 78(2) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है यह व्यक्ति कौन है मोबाइल नंबर से पता किया जा रहा है।

बेलगाम और अनियंत्रित कार से मची भगदड़

बेलगाम कार ने रोड किनारे पानी पुरी के ठेले को लिया चपेट में, पानी पुरी बेच रहे पति-पत्नी घायल- ग्राहकों ने भाग कर बचाई जान, पानीपुरी का ठेला और दो मोटरसाइकिल हुई क्षतिग्रस्त, पावर हाउस चौक के पास हुई दुर्घटना , घायल पति-पत्नी जिला अस्पताल में भर्ती

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर के समीप डेंजर रोड़ और इंग्लिश स्कूल जाने वाले रास्ते पर स्थित पावर हाउस चौक में उसे समय भगदड़ मच गई जब बेलगाम कार ने रोड किनारे पानी पुरी के ठेले को चपेट में ले लिया। कार की जबरदस्त ठोकर से पानी पुरी बेचने वाले पति पत्नी घायल हो गई वहीं इस कार की चपेट में आने से पानी पुरी खाने वाले कुछ ग्राहक बाल बाल बज गए किंतु दो मोटरसाइकिल इस कार की चपेट में आने से भी क्षतिग्रस्त हो गई। 30 जून की शाम 7:30 बजे करीब यह सड़क दुर्घटना उस समय हुई जब यह कार डेंजर रोड से होते हुए बालाघाट नगर तरफ आ रही थी। इस दुर्घटना में कार के चालक को भी चोंटे आई है। दोनो घायल सुधीर पिता हरिराम सोनकर 42 वर्ष उनकी पत्नी सरस्वती पति सुधीर सोनकर 40 वर्ष वार्ड नंबर 24 इंदिरा नगर बालाघाट निवासी है दोनों को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है कार चालक कैलाश चौधरी ग्राम हरदोली हट्टा निवासी है। जिसे भी चोंटे आई है। उसे भी जिला अस्पताल लाया गया। जो घटना के दौरान शराब के नशे थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुधीर सोनेकर पावर हाउस चौक में रिंकू साउथ इंडियन चाइनीस के नाम से पानी पुरी गुपचुप दोसा की दुकान हाथ ठेले में लगाते हैं और शाम को सुधीर सोनेकर अपनी पत्नी सरस्वती सोनेकर के साथ हाथ ठेला लगाकर धंधा करते हैं। रोज की तरह 30 जून को भी सुधीर सोनेकर ने पावर हाउस चौक में रोड किनारे अपनी पानी पूरी गुपचुप की दुकान लगाए थे। शाम को दोनों पति-पत्नी धंधा कर रहे थे। और ग्राहक भी दुकान में थे। शाम 7-30 बजे करीब डेंजर रोड तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार कार पानी पुरी के ठेले के पास

अनियंत्रित हो गई और इस कार ने पानी पुरी के ठेले को चपेट में ले लिया। कार की जबरदस्त ठोकर से जहा पानी पुरी बेच रहे सुधीर सोनेकर और उनकी पत्नी सरस्वती सोनेकर घायल हो गए वहीं कुछ ग्राहकों ने भाग कर अपनी जान बचाई। इस बेलगाम कार की ठोकर से जहां पानी पुरी का ठेला छतिग्रस्त हो गया वहीं दो मोटरसाइकिल भी इस कार की चपेट में आने से छतिग्रस्त हो गई। घटना के दौरान मौके पर लोगों का हुजूम लग गया और घटना स्थल पर दोनों और वाहन खड़े होने से जाम जैसी स्थिति निर्मित हो गई थी। सूचना मिलते ही कोतवाली मौके पर पहुंची। बताया गया है कि यह कार कैलाश चौधरी ग्राम हरदौली निवासी चला रहे थे और कार में उसके साथी भी बैठे हुए थे जो घटना के बाद वहा से फरार हो गए। इस घटना में कैलाश चौधरी को भी चोंटे आई। दुर्घटना में घायल सुधीर सोनेकर और उनकी पत्नी सरस्वती सोनेकर तथा कार चालक कैलाश चौधरी को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल लाया गया। घायल सुधीर सोनेकर और उनकी पत्नी सरस्वती सोनेकर को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। जानकारी के मुताबिक कैलाश चौधरी ग्राम हरदोली हट्टा निवासी घटना के दौरान अपने साथियों के साथ कार सीजी 04 एच एम 6966 में तुमसर से अपने गांव हरदोली लौट रहे थे। बताया गया कि उस समय कैलाश चौधरी शराब के नशे में थे और वही

कार को चला रहे थे और उनके द्वारा शराब के नशे में तेजरफ्तार, लापरवाही पूर्वक कार चलाने से यह दुर्घटना हुई।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
- COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
- MINING ENGINEERING
- CIVIL ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING

Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों को B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.९, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट